फोनः-4103333, 2362400 फैक्सः-0141-2373513 वर्षः 76 संख्याः 265 प्रभात जयपुर, बुधवार 29 अप्रैल, 2026 डाक पं.सं. जयपुर सिटी/001/2021-23 पृष्ठ 8 मूल्य 2.75 रु.

ARBiT

जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

Metro

Rashtradoot

epaper.rashtradoot.com

"Pagol Mohila" "Authoritarian" "Slumbitch Millionaire"...

The Trinamool's original youth wing was headed by MP Suvendu Adhikary, whose supporters claimed Abhishek was given charge of Yuva to dilute Adhikary's growing clout among young party workers

International Dance Day

महिला व मुस्लिम वोटर, ममता बनर्जी के साथ खड़े हैं?

हालांकि, हिन्दू मतदाता लगभग सत्तर प्रतिशत हैं बंगाल में, इनमें से भाजपा को 60 प्रतिशत वोट मिलें, तब ही भाजपा जीत सकती है, चुनाव

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 27 अप्रैल। जोर-शोर से लड़े जा रहे पश्चिम बंगाल के बहुचर्चित चुनाव का दूसरा चरण कल आयोजित हो रहा है।

नई दिल्ली से पश्चिम बंगाल तक मुख्य सवाल यह पूछा जा रहा है कि केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह पिछले 15 दिनों से कोलकाता में क्या कर रहे हैं? क्या राष्ट्रीय सुरक्षा और संबंधित मुद्दों की निगरानी कोलकाता से की जा रही है?

उस पूरे पांच सितारा होटल को बुक किया गया है, जहां से जोखिम भरा और महत्वपूर्ण पश्चिम बंगाल चुनाव की निगरानी और सूक्ष्म प्रबंधन किया जा रहा है।

पश्चिम बंगाल से प्राप्त नवीनतम रिपोर्टों के अनुसार, महिलाओं और मुसलमानों ने ममता बनर्जी के समर्थन में अपना वोट डाला है।

राज्य में हिंदुओं की संख्या लगभग 70 प्रतिशत है, और भाजपा को चुनाव जीतने के लिए इनमें से कम से कम 60 प्रतिशत का समर्थन चाहिए।

- पर, एसआईआर के तहत जो नाम कटे हैं, उनमें सबसे ज्यादा वोट मातुआ लोगों के हैं। यह मातुआ, बाँग्लादेश से आए हिन्दू हैं और इन लोगों ने जमकर भाजपा को समर्थन दिया था गत चुनाव में, पर, इस बार सीएए के कारण मातुआ कुछ आशंकित हैं, नागरिकता पाने के बारे में।
- साथ ही, ममता बनर्जी के प्रति महिलाओं में कुछ अपनापन है, लंबे "एसोसिएशन" के कारण। अतः मुस्लिम वोटर व महिला समर्थन के कारण, ममता बनर्जी, आरामदेह स्थिति में हैं वर्तमान चुनाव में।

कल होने वाले दूसरे चरण के चुनाव में 142 सीटों पर मतदान होगा। इनमें से पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा ने केवल 18 सीटें जीती थीं।

इन 142 सीटों में से 58 पर ममता ने 50 प्रतिशत से अधिक वोटों के साथ जीत हासिल की, जिसे भाजपा के लिए दोहराना बहुत कठिन है।

पिछली बार 13 सीटें थीं, जिन पर जीत का अंतर 10,000 से कम था। भाजपा ने इनमें से 5 और ममता ने 8 सीटें जीती थीं।

दिलचस्प बात यह है कि भाजपा को केवल 7 या 8 विधानसभा क्षेत्रों में 50 प्रतिशत वोट मिले।

महत्वपूर्ण यह है कि अधिकतम वोट कटौती मातुआ समुदाय के वोट से हुई है, जिसका लगभग 70 सीटों पर प्रभाव है।

पिछली बार उन्होंने नागरिकता पाने के वादे पर भाजपा को वोट दिया था, लेकिन अब उनकी वोट कटौती के बाद, वे असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। प्रधानमंत्री को अपने भाषण में आश्वासन देना पड़ा कि उन्हें नागरिकता दी जाएगी। ये दलित हिंदू और पक्के बांग्लादेशी हैं।

इसके अलावा, बड़ी संख्या में महिलाओं का ममता बनर्जी की ओर झुकाव के कारण महिलाओं के 91 लाख वोटों में से 61 लाख वोट कटे हैं, जिसका उद्देश्य ममता को कमजोर करना है।

इस चरण में मुस्लिम वोट ही निर्णायक हैं।

अमित शाह का वहां कैंप करना यह डर पैदा करता है कि बड़ी संख्या में अर्धसैनिक बलों के कारण लोगों को वोट डालने से रोकने का प्रयास किया जा सकता है। यह हिंसा का कारण बन सकता है और राष्ट्रीय मुद्दा बन सकता है।

लेकिन फायदा ममता का ही है !

निवेश में राजस्थान का देश में तीसरा स्थान

जयपुर, 28 अप्रैल। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की ओर से प्रदेश के विकास के लिए किए जा रहे प्रयास रंग ला रहे हैं। इसी का परिणाम है कि निवेश और प्रोजेक्ट्स के मामले में राजस्थान निवेशकों की पसंद बनता जा रहा है। इंडिया स्टेट की नवीनतम रिपोर्ट में सामने आया है कि निवेश में लंबी छलांग लगाते हुए प्रदेश वित्त वर्ष 2025 में तीसरे स्थान पर पहुंच गया है, जबकि वित्त वर्ष 2024 में राजस्थान 8वें स्थान पर था। राजस्थान में इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ ही नवीकरणीय ऊर्जा में भी बड़े निवेश आए हैं। आंकड़ों की बात की जाए तो राज्य के कुल निवेश में 4 गुना की जबरदस्त वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2024 में जहां निवेश 1.10 लाख करोड़ रुपए था, वहीं वित्त वर्ष 2025 में निवेश 4.65 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गया है। इसके अलावा, प्रोजेक्ट्स का आंकड़ा भी वित्त वर्ष 2024 में 501 से बढ़कर वित्त वर्ष 2025 में 873 हो गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, पीडब्ल्यूडी में 57 हजार करोड़ के 8 मेगा हाईवे प्रोजेक्ट्स हैं। वहीं सोलर पावर प्रोजेक्ट में एसीएमई क्लीनटेक सॉल्यूशन्स का 11 हजार करोड़ का निवेश भी राजस्थान आया है।

- वर्ष 2025 में राज्य में हुए निवेश में चार गुना वृद्धि हुई।

बंगाल के चुनाव, एक ही हीरो है "सिंघम"

यूपी का आईपीएस अफसर अजय पाल शर्मा है और अजय पाल शर्मा ने डायमंड हार्बर चुनाव क्षेत्र में वोटर के मन से "भय" निकालने की जिम्मेवारी उठायी है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। अगर कोई एकमात्र हीरो है, जो लोगों को तृणमूल कांग्रेस के गुंडों द्वारा डराने-धमकाने से बचा रहा है, जैसा कि वे 2011 से नियमित रूप से करते आ रहे हैं, तो वह यूपी के आईपीएस अधिकारी अजय पाल शर्मा हैं, जिन्हें आमतौर पर "सिंघम" के नाम से जाना जाता है।

एक तरह से, दक्षिण बंगाल के जिलों में पिछले कुछ दिनों में हुए खुलासे से स्पष्ट रूप से उजागर हुआ है कि तृणमूल कांग्रेस और व्यापक स्तर पर फर्ज़ी मतदान कराने वाले पार्टी के अपराधी तत्वों के बीच साँठ-गाँठ है। ये सख्त तरीकों से पकड़ में आ रहे हैं, जिससे तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं में हड़कंप मचा हुआ है।

अजय पाल शर्मा ने यह सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी खुद ली कि डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र के मतदाताओं को तृणमूल के गुंडे जहांगीर, जो ममता बनर्जी के भतीजे और तृणमूल महासचिव अभिषेक बनर्जी के संरक्षण में क्षेत्र पर जबरदस्त दबदबा रखता था, से कोई खतरा नहीं होगा।

- उन्होंने मुस्लिम बाहुल्य डायमंड हार्बर इलाके में हर गली मौहल्ले में घूम-घूम कर क्षेत्र के बाहुबली व गुण्डों को उनके घर जाकर चेतावनी दी है कि वे इसे कतई बर्दाश्त नहीं करेंगे कि वोटर अपनी सुरक्षा को लेकर काफी आशंकित है।
- इस क्षेत्र का सबसे बड़ा बाहुबली था जहाँगीर। जहाँगीर क्षेत्र के मतदाताओं के पहचान पत्र इकट्ठे करके सारे फर्ज़ी मतदान को अंजाम देता था और 90-92 प्रतिशत वोट मिल जाते थे, तृणमूल के उम्मीदवार को। यह ही कारण था कि ममता बनर्जी के भतीजे यहाँ से सात लाख वोटों से जीते थे।
- अजय पाल ने जहाँगीर के घर जाकर उसे चेतावनी दी तथा इसके बाद गिरफ्तारी के भय से जहाँगीर घर से गायब हो गए और इधर-उधर छिपते फिरते रहे। यह ही हाल जहाँगीर की पूरी टीम का हुआ।

अजय पाल शर्मा ने अपने क्षेत्र का दौरा किया और सीधे जहांगीर के निवास और अड्डों पर जाकर उसे चेतावनी दी कि मतदाताओं को डराने की किसी भी कोशिश पर कड़ी से कड़ी सजा मिलेगी। जहांगीर अब फरार है और अनुपस्थिति में बयान जारी कर रहा है।

कहने की जरूरत नहीं कि बंगाल के लोगों ने बड़े पैमाने पर उस तरीके को बहुत सराहा है, जिससे यूपी के आईपीएस अधिकारी क्षेत्र के गुंडों से पेश आ रहे हैं।

इस चुनाव से पहले तक, इस क्षेत्र

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ट्रंप पर ईरान वॉर खत्म करने का भारी दबाव है

ट्रंप खुद भी यही चाहते हैं, पर वे ईरान से ऐसा कुछ हासिल करना चाहते हैं, जिसे जीत के रूप में दिखा सके

- जाल खंबाता -
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। राष्ट्रपति ट्रम्प को 1 मई की समयसीमा का सामना करना पड रहा है कि वे बिना कांग्रेस की मंजूरी के ईरान में अमेरिकी सैन्य कार्रवाई को समाप्त करें, वॉर पावर एक्ट के तहत। उनके पास विकल्प हैं - शांति समझौते पर सहमति देना, मंजूरी लेना, या समयसीमा की अनदेखी करके कानूनी जोखिम उठाना।

ट्रम्प के लिए समय बीतता जा रहा है, क्योंकि वे ईरान युद्ध को समाप्त करने का प्रयास कर रहे हैं, एक ऐसा संघर्ष, जो शायद उनकी योजना के अनुसार नहीं गया, हालांकि उन्होंने स्पष्ट किया है कि उन्हें ऐसा नहीं लगता।

अमेरिकी राष्ट्रपति इस सप्ताह एक महत्वपूर्ण मोड़ पर हैं। 1 मई ही आखिरी दिन है, जिस दिन तक वे वॉर पावर रेज़ॉल्यूशन का उल्लंघन किए बिना सैन्य कार्रवाई जारी रख सकते हैं।

- असल में वॉर पावर एक्ट के तहत ट्रंप 60 दिन से ज्यादा किसी अन्य देश में अमेरिकन सेना तैनात नहीं कर सकते और मिडिल ईस्ट में अमेरिकन सेना को एक मई को 60 दिन हो जाएंगे।
- ट्रंप युद्ध जारी रखने के लिए कांग्रेस से 30 दिन का विस्तार मांग सकते हैं, पर डैमाक्रेट्स के विरोध के कारण ऐसा होना मुश्किल लग रहा है।
- फिलहाल जो हालात हैं, उनमें अगर युद्ध समाप्त हो जाता है तो इसे ईरान की जीत माना जाएगा।

इस कानून के तहत, वे कांग्रेस की मंजूरी के बिना अमेरिकी बलों को 60 दिनों से अधिक तैनात नहीं कर सकते। सरल शब्दों में, अगर वे ऐसा करना चाहते हैं तो इसके लिए अमेरिका को ईरान के खिलाफ युद्ध घोषित करना होगा। ट्रम्प के पास फिलहाल यह मंजूरी नहीं है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्र.मंत्री ने सिक्किम में फुटबॉल खेल बंगाल को मैसेज दिया

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो।

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। प्रधानमंत्री मोदी के राजनीतिक दांव की टाइमिंग बेहद सटीक होती है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को प.बंगाल के अपने व्यस्त चुनाव प्रचार कार्यक्रम से ब्रेक लिया और गंगटोक, सिक्किम में युवाओं के साथ फुटबॉल खेली।

- फुटबॉल बंगाल के लिए सिर्फ खेल नहीं सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है, और प्र.मंत्री ने फुटबॉल खेलकर प.बंगाल की जनता की भावनाओं को छुआ है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पांच सितारा "ताज आमेर" होटल का वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द करने का आदेश निरस्त

राजस्थान हाईकोर्ट ने कान्हा होटल्स एंड स्पा प्रा. लि. को राहत देते हुए फैसला सुनाया

-यादवेन्द्र शर्मा-

जयपुर, 28 अप्रैल। राजस्थान हाईकोर्ट ने आमेर में संचालित पांच सितारा होटल (ताज आमेर) को राहत देते हुए राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति की ओर से उसका वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द करने वाले 28 फरवरी, 2024 के आदेश को निरस्त कर दिया है। जस्टिस समीर जैन की एकलपीठ ने यह आदेश कान्हा होटल्स एंड स्पा प्रा. लि. की याचिका को स्वीकार करते हुए दिए।

अदालत ने माना कि याचिकाकर्ता का होटल इको सेंसिटिव ज़ोन की अधिसूचना से पहले ही बनकर तैयार हो चुका था और इसके लिए राज्य वन्यजीव बोर्ड ने भी सकारात्मक रूप से सिफारिश की थी। ऐसे में पहले से विद्यमान इकाईयों पर नई शर्तें पूर्व तिथि से लागू नहीं की जा सकती।

- ज्ञात रहे कि राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने 28 फरवरी 2024 को इस होटल का वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द किया था
- अदालत के समक्ष केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया कि, यह होटल नाहरगढ़ सेंचुरी से मात्र 90 मीटर की दूरी पर स्थित है, जबकि नियमानुसार 1 किलोमीटर के दायरे में कोई होटल संचालित नहीं हो सकता।
- हाईकोर्ट ने कहा कि, "राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने तर्कहीन फैसला दिया था, क्योंकि जिस नोटिफिकेशन को देखते हुए वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द किया गया है, उसमें साफ लिखा है कि यह केवल नए होटलों पर लागू हो सकता है, स्थापित होटलों पर नहीं।"

याचिकाकर्ता की ओर से इस मामले में वरिष्ठ अधिवक्ता आर.बी. माथुर और उनके सहायक अधिवक्ता दक्ष पारीक और पलक माथुर पैरवी के लिए पेश हुए थे। याचिका में वरिष्ठ अधिवक्ता आरबी माथुर ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता ने आमेर के चिमनपुरा गांव में नाहरगढ़ अभयारण्य से पास जमीन खरीदी थी। जिसका पूर्व में ही कृषि भूमि से औद्योगिक रूपान्तरण किया जा चुका था। साल 2006 में पर्यटन विभाग ने नई होटल पॉलिसी जारी कर कई तरह की छूट की घोषणा की। इसका लाभ लेने के लिए याचिकाकर्ता ने पर्यटन इकाई स्थापित करने के लिए आवेदन किया। इसके बाद 24 मार्च 2007 ने पर्यटन विभाग ने इसे स्वीकार कर लिया। वर्ष 2017 में याचिकाकर्ता ने राजस्थान सरकार से पर्यावरणीय स्वीकृति मांगी थी। इसके बाद साल 2019 में उपवन संरक्षक की रिपोर्ट पर उसे साल 2020 में वन्यजीव क्लीयरेंस प्रदान करने की सिफारिश की गई। जिसके आधार पर प्रदूषण बोर्ड ने याचिकाकर्ता को होटल संचालन की अनुमति दी।

याचिकाकर्ता का कहना था कि,

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

राजीव गांधी की हत्या का आरोपी हाई कोर्ट का वकील बना

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। कभी पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या मामले

- एजी पेरारिवलन, जो राजीव गांधी की हत्या के षडयंत्र में शामिल होने के कारण 31 साल जेल में रहा, ने मद्रास हाई कोर्ट से प्रैक्टिस शुरु की है। उन्होंने कहा कि वे उन लोगों के लिए लड़ेंगे, जो अंडरट्रायल होते हैं, पर उन्हें पर्याप्त सहायता नहीं मिल जाती है।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

भाजपा का हमला, गहलोत का ओछा कटाक्ष और पायलट की संयमित प्रतिक्रिया

भाजपा प्रभारी का आक्रामक बयान केवल राजनीतिक हमला नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भीतर सचिन पायलट की स्थिति और निष्ठा पर सवाल खड़े करने का प्रयास भी माना जा रहा है

जयपुर, 28 अप्रैल। टोंक में भाजपा के राजस्थान प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल द्वारा कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव सचिन पायलट पर किए गए तीखे व्यक्तिगत हमले ने प्रदेश की राजनीति को अचानक गर्मा दिया है। भाजपा ने हमला किया, अशोक गहलोत ने सचिन पायलट पर कटाक्ष किया और पायलट ने कांग्रेस को एकजुट दिखाते हुए हमेशा की तरह संयमित बयान देकर मामले को शांत करने प्रयास किया। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन की मौजूदगी में आयोजित कार्यक्रम में राधामोहन दास अग्रवाल ने सचिन पायलट पर सीधा हमला करते हुए कहा कि उनका एक पैर टोंक में रहता है और दूसरा पता नहीं कहां? उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश से आकर टोंक में चुनाव लड़ने वाला एक बहरूपिया विधायक बन जाता है और अब मुख्यमंत्री बनने के सपने देख रहा है। भाजपा प्रभारी का यह बयान केवल राजनीतिक हमला नहीं था, बल्कि कांग्रेस के भीतर सचिन पायलट की स्थिति और निष्ठा पर सवाल खड़े करने का प्रयास भी माना जा रहा है।

देर शाम सचिन पायलट ने पूरे घटनाक्रम पर बेहद संयमित और संतुलित प्रतिक्रिया दी। पायलट ने कहा कि राधामोहन दास को उनसे इतना प्रेम क्यों है, यह कभी मिलेंगे तो पूछेंगे, लेकिन राजनीति में व्यक्तिगत टिप्पणी नहीं होनी चाहिए। बीते पांच साल में पहली बार है, जब कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से लेकर तमाम कांग्रेसियों ने सचिन पायलट के पक्ष में बयान दिए हैं। यह संकेत है, पायलट के बढ़ते राष्ट्रीय कद और गांधी परिवार की नजदीकियों का।

इसी बीच केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने इस विवाद को और गहरा करते हुए मानेसर प्रकरण की पुरानी फाइल खोल दी। शेखावत ने कहा कि मानेसर कांड के रचयिता, कहानीकार और अंत तक पटकथा लिखने वाले अशोक गहलोत ही थे, जबकि सचिन पायलट केवल मोहरा थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत आज भी अपने राजनीतिक वनवास को समाप्त करने के लिए पायलट का उपयोग कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे। शेखावत के इस बयान ने साफ संकेत दिया कि भाजपा अब 2020 की कांग्रेस बगावत को फिर से चुनावी हथियार बनाने की तैयारी में है।

इन चारों बयानों का संयुक्त राजनीतिक असर यह है कि भाजपा ने सचिन पायलट को निशाना बनाकर कांग्रेस में अविश्वास पैदा करने की कोशिश की। गजेन्द्र सिंह शेखावत ने पुराने मानेसर विवाद को फिर जिंदा कर भाजपा के लिए नया हमला बिंदु तैयार कर दिया। कुल मिलाकर यह घटनाक्रम बता रहा है कि राजस्थान की राजनीति में सचिन पायलट अब केवल कांग्रेस के युवा चेहरे नहीं, बल्कि भाजपा और कांग्रेस दोनों की रणनीति के केन्द्र में आ चुके हैं। पायलट पर हमला करने के बाद कांग्रेसियों ने टोंक समेत पूरे राजस्थान में राधामोहन दास के पुतले जलाए और माफी मांगने की मांग की है।

- बीते पाँच साल में पहली बार है, जब कांग्रेस अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा, नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली से लेकर तमाम कांग्रेसियों ने सचिन पायलट के पक्ष में बयान दिए हैं। यह संकेत है, पायलट के बढ़ते राष्ट्रीय कद और गाँधी परिवार से नज़दीकियों के।
- केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि मानेसर कांड के रचयिता, कहानीकार और अंत तक पटकथा लिखने वाले अशोक गहलोत ही थे, जबकि, सचिन पायलट केवल मोहरा थे। उन्होंने आरोप लगाया कि गहलोत आज भी अपने राजनीतिक वनवास को समाप्त करने के लिए पायलट का उपयोग कर रहे हैं और आगे भी करते रहेंगे।

'अत्याधुनिक क्रूज़ मिसाइल का मुकाबला नहीं कर सकता यूएस'

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। अमेरिकी सेना के पास वर्तमान में हाइपरसोनिक हथियारों या उन्नत क्रूज मिसाइलों का मुकाबला करने के लिए कोई प्रभावी डिफैंस लाइन नहीं है, जो रूस और चीन जैसे प्रतिद्वंदियों के पास है। यह बात एक वरिष्ठ पेंटागन अधिकारी ने कांग्रेस की सुनवाई के दौरान स्वीकार की।

मार्क बर्कोविट्ज़, जो स्पेस पॉलिसी के लिए असिस्टेंट सेक्रेटरी ऑफ़ वॉर हैं, ने अमेरिकी सीनेट को बताया कि प्रतिद्वंदियों ने अब "गैर-बैलिस्टिक खतरों, जिसमें

- पेंटागन के एक बड़े अफसर मार्क बर्कोविट्ज़ ने अमेरिकन सीनेट को यह जानकारी दी।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

उपदेश के बजाय कहीं ज्यादा हम करके सीखते हैं। –बर्क

समाचार स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकते हैं!

"समाचार पढ़ना स्वास्थ्य के लिए हानिकारक है", यह कथन प्रथम दृष्टया अजीब, अतिरंजित या विडंबनापूर्ण लग सकता है, किंतु जब हम आधुनिक मीडिया की प्रकृति, प्रस्तुति शैली और इसके मनोवैज्ञानिक प्रभावों का विश्लेषण करते हैं, तो इस कथन में एक गहन यथार्थ छिपा पाते हैं। आज का मीडिया दिन-भर सनसनीखेज, नकारात्मक, भय पैदा करने वाली और उत्तेजक खबरों से भरा रहता है। युद्ध, राजनीतिक घृणा, घोटाले, आपदाएं, हत्या, बलात्कार आदि खबरों के रोज़मर्रा के विषय हो गए हैं। मनोचिकित्सक कहते हैं कि लगातार ऐसी नकारात्मक सूचनाएं पढ़ना और देखना व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव डाल सकता है। यह चिंता, अवसाद, क्रोध, और अनावश्यक भय को जन्म देता है। कई अध्ययन यह दर्शाते हैं कि नकारात्मक खबरों की अधिकता लोगों में कोर्टिसोल जैसे तनाव हार्मोन को बढ़ा सकती है। इसके अतिरिक्त, समाचारों का सतहीपन और पक्षपातपूर्ण प्रस्तुति भी एक बड़ी चिंता है। समाचारों में तथ्यों की गहराई कम होती जा रही है, और विचारधारात्मक ध्रुवीकरण बढ़ रहा है। इससे पाठक भ्रमित होता है, उसकी निष्पक्ष सोच कमजोर होती है, और समाज में कटुता व असहिष्णुता को बढ़ावा मिलता है। ऐसे में खबरें सच्चाई बताने के बजाय विचार थोपने का माध्यम बन कर ज्ञान के बजाय तनाव का कारण बन जाती हैं।

मीडिया की नई 'ब्रेकिंग न्यूज़' संस्कृति ने सूचना को इतना क्षिणक और अधीर बना दिया है कि ध्यान केंद्रित करने की लोगों की क्षमता कम होती जा रही है। हर क्षण कुछ नया जानने की लालसा एक किस्म की 'सूचना लत' (इनफॉर्मेशन एडिक्शन) पैदा कर रही है, जो मानसिक थकान और असंतोष को बढ़ाने का कारण बन रही है। हालांकि यह कहना कि 'समाचार पढ़ना हानिकारक है' अतिशयोक्ति हो सकता है, फिर भी यह कथन हमें चेतावनी अवश्य देता है कि हमें समाचारों के उपयोग के तरीके और मात्रा को लेकर सतर्क हो जाना चाहिए। यह बहुत जरूरी है कि हम गुणवत्ता पूर्ण, संतुलित और विश्लेषणात्मक समाचार स्त्रोतों को चुनें; खबरों को आत्मसात करने से पहले संदर्भ को समझें; और दिन भर की हर नकारात्मक घटना को अपनी मानसिक शांति पर हावी न होने दें। वास्तव में इस कथन में एक गहरी सीख छिपी है कि समाचार पढ़ो, लेकिन सोच-समझकर, क्योंकि अति किसी भी चीज़ की नुकसानदायक हो सकती है – सूचना की भी। बाज़ार ने डिजिटलीकरण के जरिए सीधे-सादे समाचारों को मनोरंजन व्यवसाय का हिस्सा बना कर उसे सामूहिक विनाश के एक हथियार में बदल दिया है, जो सीधे हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर निशाना साध रहा है।

विशेषज्ञ कह रहे हैं कि इससे दूर हटने में ही हमारा भला है। हमारा समाचारों के उपभोग को सीमित करना कोई त्याग करना नहीं है। सही मायनों में हमें इसका भरपूर फायदा मिलेगा। हमें ज़्यादा समय मिलेगा, नई नज़र मिलेगी, और वह चीज मिलेगी जो वास्तव में मायने रखती है – वह चीज है खुशी।

समाचार हमारे जीवन का वैसा ही हिस्सा रहा है जैसा आंख खुलने पर सुबह की चाय। सुबह-सुबह लोग चाय हाथ में लिये सामने अखबार फैला कर उसे ऐसे पढ़ते है जैसे कोई पंडित व्यास पीठ पर बैठ रामायण या गीता का पाठ कर रहा हो। अब लोग आंख खुलते ही अपने स्मार्टफोन की स्क्रीन पर नजरें गड़ाये ऐसे डूबे रहते हैं जैसे दुनिया का संचालन उन्हें ही करना हो। 1990 के दशक में इंटरनेट के आगमन के साथ, जानने के लिए अचानक और भी बहुत कुछ हो गया। अचानक सब कुछ सामने आ गया। दुनिया के हर कोने से समाचार आने लगे व्यापक, तत्काल और सभी मुफ़्त। ऐसे में डिजिटल तकनीक से मुनाफा कमाने वाले हमें खबरें लगातार जानते रहने की लत लगा कर अपना उल्लू सीधा करते रहते हैं, जिसकी हमें खबर ही नहीं होती। कहते हैं कि खबरें शराब से भी अधिक खतरनाक होती हैं, क्योंकि शराब पीने की राह में आने वाली बाधाओं को पार करना कहीं ज़्यादा मुश्किल होता है, जबकि सोशल मीडिया ने खबरों की राह अत्यंत आसान कर दी है। सटीक शब्दों में कहें तो, शराब पीने से रोकने के लिये सामाजिक, चिकित्सकीय और वैधानिक व्यवस्थाओं की बाधाएं हैं, जबकि इसके उलट हमें खबरें पढ़ने के लिए तो सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है, लुभाया जाता है।

> **कहते हैं कि खबरें शराब से भी अधिक खतरनाक होती हैं, क्योंकि शराब पीने की राह में आने वाली बाधाओं को पार करना कहीं ज़्यादा मुश्किल होता है, जबकि सोशल मीडिया ने खबरों की राह अत्यंत आसान कर दी है। सटीक शब्दों में कहें तो, शराब पीने से रोकने के लिये सामाजिक, चिकित्सकीय और वैधानिक व्यवस्थाओं की बाधाएं हैं, जबकि इसके उलट हमें खबरें पढ़ने के लिए तो सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जाता है, लुभाया जाता है।**

शराब खरीदने के लिये मेहनत लगती है, समय लगता है और पैसा लगता है। शराब हमारे घर पर मुफ़्त में नहीं पहुंचाई जाती है। अगर किसी को शराब की लत लग जाती है तो हमारे दोस्त, रिश्तेदार उसे छुड़ाने के उपाय करते हैं। साथी लोग लत लगे शराबी से बोतलें छिपाते हैं। शराब सच में एक झंझट हो जाती है। मगर खबरें शराब जैसी झंझट नहीं पैदा करती हैं।

खबरें हर जगह उपलब्ध हैं। सबसे बड़ी बात कि वे ज़्यादातर मुफ़्त मिलती हैं। मगर वे हमारे दिमाग में नशे की तरह घर कर जाती हैं। शराब की बोतलों की तरह हमें खबरों को कहीं भी रखने की ज़रूरत नहीं है, और बाद में उन्हें निपटाने के लिए कुछ भी नहीं करना पड़ता है। क्योंकि खबरें लुभाती हैं और उन्हें चलाने वाले उन्हें लोगों के अवचेतन में टांग देना चाहते हैं, इसीलिए इनके उत्पादक उन्हें कपटी बनाते हैं। जब तक किसी को इसका एहसास होता है जब तब तक वह खबरों को देखने में हज़ारों घंटे बिता चुका होता है। थोड़े समय पहले अनुसंधानकर्ताओं ने खबरों में हमेशा सिर घुसाये रहने वालों से दो सवाल पूछे थे:– क्या अब आप दुनिया को बेहतर समझते हैं? और क्या आप बेहतर फैसले लेते हैं? दोनों ही मामलों में अनुसंधानकर्ताओं को जवाब 'नहीं' में मिला। फिर भी लोग खबरों की इस भारी-भरकम, भड़कीली दुनिया की तरफ लगातार खिंचे चले जा रहे हैं। यह स्पष्ट रूप से बेचैन करने वाली स्थिति है। समाचार रिपोर्टों के छोटे-छोटे टुकड़े लोगों की वास्तविकता में लगातार घुसपैठ कर रहे हैं। उन्होंने लंबे पाठों को एक साथ पढ़ना मुश्किल कर दिया है। ऐसा लगता है जैसे किसी ने लोगों के ध्यान को छोटे-छोटे टुकड़ों में बांट दिया है। मगर आम लोगों में किसी को यह घबराहट नहीं होती कि वे अपना ध्यान केंद्रित करने की क्षमता कभी वापस नहीं पा सकेंगे। वे इन टुकड़ों को फिर कभी एक पूरे में नहीं समेट पाएंगे।

समझदारी इसी में है कि खुद को खबरों के रंगमंच से धीरे-धीरे अलग करना शुरू कर दिया जाए। अपने स्मार्टफोन से न्यूज़लेटर्स और आरएसएस फ़ीड हटा दिए जाएं और खुद को केवल कुछ वेबसाइटों तक सीमित रखने की कोशिश की जाए। किन्तु यह अत्यंत मुश्किल काम है, क्योंकि एक लिंक से दूसरी लिंक पर झूलते रहना हमारी नियति हो चली है और हम सभी खबरों के अंतहीन जंगल में तेज़ी से भटकते जा रहे हैं। विशेषज्ञ कहते हैं कि हमें एक क्रांतिकारी समाधान की ज़रूरत है, और अभी ज़रूरत है। इसलिए जितना जल्दी हो यह फैसला कर लिया जाए कि अब और कोई खबर नहीं। पूर्ण विराम। यह फैसला यदि कठोरता से लागू किया जाए तो वह तत्काल कारगर साबित हो सकता है। मगर खुद को खबरों की लत से आज़ाद करने में समय, इच्छाशक्ति और प्रयोग करने की तत्परता की ज़रूरत पड़ती है। सबसे बढ़कर, इन सवालों के जवाब तलाश किए जाने चाहिए कि खबर क्या है? वह क्या चीज है जो इसे इतना लुभावना बनाती है? किसी खबर को पढ़ते हुए या देखते समय हमारे दिमाग में क्या होता है? खबरें हमें इतनी जानकारियां देती है फिर भी हम क्योंकर इतना कम जानते हैं? खबरों को इतनी गंभीरता से त्यागना किसी के लिये भी बहुत मुश्किल होगा क्योंकि खबरों का आभासी संसार सर्वत्र पसरा पड़ा हैं। फिर मीडियकर्मी हैं जो अपने को सबसे बुद्धिमान और परिष्कृत लोगों में से मानते हैं और अधकचरी जानकारी देना अपना अधिकार समझते हैं। उन्हें घमंड है कि उन्होंने दुनिया को बेहतर बनाने और सत्ता में बैठे लोगों को जवाबदेह ठहराने के लिए यह पेशा मुख्यत: नैतिक आधार पर चुना है। किन्तु दुर्भाग्य से, अब वे एक ऐसे उद्योग में फंस गये हैं जिसका वास्तविक पत्रकारिता से कोई लेना-देना नहीं है।

खबरों के इस सारे जोड़-तोड़ और प्रपंच ने उनके काम को निरर्थक बना दिया है। कुछ सुधि लोग मानते है कि समाचारों के मोह और उनकी लत से मुक्त होकर पूरा 'क्लीन' हुआ जा सकता है। समाचारों से मुक्त ऐसे लोगों की संख्या कम नहीं है जो इस आज़ादी के प्रभावों को देख और महसूस कर रहे हैं। वे प्रत्यक्ष रूप से बता भी सकते हैं। वे बताते हैं कि खबरों के प्रपंच वाले जाल से बाहर निकलने से जीवन की गुणवत्ता बेहतर होती है, सोच अधिक स्पष्ट होती है, और मूल्यवान अंतर्दृष्टि मिलती है। इन सबसे ऊपर हमें बहुत अधिक समय मिल सकता है। ऐसा कहने वालों ने अपने अखबारों की सदस्यता रद्द कर दी है, टीवी समाचार देखना बंद कर दिया है, रेडियो बुलेटिनों से ध्यान हटा लिया है और खुद को ऑनलाइन समाचारों के संपर्क में आने से रोक दिया है। किसी का एक व्यक्तिगत प्रयोग के रूप में शुरू किया गया यह अभ्यास उनके लिये जीवन दर्शन जैसा बन गया है। लत छुड़ाने के लिये कहा जा रहा है कि 'समाचार स्वास्थ्य के लिये हानिकारक है' तो वह स्पष्ट विवेक के साथ कहा जा रहा है। ऐसा जीवन को बेहतर बनाने के लिये कहा जा रहा है। इस यकीन के साथ कहा जा रहा है कि इस लत को त्यागने से कोई महत्वपूर्ण चीज़ नहीं खो जाएगी।

–अतिथि संपादक,
राजेन्द्र बोड़ा,
(वरिष्ठ पत्रकार एवं विश्लेषक)

एग्रीटेक हब बनने की ओर अग्रसर राजस्थान

सी. आर. चौधरी

चुनौतियों को अवसरों में बदलना आधुनिक राजस्थान की पहचान बन चुका है। एक समय था जब मरुस्थलीय भू-भाग, सीमित जल संसाधन और कठोर जलवायु यहां की कृषि के सामने बड़ी बाधा माने जाते थे। किंतु आज वही राजस्थान मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दूरदर्शी नेतृत्व में 'कृषि नवाचार' का अग्रणी केंद्र बनकर उभर रहा है। तकनीक, निवेश और किसान कल्याण के सशक्त त्रिकोण पर आधारित नीतियों ने कृषि को लाभकारी बनाया है और इसे राज्य की आर्थिक प्रगति का प्रमुख इंजन भी बना दिया है। आगामी 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026' इस दिशा में राजस्थान को वैश्विक कृषि मानचित्र पर स्थापित करने की क्षमता रखता है।

परंपरागत रूप से राजस्थान को कृषि की दृष्टि से चुनौतीपूर्ण राज्य माना जाता रहा है। यहां की 60 प्रतिशत से अधिक भूमि शुष्क या अर्ध-शुष्क श्रेणी में आती है और औसत वर्षा भी राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। जल संकट और बार-बार आने वाले सूखे ने किसानों की आय और उत्पादन क्षमता को लंबे समय तक प्रभावित किया। लेकिन बीते वर्षों में दूरदर्शी नीतियों, आधुनिक तकनीकों के प्रयोग और निवेश-आधारित दृष्टिकोण ने इस परिदृश्य को बदल दिया है। आज राजस्थान देश के कृषि मानचित्र पर तेजी से उभरता हुआ अग्रणी राज्य है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में कृषि को केवल जीविकोपार्जन का साधन नहीं, बल्कि आर्थिक समृद्धि और औद्योगिक विकास का माध्यम बनाया जा रहा है। इसी सोच को मूर्त रूप देने के लिए जयपुर में 23 से 25 मई तक 'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026' का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन कृषि क्षेत्र में नवाचार, निवेश, तकनीकी हस्तांतरण और वैश्विक सहयोग का एक बड़ा मंच बनेगा। इसमें देश-विदेश के वैज्ञानिक, नीति-निर्माता, उद्योगपति और किसान एक साथ जुटकर खेती के भविष्य की दिशा तय करेंगे। किसानों को आधुनिक तकनीकों-जैसे प्रिसिजन फार्मिंग, ड्रोन तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित खेती और स्मार्ट सिंचाई प्रणाली का प्रत्यक्ष अनुभव मिलेगा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सशक्त किसान, समृद्ध भारत के विजन को राजस्थान सरकार प्रभावी रूप से लागू कर रही है। राज्य का लक्ष्य उत्पादन बढ़ाने के साथ ही कृषि को वैल्यू चेन से जोड़कर उसे लाभकारी बनाना है। इसके तहत फूड प्रोसेसिंग, कोल्ड स्टोरेज, लॉजिस्टिक्स और एग्री-एक्सपोर्ट को बढ़ावा दिया जा रहा है।

राजस्थान की कृषि विविधता और उत्पादन क्षमता इसे देश में विशिष्ट स्थान प्रदान करती है। राज्य आज बाजरा उत्पादन में देश में प्रथम स्थान पर है और सरसों, ग्वार और जौ के उत्पादन में भी अग्रणी है। मसालों में जीरा, धनिया और ईसबगोल जैसे उत्पादों में राजस्थान की अंतरराष्ट्रीय पहचान है। औषधीय और जैविक खेती के क्षेत्र में भी राज्य तेजी से आगे बढ़ रहा है। राज्य सरकार इन उत्पादों के लिए स्पाइस पार्क, एग्री-प्रोसेसिंग क्लस्टर और निर्यात केंद्र विकसित कर रही है। 'राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट' में कृषि क्षेत्र को लेकर निवेशकों की अभूतपूर्व रुचि देखने को मिली। इस समिट में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों के लिए लगभग 44 हजार करोड़ रुपये के 2,500 से अधिक एमओयू हस्ताक्षिरत हुए। इनमें से करीब 10 हजार करोड़ रुपये के निवेश परियोजनाएं धरातल पर उतर चुकी हैं। यह निवेश न केवल कृषि क्षेत्र को आधुनिक बनाने के साथ ही लाखों युवाओं के लिए रोजगार के अवसर भी सृजित करेगा।

राज्य सरकार कृषि में तकनीकी हस्तक्षेप को प्राथमिकता दे रही है। मृदा स्वास्थ्य कार्ड के माध्यम से मिट्टी की गुणवत्ता का वैज्ञानिक विश्लेषण किया जा रहा है। ड्रिप और स्प्रिंकलर जैसी सूक्ष्म सिंचाई प्रणालियों को बढ़ावा देकर जल संरक्षण को सुनिश्चित किया जा रहा है। अब तक लगभग 4.80 लाख हेक्टेयर क्षेत्र को सूक्ष्म सिंचाई के दायरे में लाया जा चुका है। इसके अतिरिक्त हजारों डिग्गियों और पाइपलाइन नेटवर्क के माध्यम से जल वितरण व्यवस्था को सुदृढ़ किया गया है। ऊर्जा के क्षेत्र में भी राजस्थान ने उल्लेखनीय प्रगति की है। पिछले दो वर्षों में 65 हजार से अधिक सोलर पंप स्थापित किए गए हैं, जिससे किसानों की बिजली पर निर्भरता कम हुई है और सिंचाई अधिक सुलभ बनी है। सौर ऊर्जा आधारित खेती लागत को के साथ ही पर्यावरण संरक्षण में भी योगदान दे रही है। कृषि के साथ-साथ पशुपालन को भी राज्य की अर्थव्यवस्था का मजबूत आधार बनाया जा रहा है। 'मुख्यमंत्री मंगला पशु बीमा योजना' के तहत पशुधन की सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, जबकि मोबाइल वेटरिनरी यूनिट्स के माध्यम से गांव-गांव में पशु चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। 'मुख्यमंत्री दुग्ध उत्पादक संबल योजना' के अंतर्गत पशुपालकों को 5 रुपये प्रति लीटर का बोनस दिया जा रहा है।

राज्य सरकार की नीतियों के केंद्र में किसान है। किसान सम्मान निधि को बढ़ाकर 9,000 रुपये प्रति वर्ष करना, फसल बीमा योजनाओं के माध्यम से करोड़ों रुपये के दावों का भुगतान, गेहूं पर बोनस और 'गोपाल क्रेडिट कार्ड' जैसी योजनाएं किसानों को आर्थिक सुरक्षा प्रदान कर रही हैं। इसके साथ ही किसान उत्पादक संगठनों को बढ़ावा देकर किसानों को बाजार से सीधा जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे उन्हें अपनी उपज का बेहतर मूल्य मिल सके। डिजिटल कृषि भी राजस्थान की नई पहचान बनती जा रही है। ई-नाम प्लेटफॉर्म के माध्यम से किसानों को राष्ट्रीय बाजार से जोड़ा जा रहा है। ड्रोन तकनीक के जरिए फसल की निगरानी, उर्वरक छिड़काव और उत्पादन अनुमान को अधिक सटीक बनाया जा रहा है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डेटा एनालिटिक्स के उपयोग से खेती को स्मार्ट और लाभकारी बनाया जा रहा है।

'ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट 2026' इन सभी प्रयासों का समेकित स्वरूप प्रस्तुत करेगा। यह आयोजन निवेशकों को आकर्षित करने, तकनीकी सहयोग बढ़ाने और किसानों को वैश्विक कृषि से जोड़ने का सशक्त माध्यम बनेगा। इससे राजस्थान न केवल देश में, बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी एक अग्रणी एग्रीटेक हब के रूप में स्थापित हो सकेगा।

–सी. आर. चौधरी,
अध्यक्ष, राजस्थान किसान आयोग

भेदभावपूर्ण और गलत नीतियों से दलहन के किसान 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' से वंचित

रामपाल जाट

चने की फसल आने के पूर्व ऑस्ट्रेलिया से 2,34,800 टन चना देश में पहुंचने के समाचार हैं। चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,875 रुपए प्रति क्विंटल घोषित है। बाजार भाव 4,800 से लेकर 5,200 रूपये प्रति क्विंटल है। सरकार की खरीद प्रभावी नहीं रहती है, खरीद का प्रबंधन ढीला-ढाला रहता है। किसानों की आय के संरक्षण के नाम पर राज्यो के कुल उत्पादन में से 75 प्रतिशत उत्पादन को तो न्यूनतम समर्थन मूल्य की परिधि से बाहर धकेला हुआ है। किसानों की रक्षार्थ भारत सरकार ने छत्रक योजना के रूप में प्रधानमंत्री अन्नदाता आय संरक्षण अभियान वर्ष 2018 से आरंभ किया हुआ है, इस योजना की उद्देशिका में तिलहनों के साथ दलहन उपजों को भी लाभकारी मूल्य दिलाने का उल्लेख है। इसी योजना की मार्गदर्शिका में कुल उत्पादन में से 25 प्रतिशत से अधिक की खरीद को प्रतिबंधित किया हुआ है। मूल्य समर्थन योजना के अंतर्गत वर्ष 2014 में यह प्रतिबंध आरोपित किया गया था। 25 प्रतिशत से अधिक खरीद के लिए भारत के कृषि मंत्रालय को छूट देने का अधिकार रखा गया था। सत्ता परिवर्तन के बाद इस प्रतिबंध को हटाने की अपेक्षा थी। प्रतिबंध को हटाया तो नहीं गया बल्कि 25 प्रतिशत से अधिक खरीद की छूट देने का प्रावधान कृषि मंत्रालय के साथ वाणिज्य एवं वित्त मंत्रालय को भी जोड़कर कठोर बना दिया गया। दूसरी ओर लूट रहित दाने-दाने की खरीद करने के किसानों के आग्रह को ठोकर मार दी गई। किसानों के बढ़ते विरोध को देखते हुए 31 अगस्त 2022 को मसूर, अरहर एवं उड़द की खरीद के प्रतिबंध में 25 प्रतिशत की सीमा को बढ़ाकर 40 प्रतिशत किया गया। उसी क्रम में 1 अप्रैल 2024 से इन तीनों दलहनों की खरीद के प्रतिबंध को पूर्णतया समाप्त कर दिया गया। किंतु मूंग एवं चना में यह प्रतिबंध यथावत चल रहा है। इस भेदभाव का कारण अरहर, मसूर एवं उड़द आयात की तुलना में चने एवं मूंग की मात्रा कम हो जाना बताया। किसी विद्यार्थी के अपेक्षाकृत अधिक अंक आ जावे तो उसे पुरस्कृत करने के स्थान पर दंडित करने जैसी यह कार्यवाही है। किसानों के निरंतर आंदोलन करने के उपरांत चने की शत-प्रतिशत खरीद में 25 प्रतिशत का प्रतिबंध बाधा बना हुआ है।

4 सितंबर 2025 को दालों में आत्मनिर्भरता पर नीति आयोग के प्रतिवेदन में की गई अनुशंसा के अनुसार भारत सरकार ने दलहन उत्पादन में आत्मनिर्भरता मिशन 1 अक्टूबर 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा स्वीकृति के उपरांत आरंभ किया है। किंतु वह भी किसानों को चने का घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य नहीं दिला पा रहा है। चना उत्पादन में मध्यप्रदेश, महाराष्ट्र एवं राजस्थान देश में सर्वोच्च स्थान पर हैं। अपवादों को छोड़कर चना की खरीद किसी भी वर्ष में प्रतिबंधित सीमा से अधिक नहीं हुई। वर्ष 2020-21 में चने का न्यूनतम समर्थन मूल्य 5,200 रुपए प्रति क्विंटल होते हुए भी किसानों को एक क्विंटल पर 1,000 रुपए तक का घाटा उठाकर बेचना पड़ा था। न्यूनतम समर्थन मूल्य पर खरीद के लिए राजस्थान में जयपुर जिले के उपखंड दूदू क्षेत्र में 500 से अधिक चने से लदे हुए ट्रैक्टर राष्ट्रीय राजमार्ग पर एक सप्ताह से अधिक समय तक आंदोलित रहे थे। इस अवधि में अन्नत्याग सत्याग्रह से भी सरकारों का दिल नहीं पसीजा था। यह तो नेफेड के तत्कालीन प्रबंध निदेशक ने उनके गोदाम में जमा लगभग 15 लाख टन चने की खुली बिक्री किसानों के आठाह पर रोक दी थी, जिससे बाजार में चने के दाम न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक हो गए थे, तब आंदोलनरत किसानों को उनके चने का घोषित न्यूनतम दाम प्राप्त होना संभव हुआ था।

वर्ष 2025-26 में चने की सी-2 संपूर्ण लागत 4,875 रुपए प्रति क्विंटल है, भारत सरकार की ओर से बजट 2018-19 में लागत से डेढ़ गुना दाम निर्धारण की घोषणा के अनुसार एक क्विंटल का न्यूनतम समर्थन मूल्य 7,312.50 रूपये होना चाहिए था, किंतु भारत सरकार ने एक क्विंटल के लिए 5,875 रूपये की घोषणा की है। जबकि 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' का निर्धारण डॉक्टर एम. एस. स्वामीनाथन की अध्यक्षता में गठित 'राष्ट्रीय किसान आयोग' (2004-2006) की अनुशंसा के अनुसार व्यापक लागत में 50 प्रतिशत लाभांश जोडकर निर्धारण किया जाना चाहिए। मूल्य निर्धारण के बाद खरीद में सरकारी ढुल- मुल व्यवहार का परिणाम भी किसानों को भोगना पड़ता है, यथा-खरीद नीति का

केंद्र सरकार के अनुमोदन के बाद राज्यों द्वारा अधिसूचना प्रसारित करने में 41 दिन तथा राज्यों द्वारा प्रसारित अधिसूचना के उपरांत वास्तविक खरीद में 73 दिन तक का विलंब इसका उत्कृष्ट उदाहरण है। सरकारों की भेदभावपूर्ण गलत नीतियों एवं ढिलाई के कारण किसानों को घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से भी वंचित रहना पड़ता है। चने पर जून 2006 से लेकर दिसंबर 2017 तक आयात शुल्क शून्य था, उसके बाद 30 प्रतिशत, फरवरी 2018 में 40 प्रतिशत, मार्च 2018 में 60 प्रतिशत था, जिसे घटाकर फरवरी 2021 में 10 प्रतिशत ‡ 50 प्रतिशत अतिरिक्त कृषि अवसंरचना एवं विकास उपकर, 4 मई 2024 से 31 मार्च 2025 तक शून्य कर दिया गया, 1 अप्रैल 2025 से 10 प्रतिशत है। पीली मटर के आयात के लिए 4 मई 2024 से 31 मार्च 2026 तक आयात शुल्क शून्य कर दिया गया। वर्ष 2015-16 में चने के आयात की मात्रा 10.3 लाख टन थी, जो वर्ष 2024-25 में बढ़कर 16.1 लाख टन हो गई। इससे आयात पर खर्च की गई राशि 4,454 करोड़ से बढ़कर 10,307 करोड रुपए हो गई। भारत सरकार द्वारा चने के आयात पर आरोपित 60 प्रतिशत शुल्क को घटाकर शून्य तक लाने का भी दुष्परिणाम किसानों को भुगतना पड़ रहा है। देश में चने का क्षेत्रफल 2020-21 में 107 लाख हेक्टर से घटकर 2024-25 में 96 लाख हेक्टर रह गया। मार्च 2024 से मार्च 2025 तक की अवधि में बाजार मूल्य न्यूनतम समर्थन मूल्य के लगभग बराबर रहे, मार्च 2021 से मार्च 2024 तक न्यूनतम समर्थन मूल्य से कम रहे। वर्ष 2023-24 में चने की खरीद कुल उत्पादन में से मध्य प्रदेश में 25.7 प्रतिशत, महाराष्ट्र में 24.3 प्रतिशत, गुजरात में 25.3 प्रतिशत तथा राजस्थान में 13.7 प्रतिशत रही। वर्ष 2022 -23, 2023 -24 2024- 25 की 3 वर्षों की अवधि में देश के कुल उत्पादन में से महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश एवं राजस्थान की भागीदारी दो तिहाई से अधिक है, जो क्रमश 26.2 प्रतिशत, 24.4 प्रतिशत, 16.5 प्रतिशत है। गुजरात की भागीदारी 11.1 प्रतिशत को सम्मिलित करने पर इन चारों राज्यों की भागीदारी ही 78.2 प्रतिशत है। संयोग से देश के कृषि मंत्री मध्य प्रदेश से हैं, जो चना उत्पादन में प्रथम स्थान पर है। केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री राजस्थान में अजमेर लोकसभा क्षेत्र से हैं, जो चना उत्पादन में राजस्थान में अग्रिम पंक्ति में है, इसी क्षेत्र की विधानसभा दूदू से निर्वाचित विधायक उपमुख्यमंत्री हैं। मूंग उत्पादन में राजस्थान प्रथम स्थान पर है। इसके उपरांत भी प्रतिबंध के कारण चना एवं मूंग के 75 प्रतिशत उत्पादक किसान न्यूनतम समर्थन मूल्य से वंचित है। खरीफ विपणन मौसम 2025-26 में मूंग का न्यूनतम समर्थन मूल्य 8,768 रुपए प्रति क्विंटल घोषित था। प्राकृतिक आपदा के कारण मूंग की लगभग आधी पैदावार चौपट हुई। आपूर्ति कम तथा मांग अधिक होने पर मूल्य में बढ़ोतरी होती है, इस सिद्धांत के विपरीत किसानों को एक क्विंटल मूंग घोषित न्यूनतम समर्थन मूल्य से 3000 रुपए से अधिक का घाटा उठाकर बेचना पड़ा। सरकार ने अनेक बार संसद में किसी भी किसान को उसकी उपज घोषित 'न्यूनतम समर्थन मूल्य' से कम दामों में बेचने के लिए विवश नहीं होने के प्रति आश्वस्त किया हुआ है।

किसानों ने भी खेती करने का अर्थ उत्पादन की गतिविधियों तक मान लिया है। जबकि इसमें दाम प्राप्त करना भी सम्मिलित है। लाभ में संतोष करना उत्तम गुण है, किंतु लाभ प्राप्ति के लिए क्रियाशील नहीं रहना कमजोरी है। 'संतोषी सदा सुखी' जैसी कहावत को आधार बनाकर सामर्थ्य प्रकट करने से बचने के लिए कम दाम प्राप्त होने को अपना भाग्य समझ लिया है। जैसे-कोई चालणी लेकर दूध निकालने के लिए दुधारू पशु के नीचे बैठ जाए फिर घर तक दूध नहीं पहुंचने को भाग्य की संज्ञा देकर कहे कि जो भाग्य में था, वह प्राप्त हो गया। इसीलिए कटाक्ष के रूप में चालणी में दूध दुहे और भाग्य पर भरोसा करे की लोकोक्ति प्रचलन में आई है। बाजार भावों का चढ़ना-उतरना सरकारों की बेईमानी से ठासित भेदभावपूर्ण नीतियों का परिणाम है। फसल के दाम प्राप्ति की दिशा में बेईमानी को भाग्य समझने की भूल का सुधार ही एकमेव मार्ग है।

–रामपाल जाट,
राष्ट्रीय अध्यक्ष किसान महापंचायत

करौली शहर की कई कॉलोनियों में भीषण गर्मी में पेयजल संकट गहराया

करौली, (निसं)। इन दिनों जैसे-जैसे गर्मी का दौर बढ़ता जा रहा है, वैसे-वैसे ही शहर में पेयजल संकट गहराता जा रहा है, जबकि शहर में पेयजल आपूर्ति के लिए पर्याप्त मात्रा में जल स्त्रोत होने के उपरांत जलदाय विभाग के अधिकारी कर्मचारी शहर में शुद्ध और पर्याप्त पेयजल आपूर्ति नहीं कर पा रहा है।

- **शहर की बिगड़ी पेयजल व्यवस्था को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी गंभीर नहीं है**

भीषण गर्मी के दौर में चौधरी की बगीची, सीताबाड़ी, भूडारा बाजार, गोमती कॉलोनी, कृष्णा कॉलोनी, नूर कॉलोनी, लक्ष्मीकांत कॉलोनी, जाटव बस्ती, इंदिरा कॉलोनी सहित शहर की करीब आधा दर्जन कॉलोनियों में पेयजल आपूर्ति के अभाव में पेयजल संकट गहरा रहा है। यही नहीं कई मोहल्ले में तो दो दिन में पानी मिल रहा है। इसके अलावा कई मोहल्ले में दूषित पानी मिल रहा है। इस भीषण गर्मी के दौर में दूषित पानी मिलाने से लोगों के पेट खराब हो रहे हैं और बीमारी फैलने की उम्मीद बढ़ रही है। शहर की बिगड़ी पेयजल व्यवस्था को लेकर जलदाय विभाग के अधिकारी कर्मचारी गंभीर नहीं देखे जा रहे हैं। बिगड़ी पेयजल व्यवस्था का ठीकरा जलदाय विभाग के अधिकारी कर्मचारी विद्युत निगम पर फोड़कर अपना पल्ला झाड़ने में पीछे नहीं है। जलदाय विभाग के अधिकारी-कर्मचारी यह कहते हैं कि बिजली नियमित रूप से नहीं मिलने के कारण टंकियों में पानी नहीं पहुंचता है, जिसके अभाव में पेयजल सप्लाई नियमित और पूरी नहीं हो पाती है।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

बुधवार 29 अप्रैल, 2026

वैशाख मास, शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी तिथि, बुधवार, विक्रम संवत 2083, हस्त नक्षत्र रात्रि 12:16 तक, हर्षण योग रात्रि 8:51 तक, कौलव करण प्रात: 7:22 तक, चन्द्रमा आज कन्या राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-कन्या, मंगल-मीन, बुध-मीन, गुरू-मिथुन, शुक्र-वृष, शनि-मीन, राहु-कुम्भ, केतु-सिंह

आज सर्वार्थ सिद्धि योग सूर्योदय से रात्रि 12:16 तक है। रवियोग रात्रि 12:16 से आरम्भ होगा। आज प्रदोष व्रत है। अगस्त्य अस्त रात्रि 4:35 पर होगा।

श्रेष्ठ चौघड़िया: लाभ-अमृत सूर्योदय से 9:09 तक, शुभ 10:47 से 12:24 तक, चर 3:39 से 5:17 तक, लाभ 5:17 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 12:00 से 1:30 तक। सूर्योदय 5:54, सूर्यास्त 6:54

मेष

स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। मन में बना हुआ भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

वृष

व्यावसायिक आर्थिक मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा।

मिथुन

घर-परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

कर्क

परिवार में शुभ-मांगलिक संदेश प्राप्त होंगे। आज परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे।

सिंह

आर्थिक/वित्तीय मामलों में संतुलन बना रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। नवीन कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

कन्या

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक अनुबंध प्राप्त होंगे। व्यावसायिक संपर्क बनेंगे।

तुला

व्यावसायिक खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

वृश्चिक

आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे।

धनु

व्यावसायिक कार्यों में आ रही परेशानियां दूर होने लगेंगी। अटके हुए कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। व्यावसायिक सफलता से मनोबल बढ़ेगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर

नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। नवीन कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। धार्मिक कार्यों में भाग ले सकते हैं।

कुंभ

चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। विवादित मामलों के कारण मानसिक तनाव हो सकता है। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है।

मीन

परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

करौली के पांचना बांध की नहरों में पानी खुलवाने की मांग पुरजोर उठी

करौली-ग्रामोत्थान संस्था ने मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, मुख्य सचिव, संभागीय आयुक्त, कलेक्टर्स और स्थानीय नेताओं को पत्र लिखे

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। करौली के पांचना बांध की नहरों में पानी खुलवाने की मांग करते हुए करौली-ग्रामोत्थान संस्था के अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद मीना एवं महासचिव महेन्द्र सिंह मीना ने मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, जल संसाधन मंत्री, गृह राज्य मंत्री तथा टोंक-सवाईमाधोपुर, करौली-धौलपुर के सांसद, करौली विधायक, करौली जिला प्रभारी, भाजपा जिलाध्यक्ष करौली-सवाईमाधोपुर के साथ-साथ मुख्य सचिव, संभागीय आयुक्त भरतपुर व कलेक्टर करौली व सवाईमाधोपुर को पत्र लिखा है।

ग्रामोत्थान संस्था के महासचिव महेन्द्र सिंह मीना का कहना है कि इस विवाद को सुलझाने के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाई गई जल वितरण समिति की आज तक एक भी बैठक नहीं हुई है। इस लापरवाही का नतीजा यह है कि पांचना बांध के पानी की बर्बादी हो रही है। वहीं पांचना संघर्ष समिति ने साफ चेताया है कि, जब तक गुडला पर क्षेत्र के 39 गांवों को पांचना लिफ्ट परियोजना की नहरों में पानी नहीं पहुंचेगा, तब तक कमांड एरिया की नहरों में बांध से एक बूंद भी पानी नहीं जाएगा।

गौरतलब है कि जलदाय विभाग के सुप्रीडेंटेंड इंजीनियर ने गत 5 मार्च को हाईकोर्ट में बयान दिया था कि इस परियोजना से वंचित रहे 13 गांवों को जोड़ने के लिए एक अन्य लिफ्ट इरिग्रेशन प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया था, परंतु पूर्ववर्ती अशोक गहलोत ने 29 मार्च 2023 को उसे खारिज कर दिया था।'' ऐसे में सवाल यह उठता है कि, क्या गहलोत ने इस जनहित कार्य में पेंच इसलिए लगाया, क्योंकि यह क्षेत्र सचिन पायलट के प्रभाव क्षेत्र में आता है, और जहां राजनैतिक और जातिगत रेखाओं को जोड़कर कांग्रेस पार्टी को फायदा होता, वहां गहलोत ने अपने निजी फायदे को देखते हुए प्रोजेक्ट को रद्द कर दिया।

- **गौरतलब है कि जलदाय विभाग के सुप्रीडेंटेंड इंजीनियर ने गत 5 मार्च को हाईकोर्ट में बयान दिया था कि इस परियोजना से वंचित रहे 13 गांवों को जोड़ने के लिए एक अन्य लिफ्ट इरिग्रेशन प्रोजेक्ट का प्रस्ताव दिया था, परंतु पूर्ववर्ती अशोक गहलोत ने 29 मार्च 2023 को उसे खारिज कर दिया था।''**
- **उधर पांचना संघर्ष समिति ने अब साफ चेतावनी दी है कि, ''जब तक गुडला पर 39 गांवों को पांचना लिफ्ट परियोजना की नहरों में पानी नहीं पहुंचेगा, तब तक कमांड एरिया की नहरों में बांध से एक बूंद भी पानी नहीं जाएगा।''**
- **ग्रामोत्थान संस्था के महासचिव महेन्द्र सिंह मीना का कहना है कि इस विवाद को सुलझाने के लिए राज्य सरकार द्वारा बनाई गई कमेटी की आज तक एक भी बैठक नहीं हुई है। इस लापरवाही का नतीजा यह है कि पांचना बांध के पानी की बर्बादी हो रही है।**

ग्रामोत्थान संस्था के महासचिव महेन्द्र सिंह मीना ने बताया कि वर्ष 1992 से 2005 तक 13 साल नहरों में पानी खोला गया। सम्पूर्ण कमांड एरिया के किसानों को सिंचाई हेतु पानी उपलब्ध होने से अच्छी फसल की उपज से खुश थे। परन्तु अत्यंत खेद है कि वर्ष 2006 से पाँचना बांध में उपलब्ध पानी की लम्बे अरसे से बर्बादी हो रही है। बांध के कमांड एरिया की 48000 बीघा भूमि को सिंचाई हेतु पानी प्रशासन की उदासीनता व निष्क्रियता से पिछले 19 वर्षों से नहरों में पानी नहीं खोला जा रहा है। कमांड एरिया के 48 गांवों के 1.50 लाख किसान, मजदूर व व्यवसायी और उनके सभी परिवारजन बेहद दुखी व प्रताडित हो रहे है। मीना ने बताया कि हर स्तर पर लम्बे समय से लगातार व नियमित अनुरोध के पश्चात् भी जब पाँचना बांध की नहरों में सिंचाई के लिए पानी नहीं खोला गया तो ग्रामोत्थान संस्था ने कमांड एरिया के नागरिकों हेतु न्याय के लिए राजस्थान उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका दायर की। जिस पर राजस्थान उच्च न्यायालय ने इस जनहित याचिका पर 8 जुलाई 2022 के संदर्भित निर्णय में विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत विवरण देते हुए स्पष्ट रूप से निर्देशित किया है कि पाँचना बांध के बने हुए सिंचाई सिस्टम को संचालित करके नहरों में पानी खोला जाये।

2022 से अब तक चार वर्ष से अधिक समय बीत चुका है, फिर भी परियोजना से पानी उपलब्ध नहीं कराया गया है। सिंचाई सुविधाएं सभी के लिए आवश्यक हैं। सरकार राजनीतिक कारणों से इसे रोक नहीं सकती। लिफ्ट सिंचाई योजना और नहर 2005 से निर्मित हैं और इस पर भारी सार्वजनिक धन खर्च हो चुका है। राज्य अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि योजना को चालू किया जाए।

7 मार्च 2026 की अधीक्षण अभियंता की रिपोर्ट को देखते हुए न्यायालय ने निर्देश दिए है कि मौजूदा नहरों में तुरंत पानी छोड़ा जाए। जिन गांवों तक पानी नहीं पहुंचा है, उनके लिए लिंक नहर का निर्माण किया जाए। जहांआवश्यक हो, नहरों की मरम्मत की जाए। मरम्मत कार्य के कारण पानी छोडने में कोई बाधा नहीं आनी चाहिए।

परियोजना को गंभीरता से लिया जाए और शीघ्र पूर्ण किया जाए। इस आदेश का तत्काल पालन किया जाए, अन्यथा संबंधित सचिव एवं मुख्य अभियंता को अगली तारीख पर न्यायालय में उपस्थित होना होगा। अनुपालन हेतु अगली सुनवाई 1 मई 2026 को निर्धारित की गई है। ग्रामोत्थान संस्था के अध्यक्ष रघुवीर प्रसाद मीना एवं महेन्द्र सिंह मीना ने पत्र लिखकर उच्च न्यायालय के 23 अप्रैल 2026 के आदेश की अनुपालना करवाने और भीषण गर्मी के इन दिनों में पांचना डैम की नहरों में पानी खुलवाकर कमांड एरिया के 48 गांवों के 1.50 लाख किसानों को न्याय दिलवाने की मांग की है। इधर सिंचाई विभाग के अधिशासी अभियंता विवेक बंसल का कहना है कि न्यायालय के आदेशों को उच्च अधिकारियों को भेज कर दिशा निर्देश मांगे गए हैं।

बाइक चोर गिरोह का भंडाफोड

जयपुर। करधनी थाना पुलिस ने वाहन चोरी और दुकानों में सेंधमारी करने वाले शातिर गिरोह का पर्दाफाश करते हुए तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 चोरी की मोटरसाइकिलें, बैटरियां, अल्टरनेटर और सेल्फ सहित अन्य सामान बरामद किया है। फिलहाल आरोपितों से पूछताछ की जा रही है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि करधनी थाना पुलिस ने वाहन चोरी और दुकानों में सेंधमारी करने वाले शातिर गिरोह के शातिर बदमाश पीयूष यादव उर्फ चिंटू (30) निवासी नसीराबाद (अजमेर), तेजपाल (28) और फूलचंद (42) निवासी कापडियावास को गिरफ्तार किया।

पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 7 चोरी की मोटरसाइकिलें बरामद की गई हैं, जिन्हें हाथोज, खोराबावडी और बैनाड रोड क्षेत्र से चुराया गया था। इसके अलावा दुकान से चोरी की गई 4 बैटरियां, 8 अल्टरनेटर और 2 सेल्फ भी बरामद किए गए हैं। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

मुख्यमंत्री से डेनमार्क के राजदूत की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से मंगलवार को डेनमार्क के राजदूत रासमस एबिल्डगार्ड क्रिस्टेंसन ने मुख्यमंत्री निवास पर मुलाकात की। मुख्यमंत्री से यह उनकी शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान दोनों ने प्रदेश में जल प्रबंधन, नवीकरणीय ऊर्जा एवं डेयरी के क्षेत्र में संभावनाओं को लेकर चर्चा की। साथ ही, राज्य में हरित विकास को बढ़ावा देने के लिए सतत कृषि एवं रीसाइकल अर्थव्यवस्था के संबंध में भी वार्ता की गई।

अमृत 2.0 के तहत राजस्थान में 11 हजार 560 करोड़ रुपए के काम प्रगतिरत

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से संवर रहा शहरों का बुनियादी ढांचा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के प्रयासों से राजस्थान में शहरी बुनियादी ढांचे को मजबूती देने का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है। अटल मिशन फॉर रिजुवेनेशन एंड अर्बन ट्रांसफॉर्मेशन (अमृत) 2.0 के अंतर्गत केंद्र सरकार की स्वीकृति के बाद 11 हजार 560 करोड़ रुपए की राशि से राज्य के 200 शहरों और कस्बों में 363 परियोजनाओं पर काम चल रहा है। अमृत 2.0 के तहत चल रही इन परियोजनाओं में 5 हजार 950 करोड रुपए की सीवरेज एवं सेप्टेज प्रबंधन, 5 हजार 99 करोड़ रुपए लागत की जलापूर्ति परियोजनाएं और 505 करोड रुपए की जलाशय पुनरुद्धार परियोजनाएं शामिल हैं।

- **2026-27 में केन्द्र सरकार से मिलेगा 2341 करोड़ रुपए का बजट**
- **200 शहरों में 363 परियोजनाएं जल एवं स्वच्छता क्षेत्र में लाएंगी क्रांति**

जयपुर ग्रेटर नगर निगम क्षेत्र में सीवरेज नेटवर्क की मरम्मत और नए क्षेत्रों में सीवर लाइन बिछाने के 600 करोड़ रुपए के काम की डीपीआर तैयार की जा रही है, जबकि 731 करोड़ रुपए की जलापूर्ति योजना की डीपीआर स्वीकृत हो चुकी है। इसी तरह, हैरिटेज निगम क्षेत्र में एसटीपी निर्माण और अपग्रेडेशन, सीवर लाइनों की मरम्मत, पुरानी सीवर लाइनें बदलने और नई सीवर लाइनें बिछाने के 1040 करोड़ रुपए से अधिक के कार्यों के अनुबन्ध जारी कर काम करवाया जा रहा है। जलापूर्ति वितरण प्रणाली के सुदृढीकरण और उन्नयन के 253 करोड रुपए की परियोजना की एनआईटी जारी की जा चुकी है। इस तरह, जयपुर शहर में केन्द्र प्रवर्तित इस योजना के अंतर्गत 2624 करोड़ रुपए की स्वीकृत परियोजनाएं प्रगतिरत हैं।

जोधपुर शहर में अमृत 2.0 के अंतर्गत लगभग 731 करोड रुपए के एसटीपी और सीवरेज लाइन मरम्मत एवं नई सीवर लाइनें बिछाने के कार्य पूरे हो चुके हैं, जबकि 725 करोड रुपए के जलापूर्ति एवं सीवरेज कार्य प्रगतिरत हैं। इसी तरह कोटा शहर में 700.87 करोड, उदयपुर में 420.92 करोड, सीकर में 404 करोड़ रुपए, भीलवाड़ा में 360.94 करोड़, भरतपुर में 299.95 करोड, अजमेर में 396 करोड, अलवर में 294.46 करोड एवं भिवाड़ी में 276.59 करोड रुपए की परियोजनाओं के कार्य करवाए जा रहे हैं।

अमृत 2.0 में जलाशय पुनरुद्धार की 134 परियोजनाओं पर 505 करोड रुपए की लागत से काम किया जा रहा है। इनका उद्देश्य राज्य की ऐतिहासिक बावडियों, झीलों और तालाबों का पुनरुद्धार करना है, जो विरासत पर्यटन और भूजल पुनर्भरण दोनों की दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

सुमेरपुर (पाली) में 23 करोड रुपए की लागत से वेस्टवाटर ट्रीटमेंट प्लांट के निर्माण और उपचारित जल को जवाई नई में प्रवाहित करने की परियोजना, सिंहप्रस्थ सरोवर के पुनरुद्धार एवं विकास के कार्य करवाए जा रहे हैं।

नाथद्वारा में 17.3 करोड़ रुपए की लागत से सिहाड़ और नाथूवास तालाब, बांसवाड़ा में 6.77 करोड़ रुपए से नाथेलाव और डायलाब तालाब के काम शुरू करवाए जा रहे हैं।

शहीद सैनिक के पुत्र को अनुकम्पा नियुक्ति

जयपुर। राज्य सरकार की संवेदनशील नीतियों के अनुसरण में जयपुर जिला प्रशासन ने शहीद सैनिकों के परिजनों को संबल प्रदान करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राजस्थान सेवा (शहीद सैनिकों के आश्रितों को अनुकम्पात्मक नियुक्ति) नियम, 2022 के अंतर्गत स्वर्गीय सैनिक सतीश कुमार राव के पुत्र नवीन कुमार को कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्ति प्रदान की गई है। झुंझुनू जिले के घरडाना खुर्द (तहसील बुहाना) निवासी दिनेश कुमार को कार्यालय जिला कलक्टर, जयपुर में पदस्थापित किया गया है। नियुक्ति आदेश जारी होने के पश्चात उन्होंने 27 अप्रेल सोमवार को कलेक्ट्रेट पहुंचकर अपना कार्यभार ग्रहण कर लिया है।

रीको बनाएगा भीलवाड़ा के कांखला में मेगा जिंक पार्क

जयपुर। रीको प्रशासन भीलवाड़ा के कांखला में मेगा जिंक पार्क बनाएगा। दरअसल राइजिंग राजस्थान समिट-2024 में वेदांता समूह ने राज्य में जिंक एवं तेल उत्पादन क्षेत्र में एक लाख करोड़ रुपये के निवेश की प्रतिबद्धता जताते हुए राज्य सरकार के साथ एमओयू किया था। समिट के पश्चात राज्य सरकार, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड एवं रीको के बीच कई दौर की बैठकों के बाद, हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड ने रीको को भीलवाड़ा जिले के कांखला क्षेत्र में लगभग 111 एकड़ भूमि पर जिंक पार्क विकसित करने का प्रस्ताव दिया गया।इस प्रस्ताव के अनुसार, रीको द्वारा पार्क की मास्टर प्लानिंग के साथ-साथ सड़क, जल एवं विद्युत आदि आधारभूत सुविधाएं भी उपलब्ध करायी जायेंगी। हिंदुस्तान जिंक लिमिटेड, पार्क में 5 से 7 एकड़ क्षेत्र में अपना प्लांट एवं कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित करेगी।

इस प्रस्तावित पार्क में वेदांता ग्रुप जिंक उद्योग से जुड़ी विभिन्न कंपनियों को लाने की दिशा में कार्य कर रहा है। प्रारंभिक चरण में जिंक वेल्यू चेन से जुड़ी 5 से 6 कंपनियों ने निवेश करने में रुचि दिखाई है। वर्तमान में कांखला जिंक पार्क 111 एकड़ भूमि पर प्रस्तावित है। इसमें से हिंदुस्तान जिंक द्वारा प्रारंभिक चरण में लगभग 66 एकड़ भूमि पर निवेश के प्रस्ताव रीको को दिये गये है, जिनकी मांग का आंकलन कर रीको द्वारा लगभग 1000 वर्गमीटर से 80 हजार वर्गमीटर तक के विभिन्न आकार के भूखण्ड नियोजित किये गये हैं, ताकि एमएसएमई और वृहद उद्योगों को जिंक पार्क में औद्योगिक इकाई लगाने का अवसर मिल सके।

कांखला में प्रस्तावित यह जिंक पार्क उत्तरी भारत में अपनी तरह का पहला जिंक पार्क होगा, जिसमें सिर्फ जिंक वेल्यू चेन से जुड़ी हुई कंपनियां अपना प्लांट लगाएंगी। इससे राज्य के औद्योगिक विकास को नई गति मिलेगी और युवाओं के लिए व्यापक रोजगार अवसर सृजित होंगे।

जमानत देने आए युवक का बदमाशों ने फिल्मी स्टाइल में किया अपहरण

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। बनीपार्क थाना इलाके में सोमवार को फिल्मी स्टाइल में एक युवक के अपहरण का मामला सामने आया है। रंजिश के चलते परिचितों ने युवक को कलेक्ट्री परिसर के बाहर से जबरन कार में डालकर अगवा कर लिया और मारपीट करने के बाद सडक किनारे फेंक कर फरार हो गए।

थानाधिकारी मनोज कुमार बेरवाल ने बताया कि जयसिंहपुरा खोर निवासी महेन्द्र सैनी (25) अपने रिश्तेदारों की जमानत के लिए 26 अप्रैल को कलेक्ट्री आया था। उसके रिश्तेदारों का पडौसियों से विवाद होने पर पुलिस ने उन्हें शांतिभंग में गिरफ्तार किया था।

शाम करीब 5:30 बजे महेन्द्र पानी भरने के लिए बाहर निकला, तभी दूसरे पक्ष के 4-5 लोग उसके पीछे आ गए। कहासुनी के बाद आरोपियों ने उसका पीछा कर कलेक्ट्री के गेट नंबर-1 के पास पकड लिया और मारपीट करते हुए जबरन कार में पटक कर ले गए। चलती कार में भी उसके साथ मारपीट की गई। इधर परिजनों द्वारा पुलिस को सूचना देने और कार्रवाई की भनक लगने पर आरोपी युवक को जयसिंहपुरा खोर थाना क्षेत्र के बाहर सडक किनारे फेंककर फरार हो गए। पीडित की शिकायत पर बनी पार्क थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

दो सप्ताह में नाबालिग को पेश करो, वरना पुलिस अधीक्षक विफलता का कारण बताए

हाईकोर्ट ने चौथ का बरवाड़ा क्षेत्र से 2 माह पूर्व अपहृत हुई नाबालिग को 2 सप्ताह में बरामद कर अदालत में पेश करने के आदेश दिए

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने चौथ का बरवाड़ा थाना इलाके से दो माह पूर्व अपहृत हुई नाबालिग को दो सप्ताह में बरामद कर अदालत में पेश करने के आदेश दिए हैं। अदालत ने कहा कि यदि पीडिता बरामद नहीं होती है तो सवाई माधोपुर पुलिस अधीक्षक हलफनामा पेश कर पुलिस की विफलता के कारणों की जानकारी दे। जस्टिस महेन्द्र कुमार गोयल और जस्टिस भुवन गोयल की खंडपीठ ने यह आदेश कुंज बिहारी मीणा की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए।सुनवाई के दौरान स्थानीय थानाधिकारी अदालत में हाजिर हुए। वहीं अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश चौधरी ने अदालत को बताया कि पुलिस को पीडिता की मौजूदगी को लेकर कुछ सुराग मिला है। ऐसे में उसे बरामद करने के लिए समय दिया जाए। जिसे स्वीकार करते हुए अदालत ने पीडिता को पेश नहीं करने पर एसपी को हलफनामा देने को कहा है। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में अधिवक्ता लक्ष्मीकांत मालपुरा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता की नाबालिग बेटी गत 8 फरवरी से गायब है। गांव के ही एक युवक के खिलाफ उसने स्थानीय थाने में अपहरण का मामला भी दर्ज कराया हुआ है। इसके बावजूद भी पुलिस अभी तक उसका पता नहीं लगा पाई है। उसे आशंका है कि पीडिता के साथ गलत घटना हो सकती है।

रिटायर्ड कर्नल को बंधक बनाकर 2.20 लाख रु. लूटे

जयपुर। बगरू इलाके में दिनदहाड़े एक सनसनीखेज वारदात में नकाबपोश बदमाश ने रिटायर्ड कर्नल को बंधक बनाकर 2.20 लाख रुपये लूट लिए। बदमाश ने हथियार के बल पर घर में घुसकर वारदात को अंजाम दिया और बुजुर्ग को बेहोश कर हाथ-पैर व मुंह बांधकर फरार हो गया। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच में जुटी है।

पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) प्रशांत किरण ने बताया कि ओमेक्स सिटी बगरू निवासी 71 वर्षीय रिटायर्ड कर्नल रविवार दोपहर करीब 1:30 बजे घर पर अकेले टीवी देख रहे थे। इसी दौरान एक युवक गेट खोलकर अंदर घुस आया। उसके हाथ में चाकू था और पेंट में पिस्टल रखी हुई थी। आरोपी ने हेलमेट पहन रखा था और धमकाते हुए नकदी की मांग की। रुपये नहीं होने की बात कहने पर बदमाश ने उनका मोबाइल छीनकर तोड़ दिया और जेब से कोई पदार्थ निकालकर उन्हें सुंघा दिया, जिससे वे बेहोश हो गए। इसके बाद आरोपी ने उसके हाथ-पैर और मुंह बांध दिए तथा कमरे की रैक में रखे 2.20 लाख रुपये निकालकर बैग में रख लिए और फरार हो गया। जहां पीडित को करीब ढाई घंटे बाद शाम करीब 4 बजे होश आने पर खुद को बंधक अवस्था में पाया। कमरे में सामान बिखरा हुआ था। मुंह बंधा होने के कारण वह मदद के लिए आवाज भी नहीं लगा सके। करीब 45 मिनट की मशक्कत के बाद उन्होंने खुद को बंधन से मुक्त किया और पडोसियों को सूचना दी।

सेवा भारती ने निभाई पग फेरा की रस्म

जयपुर। सेवा भारती समिति जयपुर की ओर से 25 अप्रैल को अंबाबाड़ी स्थित आदर्श विद्या मंदिर में आयोजित 15वें श्रीराम-जानकी सर्वजातीय सामूहिक विवाह सम्मेलन में परिणय सूत्र में बंधे जोड़ों का मंगलवार को सहकार मार्ग स्थित सेवा भारती के प्रदेश कार्यालय

सेवा सदन में सम्मान किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत गणेशजी को भोग लगाकर की गई तथा गणेशजी को विदा दी गई।

इस मौके पर दुल्हनों के पग फेरा रस्म भी पूरे विधि विधान से संपन्न की गई, जिस तरह शादी के बाद बेटी को मायके बुलाया जाता है, ठीक उसी तरह 45 जोड़ों को सेवा सदन में बुलाकर पग फेरे की रस्म पूरी की गई।

आतंकवादी और व्याभाचारी नहीं होगा भारतीय शिक्षा बोर्ड का पढ़ा कोई बच्चा : स्वामी रामदेव

भारतीय शिक्षा बोर्ड के प्रांतीय कार्यालय का लखनऊ में उद्घाटन

हरिद्वार/लखनऊ। भारतीय शिक्षा बोर्ड के प्रांतीय कार्यालय का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री माध्यमिक शिक्षा गुलाब देवी, स्वामी रामदेव, विशिष्ट अतिथि डॉ. एनपी सिंह सहित संतों के सानिध्य में दीप प्रज्वलित करके किया गया। प्रांतीय कार्यालय क्रिश्चयन कॉलेज लखनऊ के प्रांगण में खुला है। इस अवसर पर स्वामी रामदेव ने कहा कि जिस तरह से योग क्रांति की शुरुआत हुई थी। ठीक उसी तरह उत्तरप्रदेश की लखनऊ की इस धरा से शिक्षा की क्रांति की शुरुआत होने जा रही है। जिसके मूल में भारतीय शिक्षा बोर्ड है। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड से पढ़ने वाला कोई बच्चा आतंकवादी और व्यवभाचारी नहीं बनेगा। भारतीय शिक्षा बोर्ड देश ही नहीं दुनिया तक अपनी डंका बजायेगा। मैकाले के पाप को हम मिटा कर रहेंगे।

दीप प्रज्जवलन के बाद शिक्षा संवाद के दौरान मुख्य अतिथि मंत्री माध्यमिक शिक्षा (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने कहा कि अंग्रेजी स्कूलों में जो शिक्षा दी जा रही है, वह दिशाहीन हो चुकी हैं। पाश्चात्य संस्कृति की ओर वह प्रेरित करती हैं। इस स्कूल के बच्चे अपने माता-पिता को सुबह उठकर प्रणाम करना भूल चुके हैं। क्या ऐसी शिक्षा की कल्पना हमने की थी। उन्होंने कहा कि स्वामी रामदेव ने भारतीय शिक्षा बोर्ड के तहत जो बीडा उठाया है, वह निश्चित तौर पर बच्चों के चरित्र निर्माण करेगा।

उन्होंने आश्वस्त किया कि उत्तरप्रदेश सरकार से भारतीय शिक्षा बोर्ड के लिए जो भी सहयोग होगा, वह सरकार के स्तर पर की जाएगी। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड तो संतों की लीला है। जहां स्वामी रामदेव जैसे संत हो, वहां का बोर्ड निश्चित तौर पर विश्व स्तर पर अपनी पहचान स्थापित करेगा। उन्होंने गुरु और डाक्टर का उदाहरण दिया। कहा कि गुरू बच्चों के जीवन में आध्यात्मिकता लाता है और बच्चे भावनात्मक रूप से जुड जाते हैं। इसलिए शिक्षकों का आचरण और व्यवहार बच्चों के प्रति बहुत अच्छा होना चाहिए जबकि डॉक्टर भी कुछ इसी तरह की भूमिका निभाता है। वह हमारे जीवन को बचाता है।

लखनऊ में भारतीय शिक्षा बोर्ड के प्रांतीय कार्यालय का उद्घाटन उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री माध्यमिक शिक्षा गुलाब देवी, स्वामी रामदेव, विशिष्ट अतिथि डॉ. एनपी सिंह सहित संतों के सानिध्य में हुआ।

- **भारतीय शिक्षा बोर्ड किसी धर्म, पंत या महज का नहीं, 150 करोड़ भारतीयों का: एनपी सिंह**

विशिष्ट अतिथि भारतीय शिक्षा बोर्ड के चेयरमैन एनपी सिंह ने भारतीय शिक्षा बोर्ड के उद्देश्यों के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि भारतीय शिक्षा बोर्ड किसी धर्म, पंत या मजहब का नहीं है। यह सभी 150 करोड भारतीयों का बोर्ड है। उन्होंने कहा कि आधुनिक शिक्षा में भारतीय ज्ञान परंपरा का समन्वय को लेकर भारतीय शिक्षा बोर्ड का गठन किया गया है। इस दौरान डॉ महेन्द्र सिंह, अवध ओझा ने भी अपनी ओजस्वी संदेश और शुभकानाएं दी। इस दौरान डॉ महेन्द्र सिंह, अवध ओझा, आचार्य स्वदेश, साध्वी देवप्रिया, पुष्कर द्ववेदी, राकेश, संत आलोक दास आदि मौजूद रहें।

अक्षय कुमार बने क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन के ब्रांड एंबेसडर

''देश का किसान, देश का असली हीरो'' अभियान लॉन्च किया

नई दिल्ली। क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड (क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन), जो भारत की एक रिसर्च-आधारित एग्री-इनपुट कंपनी है, ने आज अक्षय कुमार को अपना ब्रांड एंबेसडर नियुक्त करने की घोषणा की। इस साझेदारी के साथ ही क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन ने अक्षय कुमार के साथ अपना पहला राष्ट्रीय ब्रांड अभियान देश का किसान, देश का असली हीरो भी लॉन्च किया।

यह सहयोग क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन की भारतीय कृषि के प्रति तीन दशकों की प्रतिबद्धता को अक्षय कुमार के साथ जोड़ता है। इस साझेदारी के माध्यम से कंपनी का उद्देश्य भारत के किसानों के साथ अपने संबंध को और मजबूत करना तथा उन्हें उन्नत समाधान अपनाने और खेती की लाभप्रदता बढ़ाने में मदद करना है।

क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन लिमिटेड के कार्यकारी अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक, अंकुर अग्रवाल ने कहा, अक्षय कुमार दृढ़ता, अनुशासन और उद्देश्य की गहरी भावना का प्रतिनिधित्व करते हैं-ये वही मूल्य हैं जिन पर क्रिस्टल काम करता है। यह साझेदारी हमारे लिए एक राष्ट्रीय आइकन को उन असली नायकों से जोड़ने का माध्यम है जो देश का पेट भरते हैं-हमारे किसान। हमारे लिए किसान केवल एक हितधारक नहीं, बल्कि हमारे अस्तित्व का कारण हैं। देश का किसान, देश का असली हीरो अभियान को टेलीविजन, डिजिटल प्लेटफॉर्म और विभिन्न ग्राउंड-लेवल किसान सहभागिता कार्यक्रमों के माध्यम से चलाया जाएगा। यह अभियान किसानों को राष्ट्र की रीढ़ के रूप में सम्मानित करेगा और साथ ही क्रिस्टल क्रॉप प्रोटेक्शन की भूमिका को भी उजागर करेगा, जो फसल सुरक्षा समाधान, बीज और क्रिस्टल डॉक्टर नेटवर्क के जरिए फार्म सलाह सेवाएं प्रदान करता है। क्रिस्टल ब्रांड्स बिजनेस के चीफ बिजनेस ऑफिसर, सोहित सत्यावली ने कहा, अक्षय कुमार हमेशा से अपनी विश्वसनीयता और प्रामाणिकता के लिए जाने जाते हैं, और यह साझेदारी क्रिस्टल ब्रांड को भी वही विश्वसनीयता प्रदान करेगी।

हिंडौन सिटी : झगड़े में घायल युवक की जयपुर में इलाज के दौरान मौत

परिजनों ने युवक का अपहरण कर हत्या करने का आरोप लगाया

- 22 अप्रैल को गढ़ी पनवड़ा गांव में युवक महेंद्र गुर्जर पर कथित रूप से सुनियोजित तरीके से हमला किया गया था
- मृतक के भाई की ओर से हिंडौन सदर थाने में गढ़ी पनवड़ा निवासी सोनू, मुनेश मीणा सहित तीन लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया

हिंडौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र के लपावली गांव निवासी एक युवक की जयपुर में इलाज के दौरान मौत हो जाने से क्षेत्र में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान महेंद्र गुर्जर (35) पुत्र दौजी के रूप में हुई है, जो पिछले कई दिनों से जयपुर के एसएमएस अस्पताल में जिंदगी और मौत के बीच संघर्ष कर रहा था। मंगलवार सुबह करीब चार बजे उसने उपचार के दौरान दम तोड़ दिया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार 22 अप्रैल को गढ़ी पनवड़ा गांव में महेंद्र गुर्जर पर कथित रूप से सुनियोजित तरीके से हमला किया गया था। घटना के बाद 23 अप्रैल की सुबह वह सड़क किनारे बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। राहगीरों की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और उसे तुरंत हिंडौन के जिला अस्पताल लेकर गए। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उसे जयपुर रेफर कर दिया।

सदर थाना के एएसआई बदन सिंह ने बताया कि जयपुर में उपचार के दौरान युवक की मौत हो गई, जिसके बाद एसएमएस अस्पताल में पोस्टमॉर्टम कराया गया। मृतक के भाई राजेंद्र गुर्जर की ओर से हिंडौन सदर थाने में गढ़ी पनवड़ा निवासी सोनू, मुनेश मीणा सहित तीन लोगों के खिलाफ नामजद मामला दर्ज कराया गया है।

परिजनों ने गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि आरोपियों ने महेंद्र को घर से बुलाकर पहले उसका अपहरण किया और फिर बेरहमी से मारपीट कर उसे अधमरा कर दिया, जिससे उसकी मौत हो गई। घटना के बाद से परिजनों में भारी आक्रोश व्याप्त है और उन्होंने आरोपियों की जल्द गिरफ्तारी की मांग की है। पुलिस के अनुसार मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है तथा आरोपियों की तलाश के लिए टीमों का गठन किया गया है। फिलहाल झगड़े के पीछे के कारणों का स्पष्ट खुलासा नहीं हो पाया है।

संदिग्ध परिस्थितियों में महिला की मौत, सिर पर चोट के निशान मिले

- पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए, आसपास के लोगों से भी पूछताछ की
- घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा

हिंडौन सिटी, (निसं)। क्षेत्र के कल्याणपुर सायटा गांव में मंगलवार सुबह एक महिला की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मृतका की पहचान रचना जाट (40) पत्नी भूपेंद्र सिंह के रूप में हुई है। महिला के सिर पर चोट के निशान पाए जाने से मामला और भी संदिग्ध हो गया है।

सदर थाना के एएसआई रजन लाल ने जानकारी देते हुए बताया कि घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर हिंडौन के जिला अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया है। फिलहाल इस मामले में कोई लिखित रिपोर्ट दर्ज नहीं कराई गई है, रिपोर्ट मिलने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्राथमिक जानकारी के अनुसार घटना के समय मृतका का पति भूपेंद्र सिंह तथा 18 वर्षीय पुत्र राजा बेंगलुरु में मजदूरी कर रहे थे, जबकि उसकी दोनों बेटियां स्कूल गई हुई थी। ऐसे में घटना के समय महिला घर पर अकेली थी। मृतका के पीहर पक्ष के जटवाड़ा निवासी पिता रंजीत ने बताया कि उन्हें सुबह करीब 8:30 बजे सूचना मिली कि उनकी बेटी झगड़े में गंभीर रूप से घायल हो गई है और उसे अस्पताल ले जाया गया है। सूचना मिलते ही परिजन तुरंत अस्पताल पहुंचे, जहां महिला को मृत पाया गया। पुलिस ने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर साक्ष्य जुटाए हैं और आसपास के लोगों से भी पूछताछ की जा रही है। घटना के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही हो सकेगा।

बंदी के वार्ड के पीछे एंड्राइड फोन मिला

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर केंद्रीय कारागार में लगातार निषिद्ध सामग्री मिल रही है। बीड़ी, गुटखा, जर्दा, मोबाइल आदि गत दिनों बरामद किए थे। एक बार फिर सर्च अभियान के समय विचाराधीन बंदी के वार्ड के पीछे लावारिश हालत में एंड्राइड फोन मिला है। फोन में सिम नहीं लगी थी। कार्यवाहक केंद्राधीक्षक ने विचाराधीन बंदी को नामजद कर रातानाडा थाने में इसकी रिपोर्ट दी है। रातानाडा पुलिस ने जोधपुर केंद्रीय कारागार के कार्यवाहक केंद्राधीक्षक कालूराम मीणा की तरफ से रिपोर्ट दी गई।

बीकानेर : वीर चक्र विजेता ब्रिगेडियर जगमाल सिंह राठौड़ का निधन

- 'ब्रिगेडियर जगमाल सिंह 1971 के युद्ध में अपनी टीम के साथ पाकिस्तान में करीब 16 किलोमीटर तक घुस गए थे और पाकिस्तान आर्मी को अंदर तक खदेड़ दिया था'
- जगमाल सिंह ओलंपियन शूटर और वर्तमान में विधायक राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ के ताऊजी भी थे

बीकानेर, (निसं)। 1971 के भारत-पाकिस्तान के युद्ध में पाकिस्तान में घुसकर दुश्मन सैनिकों को मारने वाले बिग्रेडियर जगमाल सिंह का मंगलवार को निधन हो गया। वे लंबे समय से अस्वस्थ चल रहे थे। युद्ध में अदम्य साहस के लिए जगमाल सिंह को वीरता पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। जगमाल सिंह ओलंपियन शूटर और वर्तमान में विधायक राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़ के ताऊजी भी थे। उनकी बेटी ने बताया कि वे जीवन के अंतिम दिनों में भी काफी सक्रिय थे। वे सादुलगंज में रहते थे। बुधवार को राजपूत शांतिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

बिग्रेडियर जगमाल सिंह।

बेटी कविता ने बताया कि युद्ध के दौरान मेजर जगमाल सिंह राठौड़ भारतीय सेना की ग्रेनेडियर्स रेजिमेंट की 13वीं बटालियन में तैनात थे, जिसे ऐतिहासिक रूप से 'गंगा जैसलमेर' के नाम से भी जाना जाता है। वे राजस्थान सेक्टर के दुर्गम रेगिस्तानी क्षेत्र में तैनात थे, जहां सैन्य सफलता के लिए गति, रणनीति और त्वरित निर्णय बेहद महत्वपूर्ण थे। मेजर राठौड़ को दुश्मन की एक अत्यंत महत्वपूर्ण और मजबूत सुरक्षा वाली चौकी पर कब्जा करने की जिम्मेदारी सौंपी गई थी। 6 दिसंबर को जैसे ही उनकी कंपनी ने हमला शुरू किया, पाकिस्तानी सेना ने भारी मशीनगनों और मोर्टार से तेज गोलाबारी शुरू कर दी। हमला इतना भीषण था कि पूरी आक्रमणकारी टुकड़ी की रफ्तार धीमी पड़ने लगी। हालांकि मेजर राठौड़ ने तुरंत स्थिति का आकलन किया। इसके बाद रणनीति बदली और स्वयं एक प्लाटून का नेतृत्व किया। वे दुश्मन की फायरिंग लाइन को चकमा देते हुए किनारे से आगे बढ़े। इसके बाद दुश्मन की चौकी पर धावा बोला। इससे दुश्मन फौज को संभलने का मौका तक नहीं मिला। इसका जिक्र उनके वीरता पदक के प्रशस्ति पत्र में भी किया गया है।

बेटी ने बताया कि पिता के साहसिक नेतृत्व और व्यक्तिगत वीरता के कारण भारतीय सेना ने उस महत्वपूर्ण लक्ष्य पर सफलतापूर्वक कब्जा कर लिया। इससे राजस्थान के रेगिस्तानी मोर्चे पर भारतीय सेना को महत्वपूर्ण सामरिक बढ़त मिली। पिता के कारण पाकिस्तानी सीमा में रानीहल चेक पोस्ट पर कब्जा किया जा सका और वहां तिरंगा फहरा दिया गया। देख पाकिस्तानी सेना घबरा गई और रेगिस्तानी इलाकों से पीछे हटने लगी थी। बेटी ने बताया कि पिता ब्रिगेडियर जगमाल सिंह 1971 के युद्ध में अपनी टीम के साथ पाकिस्तान में करीब 16 किलोमीटर तक घुस गए थे। उस समय इतने वाहन नहीं थे, तो बीकानेर की तरफ से ऊंटों पर ही वो अपनी बटालियन के साथ पाकिस्तानी सीमा में चले गए। पाकिस्तान आर्मी को अंदर तक खदेड़ दिया गया। दुश्मन के सैनिकों को बंदी भी बनाया। इस दौरान जगमाल सिंह और उनकी पूरी टीम ने बारूद गोलों के साथ हमला किया। कई बार उनकी जान पर भी बन आई थी, लेकिन वीरता का परिचय देते हुए उन्होंने पाकिस्तानी जवानों को पीछे हटने के लिए मजबूर कर दिया। तब न तो वॉकी टॉकी थे और न मोबाइल जैसी कोई सुविधा। ऐसे में दुश्मन तक पहुंचने के बाद भी अपनी बटालियन को सूचना देने के लिए रेडियो सिस्टम का उपयोग करना पड़ता था। वे युद्ध के मैदान में पूरे जज्बे के साथ उतरते थे। इसी कारण 1971 के युद्ध में उनकी वीरता के लिए वीरता सेवा मेडल से सम्मानित किया गया था।

गौरतलब है कि भारत और पाकिस्तान में 1971 का युद्ध करीब 13 दिन चला था। इसकी शुरुआत 3 दिसंबर 1971 को हुई और अंत 16 दिसंबर 1971 को हुआ था। इस युद्ध में भारत की निर्णायक जीत हुई थी। वहीं भारत के समर्थन से पूर्वी पाकिस्तान अलग होकर एक नया देश बांग्लादेश बना था। 16 दिसंबर 1971 को ढाका में पाकिस्तान की सेना ने भारतीय सेना के सामने सरेंडर कर दिया था।

20 किलो डोडा-पोस्त बरामद, दो गिरफ्तार

अनूपगढ़, (निसं)। रामसिंहपुर क्षेत्र में पुलिस और एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को 20 किलो 300 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त के साथ गिरफ्तार किया है। तस्करी में इस्तेमाल की जा रही एक कार भी जब्त की गई है।

श्रीगंगानगर पुलिस अधीक्षक हरी शंकर ने मंगलवार को बताया कि रामसिंहपुर थाना प्रभारी अजय कुमार अपनी टीम के साथ नियमित गश्त पर थे। इसी दौरान एएनटीएफ के कांस्टेबल अवतार सिंह से सूचना मिली कि दो युवक कार में अवैध डोडा-पोस्त लेकर इलाके से गुजरने वाले हैं। सूचना को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने तत्काल रामसिंहपुर क्षेत्र में नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहन की जांच शुरू की। नाकाबंदी के दौरान पुलिस ने एक कार को रुकवाया, जिसमें सवार दो व्यक्तियों की पहचान अमरजीत सिंह (42) पुत्र महेंद्र सिंह निवासी 26 जीबी हरिपुरा, श्रीविजयनगर और लालचंद (33) पुत्र भोलूराम निवासी 33 जीबी, श्रीविजयनगर के रूप में हुई। वाहन और आरोपियों की तलाशी लेने पर 20 किलो 300 ग्राम अवैध डोडा-पोस्त बरामद किया गया। बरामदगी के बाद दोनों आरोपियों को मौके पर गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ रामसिंहपुर थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की आगे की जांच पदमपुर थाना प्रभारी सुमन जयपाल को सौंपी गई है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी अजय कुमार, एएसआई जयपाल, हैड कांस्टेबल राजेश कुमार, कांस्टेबल सुदेश कुमार, कांस्टेबल जयपाल, कांस्टेबल रुग्बीर सिंह, कांस्टेबल धर्मपाल, कांस्टेबल राकेश कुमार और एएनटीएफ के कांस्टेबल अवतार सिंह की अहम भूमिका रही।

पुष्कर घूमने आए फ्रांस के पर्यटक की अजमेर में मौत

अजमेर, (निसं)। पुष्कर घूमने आए फ्रांस के एक पर्यटक की अजमेर के जवाहरलाल नेहरू अस्पताल में ऑपरेशन के बाद मौत हो गई। मामले की सूचना पुलिस ने फ्रांस दूतावास को दे दी है। पुलिस के अनुसार मृतक की पहचान पासपोर्ट के आधार पर 56 वर्षीय बोना जोसे के रूप में हुई है। वह पुष्कर में स्थित 'ए ब्लू स्टार इजराइली ढाबा होम स्टे' में ठहरे हुए थे।

होटल संचालक महेंद्र जैन ने बताया कि तबीयत खराब होने पर पहले उन्हें स्थानीय अस्पताल में दिखाया गया, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्हें अजमेर के जेएलएन अस्पताल लाया गया। यहां डॉक्टरों ने पेट की आंत में गंभीर समस्या बताई और ऑपरेशन किया गया। मंगलवार सुबह इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव मोर्चरी में रखवाया है। साथ ही पासपोर्ट के आधार पर फ्रांस दूतावास को सूचना भेज दी गई है।

उदयपुर में कई वर्षों से बंद पड़ी फैक्टरी के स्क्रैप में आग लगी

- धागा फैक्टरी पिछले कई वर्षों से बंद पड़ी है, वर्तमान में यहां फर्नीचर से जुड़ा काम होता है
- प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह फैक्टरी के अंदर से निकल रहे बिजली के पोल में ब्लास्ट हुआ था
- आग को बुझाने के लिए फायरब्रिग्रेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब डेढ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया

उदयपुर, (कासं)। शहर से सटे लोयरा क्षेत्र में फर्नीचर स्क्रैप में मंगलवार को आग लग गई। आग लगने की यह घटना श्रुति सिंथेटिक फैक्टरी परिसर की है। हालांकि यह धागा फैक्टरी पिछले कई वर्षों से बंद पड़ी है। वर्तमान में यहां फर्नीचर से जुड़ा काम होता है। सूचना मिलते ही नगर निगम की फायर ब्रिगेड और बड़गांव थाना पुलिस मौके पर पहुंची। आग को बुझाने के लिए फायरब्रिग्रेड की 5 गाड़ियां मौके पर पहुंची और करीब डेढ घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तेज हवा के कारण आग तेजी से फैलने लगी और धुएं का गुबार करीब 2 से 3 किलोमीटर दूर तक दिखाई देने लगा। यह फैक्टरी उदयपुर शहर से करीब 10 किलोमीटर दूर है। फैक्टरी के आस-पास कोई आबादी नहीं है करीब 1 किलोमीटर दूर कुछ घर हैं।

स्थानीय लोगों ने बताया कि फैक्टरी के बाहर श्रुति सिंथेटिक फैक्टरी का बोर्ड लगा हुआ है, लेकिन पिछले कुछ समय से यहां फर्नीचर फैक्टरी चल रही है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि सुबह अचानक फैक्टरी के अंदर से निकल रहे बिजली के पोल में ब्लास्ट हुआ था। इसके बाद फैक्टरी के पिछले हिस्से में पड़े वेस्ट मटेरियल ने आग पकड़ ली थी। आग इतनी भयानक थी कि डेढ़ घंटे से की मशक्कत के बाद आग बुझाई जा सकी।

नगर निगम के मुख्य अग्निशमन अधिकारी बाबूलाल चौधरी ने बताया कि सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की पांच गाड़ियां मौके पर भेजी गईं। आग मुख्य फैक्टरी क्षेत्र तक नहीं पहुंची और समय रहते उसे कंट्रोल कर लिया गया। उन्होंने बताया कि फोम और पॉलिथीन सामग्री में आग लगने के कारण धुआं ज्यादा फैला था। फैक्टरी मालिक की जानकारी जुटाई जा रही है। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण बिजली के पोल में शॉर्ट सर्किट के बाद हुआ ब्लास्ट बताया जा रहा है।

जोधपुर में निजी अस्पताल में महिला की मौत

- परिजनों ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाकर प्रदर्शन किया

जोधपुर, (कासं)। शहर के पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल में सोमवार की रात को महिला की मौत हो गई। उसकी बच्चेदानी और हार्ट इश्यु के चलते ऑपरेशन किया गया था। मगर ऑपरेशन के कुछ समय बाद महिला की मौत हो गई। परिजनों ने डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाया और सुबह धरना प्रदर्शन करने लगे। डॉक्टर्स का लाइसेंस रद्द करने, पचास लाख तक मुआवजा भी मांगा गया। अस्पताल परिसर के बाहर धरना एवं प्रदर्शन को देखते हुए देवनगर पुलिस मौके पर पहुंची। परिजन की तरफ से पुलिस में परिवाद दिया गया है, जिस पर पुलिस ने अब जांच आरंभ की है। शव को दोपहर बाद अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया गया। अग्रिम कार्रवाई जारी है।

देवनगर थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि बनाड़ के देवलिया गांव की रहने वाली 50 साल की कंचन कंवर को सोमवार की रात को परिजन बीमारी की अवस्था में पाल रोड स्थित एक निजी अस्पताल लेकर आए थे। जहां पर कंचन कंवर का डॉक्टर ने ऑपरेशन किया था, मगर उसकी रात को ही मौत हो गई थी। प्रथम दृष्टया बताया गया कि कंचन कंवर को बच्चेदानी और हार्ट का इश्यु था। इधर परिजन ने अस्पताल के डॉक्टर्स पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए सुबह अस्पताल परिसर पर एकत्र हो गए। बाद में डॉक्टर्स के खिलाफ कार्रवाई की मांग के साथ मृतक के आश्रितों को पचास लाख मुआवजे की मांग करने लगे। थानाधिकारी सोमकरण ने बताया कि परिजन की तरफ से परिवाद दिया गया है, जिस पर जांच की जा रही है।

अजमेर : श्वानों के हमले में घायल डेढ़ माह के मासूम की अस्पताल में मौत

- घायल मासूम का जेएलएन अस्पताल में चार दिन तक वेंटिलेटर पर इलाज चला था

अजमेर, (निसं)। पीसांगन क्षेत्र के कालेसरा गांव में कुत्तों (श्वानों) के हमले में गंभीर रूप से घायल डेढ़ महीने के मासूम ने चार दिन तक जीवन के लिए संघर्ष करने के बाद मंगलवार सुबह जेएलएन अस्पताल में दम तोड़ दिया। घटना के बाद क्षेत्र में शोक का माहौल है।

जानकारी के अनुसार 24 अप्रैल की रात मासूम अपनी झोपड़ी में सो रहा था, जबकि उसकी मां बाहर खाना बना रही थी और पिता काम पर गए हुए थे। इसी दौरान आवारा कुत्तों का झुंड झोंपड़ी में घुस आया और बच्चे पर हमला कर दिया। पास ही सो रहा तीन साल का बड़ा भाई कंबल ओढ़े होने के कारण सुरक्षित बच गया। मासूम के रोने की आवाज सुनकर मां मौके पर पहुंची और हिम्मत दिखाते हुए कुत्तों से संघर्ष कर बच्चे को उनके चंगुल से छुड़ाया। इसके बाद परिजन तत्काल उसे अजमेर के जेएलएन अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उसे वेंटिलेटर पर रखा गया।

अस्पताल के चिकित्सकों के अनुसार बच्चे की हालत अत्यंत गंभीर थी। हमले के कारण उसके शरीर को गहरी क्षति पहुंची थी और कई अंग प्रभावित हो गए थे। चिकित्सकों की टीम ने ऑपरेशन कर स्थिति संभालने का प्रयास किया, लेकिन हालत में सुधार नहीं हो सका। एक बार उसकी धड़कन रुकने पर सीपीआर देकर पुनः चालू किया गया, लेकिन अंततः मंगलवार सुबह उसे बचाया नहीं जा सका। इस हृदयविदारक घटना के बाद परिवार में मातम छा गया है और गांव में शोक की लहर दौड़ गई है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों की समस्या के स्थायी समाधान की मांग की है।

बयाना में मौसमी बीमारियों का प्रकोप, उपजिला अस्पताल में बेड कम पड़े

- चिकित्सा कर्मियों को एक ही बेड पर दो-दो और तीन-तीन मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है

बयाना/भरतपुर, (निसं)। बयाना क्षेत्र में मौसम परिवर्तन के साथ ही मौसमी बीमारियों ने तेजी से पैर पसारने शुरू कर दिए हैं। अचानक बढ़ी मरीजों की संख्या ने स्थानीय स्वास्थ्य व्यवस्था की पोल खोल दी है। 100 बेड की क्षमता वाले बयाना उपजिला अस्पताल में हालात इस कदर बिगड़ गए हैं कि मरीजों के लिए बेड तक उपलब्ध नहीं हो पा रहे हैं। मजबूरी में चिकित्सा कर्मियों को एक ही बेड पर दो-दो और तीन-तीन मरीजों का इलाज करना पड़ रहा है। अस्पताल में भीड़ इतनी बढ़ गई है कि मरीजों को उचित देखभाल और समय पर उपचार मिलना मुश्किल होता जा रहा है।

कई मरीजों और उनके परिजनों ने आरोप लगाया है कि पर्याप्त संसाधनों और स्टाफ की कमी के कारण उन्हें भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, अस्पताल प्रशासन स्थिति को संभालने में जुटा हुआ है, लेकिन संसाधनों की कमी आड़े आ रही है। इधर, क्षेत्र की जनता बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं नहीं मिलने से नाराज नजर आ रही है। लोगों का कहना है कि हर साल मौसम बदलते ही ऐसी स्थिति उत्पन्न हो जाती है, लेकिन स्थायी समाधान की दिशा में कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। दूसरी ओर, सरकारी अस्पताल की इस अव्यवस्था का सीधा फायदा निजी चिकित्सालयों को मिल रहा है। निजी डॉक्टरों के यहां मरीजों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी देखी जा रही है, जिससे उनकी कमाई में भी इजाफा हो रहा है। स्थानीय लोगों ने प्रशासन से मांग की है कि अस्पताल में अतिरिक्त बेड, दवाइयों और चिकित्सा स्टाफ की व्यवस्था जल्द से जल्द की जाए, ताकि मरीजों को बेहतर उपचार मिल सके।

कार्यालय नगरपरिषद् चूरू (राजस्थान)

क्रमांक : न.प./चूरू/स्टोर शाखा/2026-27/21765035 दिनांक : 24.04.2026

ई-निविदा सूचना 07 वर्ष 2026-27

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से नगरपरिषद, चूरू द्वारा 01 कार्य की निविदा आईडी नम्बर DLB2627A0903 आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित विस्तृत विवरण वेबसाइट http://eproc.rajasthan.gov.in, www.sppp.raj.nic.in पर तथा कार्यालय समय में किसी भी कार्य दिवस को नगरपरिषद चूरू के कार्यालय में एवं सूचना बोर्ड पर देखी जा सकता है। UBN NO. DLB2627SLOB02555

राज.संवाद/सी/26/1676 आयुक्त, नगरपरिषद् चूरू

कार्यालय नगरपालिका मण्डल फुलेरा, जिला-जयपुर

क्रमांक/न.पा.फु./निर्माण शाखा/2026-27/209 दिनांक:- 23.04.2026

ई-बोली सूचना (01/2026-27)

राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से निम्न कार्य के लिए उपयुक्त श्रेणी में नगर पालिका सांभरलेक में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको एवं विभिन्न अभियान्त्रिकी विभाग के संबंधित श्रेणी "A"AA" श्रेणी में पंजीकृत संवेदको एवं स्वायत्त शासन विभाग में पंजीकृत उपयुक्त श्रेणी के संवेदको से, जो कि राजस्थान सरकार के उपयुक्त श्रेणी के संवेदको के समकक्ष हो, उनके निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया हेतु ऑन-लाईन बोली आमंत्रित की जाती है, बोली फार्म एवं ई-बोली से सम्बन्धित विवरण व शर्ते वेब साईट www.sppp.rajasthan.gov.in व www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है।

NIB Code:-DLB2627WSOB02422, DLB2627WSOB02423, DLB2627WSOB02424

राज.संवाद/सी/26/1627 अधिशाषी अधिकारी

कार्यालय नगर पालिका सूरौठ जिला करौली (राज.)

क्रमांक :- 751 दिनांक - 24.04.2026

ई-निविदा सूचना वर्ष 2026-27

नगर पालिका सूरौठ द्वारा वर्ष 2026-27 के तहत स्टोर शाखा/संस्थापन शाखा से सामाग्री आपूर्ति एवं अन्य कार्यो हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्यूरमेन्ट के माध्यम से ऑनलाईन ई-निविदाऐं आमंत्रित की जाती है। जिसनमें पंजीकृत संवेदको/एन.जी.ओ./प्लेसमेन्ट एजेन्सियों/उत्पादको/संभरण कर्ताओ एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों/केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवं दूर संचार विभाग/रेलवे इत्यादि में पंजीकृत संवेदको से ई-निविदा से सम्बन्धित समस्त विवरण बेबसाईट sppp.rajasthan.gov.in तथा eproc.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है। इच्छुक संवेदको को ई-निविदा में भाग लेने हेतु बेबसाईट eproc.rajasthan.gov.in पर रजिस्टर्ड होना अनिवार्य है।

NIB CODE : DLB2627A0923

राज.संवाद/सी/26/1623 अधिशाषी अधिकारी नगर पालिका सूरौठ

Visit us : www.mpuat.ac.in; Mail ID : zdr_arsb@yahoo.com; मोबाईल न. 8112207969, 9414389929

कृषि अनुसंधान केन्द्र

(महाराणा प्रताप कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय)

दाहोद रोड़, बोरवट फार्म, बाँसवाड़ा (राज.) 327 001

क्रमांक: एफ( )/कृअके/स्टोर/2026/22-31 दिनांक: 28/04/2026

आम फलों की नीलामी

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, कृषि अनुसंधान केन्द्र, दाहोद रोड़, बोरवट फार्म पर कलमी/देशी आम के फलित पेड़ों (दशहरी, लंगडा, राजभोग, बाम्बे ग्रीन, केसर, आम्रपाली, मल्लिका, बजरंग एवं अन्य) के फलों की खुली नीलामी दिनांक 07/05/2026 को प्रातः 11.30 बजे, कृषि अनुसंधान केन्द्र, बोरवट फार्म, बांसवाड़ा पर जहाँ है जैसे है की स्थिति में की जानी है। अतः इच्छुक क्रेता तय तिथि एवं समय पर उपस्थित होकर नीलामी में भाग ले सकते है। बोली लगाने से पूर्व धरोहर राशि रूपये 10,000/- नगद जमा करवानी अनिवार्य होगी। साथ ही बोलीदाता द्वारा कार्यालय द्वारा तय नियम एवं शर्तो की सहमति रू. 100/- के स्टाम्प पर मुद्रित एवं नोटरी करवाकर एवं आधार कार्ड की छायाप्रति तथा हस्ताक्षर सहित एक चेक (खाली चेक) धरोहर राशि के साथ जमा करावे। अन्तिम बोली जिस व्यक्ति/फर्म के नाम से होगी, उसे बोली राशि की आधी राशि (50 प्रतिशत) तुरन्त जमा करवानी होगी एवं शेष राशि 7 दिन के भीतर जमा करवानी होगी। सम्पूर्ण राशि जमा होने के पश्चात ही बोलीदाता को फल तोड़ने की अनुमति दी जाएगी। नियम एवं शर्तो की विस्तृत जानकारी एवं बगीचे के अवलोकन हेतु कार्यालय समय में सम्पर्क कर सकते है।

हस्ताक्षर/-

संभागीय निदेशक अनुसंधान

बीकानेर में मारपीट का आरोपी थाने से भागा

बीकानेर, (निसं)। कोटगेट थाने से मंगलवार सुबह करीब दस बजे मारपीट के मामले में हिरासत में लिया गया आरोपी मेडिकल के लिए ले जाते समय पुलिस को धक्का देकर भाग गया। आरोपी आजाद उर्फ कलवा को रात में पकड़ा गया था और पुलिसकर्मी उसे गाड़ी में बैठाकर हॉस्पिटल ले जा रहे थे। इसी दौरान वह गलियों के रास्ते निकल गया। घटना के बाद शहर के सभी थानों को अलर्ट कर तलाश शुरू की गई है और उसकी पहचान के साथ संपर्क नंबर भी जारी किए गए हैं।

कोटगेट थानाधिकारी धीरेंद्र सिंह शेखावत ने बताया कि बीती रात मारपीट के मामले में आजाद उर्फ कलवा को हिरासत में लिया गया था। मंगलवार सुबह उसे मेडिकल मुआयना के लिए पुलिसकर्मी थाने के बाहर खड़ी गाड़ी में बैठाकर हॉस्पिटल ले जा रहे थे। इसी दौरान उसने पुलिसकर्मियों को धक्का दिया और भाग निकला। दोनों पुलिसकर्मी कुछ समझ पाते उससे पहले ही आरोपी मौके से फरार हो गया। वह पास की गलियों के रास्ते निकल गया, जिससे पुलिस उसे तुरंत पकड़ नहीं सकी।

घटना के बाद बीकानेर के सभी पुलिस थानों को अलर्ट किया गया है। आरोपी की जगह-जगह तलाश की जा रही है। पुलिस उसकी तलाश में उसके घर भी पहुंच रही है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पहले से दर्ज मारपीट के मामले के साथ अब पुलिस हिरासत से भागने का अलग केस भी दर्ज किया जाएगा और नियमानुसार कार्रवाई होगी। पुलिस के अनुसार आरोपी आजाद उर्फ कलवा (21) पुत्र कायम सिंधी मुसलमाननिवासी चोखुटी फांटक हुसैनी मस्जिद के पीछे मेघवालों का मोहल्ला, थाना कोटगेट जिला बीकानेर का रहने वाला है। घटना के समय उसने क्रीम रंग की टी-शर्ट और ब्लैक लोवर पहन रखी थी।

हनुमानगढ़ : फर्जी आधार कार्ड मामले में तीन अन्य आरोपी भी गिरफ्तार

- फर्जी बायोमेट्रिक के जरिए आधार कार्ड बनाने के मामले में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है
- भिरानी थाना पुलिस ने मामले में डीओआईटी के प्रोग्रामर दिनेश कुमार, सहायक प्रोग्रामर रामनिवास सोनी और संविदाकर्मी रवि शीला को गिरफ्तार किया
- गत 17 अप्रैल को एटीएस जयपुर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने भादरा कस्बे में एक अवैध आधार सेंटर पर छापा मारा था

हनुमानगढ़, (निसं)। जिले के भादरा कस्बे में फर्जी बायोमेट्रिक के जरिए आधार कार्ड बनाने के मामले में सूचना एवं प्रौद्योगिकी विभाग के कर्मचारियों की मिलीभगत सामने आई है। भिरानी थाना पुलिस ने इस मामले में डीओआईटी के प्रोग्रामर दिनेश कुमार, सहायक प्रोग्रामर रामनिवास सोनी और संविदाकर्मी रवि शीला को गिरफ्तार किया है।

जानकारी के अनुसार यह मामला तब सामने आया जब 17 अप्रैल को एटीएस जयपुर और जिला पुलिस की संयुक्त टीम ने भादरा कस्बे में एक अवैध आधार सेंटर पर छापा मारा था। इस दौरान मुख्य आरोपी कुलदीप शर्मा को लैपटॉप, प्रिंटर, बायोमेट्रिक उपकरण और अन्य सामग्री के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसके खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई। जांच के दौरान खुलासा हुआ कि यह गिरोह फर्जी तरीके से आधार कार्ड बना रहा था। इन फर्जी आधार कार्डों का उपयोग फर्जी सिम कार्ड जारी करने, सायबर अपराधों और अन्य राष्ट्रविरोधी गतिविधियों में होने की आशंका है। इसी गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया था।

पुलिस ने कार्रवाई करते हुए डीओआईटी के प्रोग्रामर दिनेश कुमार निवासी नई खुंजा, हनुमानगढ़ जंक्शन, हाल किराएदार भादरा, सहायक प्रोग्रामर रामनिवास सोनी निवासी अनूपशहर, भादरा और संविदाकर्मी आर-स्वान इंजीनियर रवि शीला निवासी चनाण, भादरा को गिरफ्तार किया। तीनों को न्यायालय में पेश कर 2 मई तक पुलिस रिमांड पर लिया गया है। इस मामले में इससे पहले भी 4 अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। इन तीन नई गिरफ्तारियों के साथ, अब तक सात आरोपी पकड़े जा चुके हैं। पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि इस गिरोह ने कितने फर्जी आधार कार्ड बनाए और उनका उपयोग किन-किन आपराधिक गतिविधियों में किया गया। पुलिस का कहना है कि इस गिरोह का नेटवर्क काफी बड़ा हो सकता है और इसमें अन्य लोगों की संलिप्तता की भी जांच की जा रही है। यूआईडीएआई और संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर विस्तृत जानकारी जुटाई जा रही है।

'माँ योजना सुदृढ़ होगी, क्लेम रिजेक्शन न्यूनतम स्तर पर लाएंगे : वी. श्रीनिवास

मुख्य सचिव ने की चिकित्सा से जुड़ी योजनाओं और कार्यक्रमों की समीक्षा

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में यूनिवर्सल हैल्थ कवरेज की दिशा में मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना (माँ योजना) को और सुदृढ़ किया जाएगा। साथ, ही प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत हैल्थ इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन के माध्यम से आधारभूत ढांचे को भी और मजबूत किया जाएगा। आमजन को रोगों से बचाव के लिए व्यापक स्तर पर कदम उठाए जाएंगे। मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा के दौरान इस संबंध में निर्देश दिए।

मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास ने मंगलवार को शासन सचिवालय में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की समीक्षा की।

- वी. श्रीनिवास ने टीबी उन्मूलन एवं माँ योजना के क्रियान्वयन को सराहा

उन्होंने मुख्यमंत्री आयुष्मान आरोग्य योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि यह एक महत्वाकांक्षी एवं विजनरी योजना है, जिसके माध्यम से करीब 1.36 करोड़ परिवारों को 25 लाख रूपए तक कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। देशभर में यह अपनी तरह की अनूठी योजना है, जिसमें सामान्य रोगों से लेकर ट्रांसप्लांट तक के जटिल रोगों का नि:शुल्क उपचार उपलब्ध है। उन्होंने कहा कि इस योजना में इंश्योरेंस कम्पनियों के साथ समन्वय और बेहतर किया जाए, जिससे रोगियों को उपचार लेने में और अधिक सुगमता हो।

एनएचए की बेस्ट प्रैक्टिसेज अपनाएं

मुख्य सचिव ने कहा कि माँ योजना के तहत बड़ी संख्या में रोगी राजकीय चिकित्सा संस्थानों को प्राथमिकता दे रहे हैं, लेकिन विभिन्न कारणों से राजकीय अस्पतालों में क्लेम रिजेक्शन अधिक रहता है, इसे न्यूनतम स्तर पर लाने के प्रयास किए जाएं। बीमा कंपनियों के साथ समन्वय स्थापित कर क्लेम संबंधी समस्याओं का त्वरित निस्तारण किया जाए। इसके लिए बीमा कंपनी के प्रतिनिधियों के साथ नियमित बैठकें आयोजित की जाएं। उन्होंने योजना को और सुदृढ़ करने के लिए राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण की श्रेष्ठ कार्यप्रणालियों (बेस्ट प्रैक्टिसेज) को अपनाने के निर्देश दिए।

भवनों की गुणवत्ता की नियमित मॉनिटरिंग हो

बैठक में मुख्य सचिव ने पीएम-अभीम योजना की समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि योजना के तहत निर्माणाधीन भवनों की गुणवत्ता एवं समुचित उपयोगिता सुनिश्चित की जाए। निर्माण कार्यों के दौरान प्रभावी पर्यवेक्षण, नियमित मॉनिटरिंग एवं समयबद्ध पूर्णता पर विशेष ध्यान दिया जाए। साथ ही, जहां आवश्यक हो वहां आधारभूत संरचना के विस्तार के लिए कार्य किए जाएं तथा सभी स्वास्थ्य संस्थानों में निर्धारित मानकों के अनुसार पर्याप्त स्टाफ एवं बेड की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए, जिससे जमीनी स्तर पर बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की जा सकें।

प्रदेश में टीबी से मृत्यु दर घटाने के निर्देश

टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम की समीक्षा करते हुए मुख्य सचिव ने विभाग द्वारा किये जा रहे कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रदेश में टीबी उन्मूलन की दिशा में बेहतर कार्य हो रहा है, लेकिन हमें सतत प्रयासों से टीबी से होने वाली मृत्यु दर को 1 प्रतिशत तक लाना है। इसके लिए अर्ली डायग्नोसिस पर विशेष जोर दिया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि टीबी मुक्त राजस्थान अभियान को सफल बनाने के लिए आईईसी गतिविधियों को बढ़ाया जाए। उन्होंने अभियान के अंतर्गत वितरित किए जाने वाले पोषण किट की व्यवस्था की भी जानकारी ली।

''माँ योजना'' का लगातार दायरा बढा

प्रमुख शासन सचिव गायत्री राठौड़ ने बताया कि माँ योजना का दायरा पिछली स्वास्थ्य बीमा योजना की अपेक्षा काफी बढ़ाया गया है। इसमें अब पहले से ज्यादा पैकेज और पहले से ज्यादा अस्पतालों का नेटवर्क उपलब्ध है। साथ ही, इंटर स्टेट पोर्टेबिलिटी प्रारंभ होने से देश के 30 हजार से अधिक अस्पतालों में प्रदेश के नागरिक उपचार ले सकते हैं। योजना का राजकीय चिकित्सा संस्थानों में प्रभावी संचालन होने से आमजन निजी अस्पतालों की अपेक्षा सरकारी अस्पतालों में उपचार को प्राथमिकता दे रहे हैं।

पीएम-अभीम में 94 प्रतिशत व्यय हुआ

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के मिशन निदेशक डॉ. जोगाराम ने बताया कि पीएम-अभीम के तहत प्रदेशभर में नव स्वीकृत चिकित्सा संस्थानों का कार्य समय पर पूरा किया जा रहा है। इसके चलते योजना के तहत आवंटित राशि का अधिकतम व्यय सुनिश्चित किया गया है। वित्तीय वर्ष 2025-26 में योजना के तहत प्राप्त राशि में से रिकॉर्ड 94 प्रतिशत राशि व्यय की गई।

19.38 लाख मरीजों को कैशलेस इलाज मिला

मुख्य कार्यकारी अधिकारी, राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी, हजारी लाल अटल ने बताया कि मा योजना के तहत वित्तीय वर्ष 2025-26 में 19.38 लाख मरीजों को 3888 करोड़ रूपए का कैशलेस उपचार उपलब्ध करवाया गया। निदेशक जनस्वास्थ्य डॉ. रवि प्रकाश शर्मा ने बताया कि वर्ष 2025 में प्रदेश की 6547 ग्राम पंचायतों को टीबी मुक्त ग्राम पंचायत घोषित किया जा चुका है। इस दिशा में राज्य सरकार द्वारा किए गए उत्कृष्ट कार्यों के लिए प्रदेश को केंद्रीय स्तर पर सम्मानित भी किया गया है। बैठक में राजस्थान स्टेट हेल्थ एश्योरेंस एजेंसी की अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. निधि पटेल, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की अतिरिक्त मिशन निदेशक डॉ. टी. शुभमंगला सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

किन्नर अखाड़े से जुड़े बाउंसरों ने एडवोकेट से मारपीट-लूटपाट की

- चिंकारा कैंटीन के पास मामूली विवाद के बाद हुए इस हमले में एडवोकेट का सिर फूटा
- बाउंसरों ने मौके पर मौजूद एक होमगार्ड जवान को भी धमकाकर वीडियो डिलीट कराया
- वकील की सूचना पर हरमाड़ा थाना पुलिस ने एक गाड़ी को जब्त कर चार लोगों को राउंडअप किया

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। राजधानी के बनीपार्क इलाके में मंगलवार सुबह किन्नर अखाडा से जुड़े काफिले के बाउंसरों द्वारा एक एडवोकेट के साथ मारपीट और लूटपाट का मामला सामने आया है। चिंकारा कैंटीन के पास मामूली विवाद के बाद हुए इस हमले में एडवोकेट का सिर फूट गया, वहीं मौके पर मौजूद एक होमगार्ड जवान को भी धमकाकर वीडियो डिलीट कराया गया।

पुलिस के अनुसार मानसरोवर के मांग्यावास निवासी एडवोकेट कुणाल शर्मा सुबह करीब 10 बजे सेशन कोर्ट जा रहे थे। चिंकारा कैंटीन की ट्रैफिक लाइट के पास वे अपनी कार पार्क कर रहे थे, तभी मध्यप्रदेश नंबर की छह लग्जरी गाडियां तेज रफ्तार से सीकर रोड की ओर जा रही थीं। इसी दौरान एक गाडी ने उनकी कार को टक्कर मार दी।

एसीपी (सदर) धर्मवीर सिंह ने बताया कि टक्कर के बाद काफिले की सभी गाडियां रुक गईं। बातचीत के लिए नीचे उतरे एडवोकेट पर गाडियों से उतरे 5-6 बाउंसरों ने हमला कर दिया। आरोप है कि बाउंसरों ने नुकीली वस्तु से सिर पर वार कर उन्हें लहूलुहान कर दिया और मोबाइल, नकदी व सोने की चेन छीन ली। बीच-बचाव करने आए लोगों और पुलिसकर्मियों के साथ भी धक्का-मुक्की की गई।

घटना के दौरान अग्निशमन कार्यालय में तैनात होमगार्ड जवान भूपेंद्र सिंह वीडियो बना रहे थे। बाउंसरों ने उन्हें पकड़कर धमकाया, जबरन गाड़ी में बैठाया और वीडियो डिलीट करवा कर मोबाइल लौटाया।

पीड़ित के अनुसार काफिला किन्नर अखडा उज्जैन के महामंडलेश्वर काली नंद गिरी से जुड़ा था। काफिले में दो डिफेंडर, दो फॉर्च्यूनर, एक स्कॉर्पियो और एक अन्य कार शामिल थी, जिन पर हूटर लगे हुए थे।

घटना की सूचना पर पुलिस कंट्रोल रूम से नाकाबंदी करवाई गई। हरमाड़ा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए काफिले में शामिल एक गाड़ी को जब्त कर उसमें सवार चार लोगों को राउंडअप किया है।

पुलिस में एडवोकेट कुणाल शर्मा सहित अन्य वकीलों की ओर से शिकायत दी गई है, जिस पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस पूरे प्रकरण की जांच कर आरोपियों की भूमिका की पडताल कर रही है।

मालवीय नगर के डी-ब्लॉक में प्याऊ का शुभारंभ

जयपुर। भीषण गर्मी से राहगीरों को पानी पिलाकर राहत प्रदान करने के लिए मालवीय नगर के डी ब्लॉक में मुख्य सड़क पर ठंडी प्याऊ का शुभारंभ हुआ। जेल उपमहानिरीक्षक सुमन मालीवाल ने फीता काटकर कर इसका उद्घाटन किया। समाजसेवी गंगा सहाय प्रजापत ने बताया कि पिछले 17 वर्षों से लगातार प्रतिवर्ष प्याऊ लगाने का कार्य किया जा रहा है। इस अवसर पर निवर्तमान पार्षद गोविन्द छीपा, ओम स्वामी, शैलेष शाह, घीया देवी, कमलेश, विष्णु, रामपाल जैन सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं आमजन उपस्थित रहे।

सार-समाचार

एन.के.शर्मा की पुस्तक का विमोचन

जयपुर। युवा लेखक एवं विचारक एन. के. शर्मा द्वारा लिखित पुस्तक ''प्रेरणा से परिवर्तन की ओर'' का विमोचन राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने किया। लेखक एन. के. शर्मा ने पुस्तक की प्रति राज्यपाल को भेंट की। राज्यपाल बागडे ने एन. के. शर्मा को पुस्तक लेखन की बधाई दी और कहा कि युवाओं को राष्ट्र निर्माण में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करनी चाहिए। पुस्तक की प्रशंसा करते हुए राज्यपाल ने कहा कि यह पुस्तक निश्चित रूप से युवाओं को उनके जीवन के हर क्षेत्र में आगे बढाने का कार्य करेगी। कार्यक्रम के दौरान लेखक की पत्नी माधुरी शर्मा, युविका शर्मा एवं अविका शर्मा भी उपस्थित रहीं।

मोबिक्विक का एनबीएफसी लाइसेंस मंजूर

जयपुर। वन मोबिक्विक सिस्टम्स लिमिटेड (मोबिक्विक) ग्रुप को नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनी (एनबीएफसी) लाइसेंस के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) से मंजूरी मिल गई है। इस लाइसेंस के साथ अब एक नया लैंडिंग डिवीजन शुरू किया जाएगा, जिससे रेगुलेटेड लेंडिंग क्षमता बढ़ेगी, नए और इनोवेटिव क्रेडिट प्रोडक्ट्स निर्मित किए जा सकेंगे और ज्यादा ग्राहकों व मर्चेंट्स तक बेहतर तरीके से सर्विसेस पहुँचाई जा सकेंगी। एनबीएफसी, ग्रुप की अंतर्निहित शक्तियों पर आगे बढ़ेगा, जिसमें 18.6 करोड़ से ज्यादा यूजर बेस, भरोसेमंद ब्रांड के साथ मजबूत टेक इंफ्रास्ट्रक्चर, रिस्क अंडरराइटिंग और कलेक्शन क्षमता भी शामिल है। एमएफएसपीएल के जरिए नए क्रेडिट प्रोडक्ट्स तेजी से लॉन्च किए जा सकेंगे, जो कंज्यूमर्स और एमएसएमई को सिक्योर्ड और अनसिक्योर्ड क्रेडिट दोनों प्रदान करेंगे, खासकर उन क्षेत्रों में, जहाँ वर्तमान समय में सर्विस की पहुँच सीमित है। यह जानकारी मोबिक्विक की एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर, को-फाउंडर और सीएफओ उपासना टाकू ने दी है।

राज्यपाल और डॉ. मांडविया की भेंट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की मंगलवार को नई दिल्ली में केंद्रीय श्रम एवं रोजगार और युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया से मुलाकात हुई। इस दौरान दोनों ने विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

होटल मैरियट व रमाडा सील करने पर निगम आयुक्त और डीसी को अवमानना नोटिस

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने यूडी टैक्स वसूली को लेकर शहर की मैरियट व रमाडा होटल को सील करने के मामले में जयपुर नगर निगम के तत्कालीन कमिश्नर गौरव सैनी, जोन उपायुक्त मुकुट सिंह, रेवेन्यू अधिकारी पवन मीणा व रिकवरी रेवेन्यू इंस्पेक्टर राजेन्द्र शर्मा को अवमानना नोटिस जारी कर दो सप्ताह में जवाब मांगा है। जस्टिस इन्द्रजीत सिंह व जस्टिस अशोक कुमार जैन की खंडपीठ ने यह होटल मालिकों की अवमानना याचिका पर दिए।

याचिका में अधिवक्ता मोहित खंडेलवाल ने बताया कि नगर निगम के मालवीय नगर जोन के उपायुक्त ने गत 30 मार्च को सुबह 7 बजे से 9 बजे के बीच जयपुर मैरियट व रमाडा होटल को यूडी टैक्स बकाया बताते हुए सील कर दिया। इस दौरान होटल प्रबंधन ने तत्काल नगर निगम को डिमांड राशि देकर सील खुलवाई। याचिका में कहा गया कि इस मामले में नगर निगम के डिमांड लेटर को होटल मालिकों ने पहले ही हाईकोर्ट में चुनौती दे रखी थी।

जिसमें कहा था कि वे नियमित यूडी टैक्स जमा करा रहे हैं, लेकिन नगर निगम ने बिना कोई आदेश दिए अतिरिक्त डिमांड लेटर जारी कर दिया। तब हाईकोर्ट ने नगर निगम को निर्देश दिया कि वह कंपनी का प्रतिवेदन सुनकर व दस्तावेजों को देखकर नया आदेश जारी करे। इसके साथ ही हाईकोर्ट ने रमाडा होटल का मामला 27 व जयपुर मैरियट का मामला 30 मार्च को निगम में सुनवाई के लिए रखा। अदालती आदेश पर रमाडा होटल के प्रतिनिधियों ने 27 मार्च को उपायुक्त के यहां अपना पक्ष रखा, लेकिन नगर निगम ने बिना कोई आदेश दिए 30 मार्च सुबह 7 बजे रमाडा होटल को सील करना शुरू कर दिया। जयपुर मैरियट के मामले में भी सुनवाई की तारीख 30 मार्च थी, तब भी उपायुक्त ने उसी दिन सुबह 9 बजे होटल सील करना शुरू कर दिया। इसे अवमानना याचिका के जरिए खंडपीठ में चुनौती देते हुए कहा कि तत्कालीन नगर निगम कमिश्नर व उपायुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने जानबूझकर हाईकोर्ट के आदेश की अवमानना की है। ऐसे में उन्हें दंडित किया जाए। जिस पर सुनवाई करते हुए खंडपीठ ने संबंधित अधिकारियों को अवमानना नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है।

बाल विवाह रोकथाम के लिए कार्यशाला

जयपुर। बाल अधिकारिता विभाग द्वारा बाल विवाह मुक्त राजस्थान अभियान के तहत् बाल विवाह रोकथाम हेतु राज्य रणनीति एवं कार्ययोजना-2026 विकसित की गयी है। जिसके तहत कालीबाई भील महिला एवं बाल विकास शोध संस्थान के माध्यम से क्षेत्रीय प्रशिक्षण केन्द्रों में चरणबद्ध रूप से महिला एवं बाल विकास विभाग में नामांकित बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों का आमुखीकरण प्रशिक्षण करवाया गया। प्रशिक्षणों के पंचम चरण का आयोजन 28 अप्रैल को एचसीएम रीपा जयपुर में हुआ। बाल अधिकारिता विभाग की तकनीकी सहयोग इकाई के तकनीकी सहयोग से आयोजित इस प्रशिक्षण में जयपुर संभाग के जयपुर, सीकर, दौसा, झुंझुनूं एवं भरतपुर संभाग के भरतपुर जिलों के महिला बाल विकास विभाग के नामांकित बाल विवाह प्रतिषेध अधिकारियों ने भाग लिया।

सफाई कर्मचारी पद पर नियुक्ति नहीं देने पर कोर्ट ने जवाब मांगा

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने सफाई कर्मचारी भर्ती- 2012 व 2018 में कुछ निकायों को छोडकर अन्य जगहों पर नियुक्ति नहीं देने से जुडे मामले में राज्य सरकार व अन्य से तीन सप्ताह में जवाब तलब किया है। जस्टिस रवि चिरानिया की एकलपीठ ने यह आदेश इंदरराज निदानिया व अन्य की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए।

याचिका में अधिवक्ता अभिनव शर्मा ने अदालत को बताया कि राज्य सरकार ने साल 2012 की भर्ती रद्द करने का आदेश 11 अगस्त, 2014 को वापस लेते हुए राजाखेडा, धौलपुर, कोटा, राजसमंद, टोंक व चूरू में नियुक्ति दे दी और अलवर में भी नियुक्ति प्रक्रिया जारी है। ऐसे में जयपुर नगर निगम सहित अन्य निकायों में नियुक्ति क्यों नहीं दी जा रही है। याचिका में बताया गया कि प्रदेश में करीब 23,820 सफाई कर्मचारियों के पद रिक्त है। इसमें राजधानी जयपुर में चार हजार से अधिक पद खाली चल रहे हैं। जिसके चलते सफाई व्यवस्था चरमरा गई है। गत करीब चौदह साल से वाल्मीकि समाज के आवेदकों को विभिन्न कमेटियों के निर्णयों का हवाला देकर उलझा रखा है। याचिका में कहा गया कि वाल्मीकि समाज की ओर से हडताल किए जाने पर साल 2024 में इन्हें जल्दी नियुक्ति देने का समझौता हुआ था, लेकिन बाद में मनमाने ढंग से भर्ती प्रक्रिया अपनाई गई और अंतत: उसे वापस ले लिया गया। याचिका में गुहार की गई है कि खाली चल रहे पदों पर वाल्मीकि समाज के अभ्यर्थियों को नियुक्त किया जाए।

कुंडा की ढाणी में सबसे बड़ा कुसुम सौर ऊर्जा संयंत्र

जयपुर। प्रधानमंत्री कुसुम योजना के अन्तर्गत प्रदेश का सबसे बड़ा सौर ऊर्जा संयंत्र मंगलवार को जयपुर जिला विद्युत सर्किल उत्तर के कुंडा की ढाणी में स्थापित हुआ। करीब 4.9 मेगावाट क्षमता का यह सौर ऊर्जा संयंत्र कुंडा की ढाणी विद्युत सब डिविजन के ताला स्थित 33 केवी सब स्टेशन से जुडे गांव डेकला में स्थापित हुआ है। लगभग 24 बीघा भूमि पर फैले इस संयंत्र से 437 कृषि उपभोक्ताओं को कृषि कार्य के लिए दिन में बिजली सुलभ हो सकेगी। उल्लेखनीय है कि कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत अधिकतम 5 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र लगाने का प्रावधान है। राज्य में अब तक पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-ए एवं कंपोनेंट-सी के अन्तर्गत 4027 मेगावाट क्षमता के कुल 1819 संयंत्र स्थापित हो चुके हैं। इन सभी में यह सर्वाधिक क्षमता का संयंत्र है। इससे प्रतिदिन औसतन 25 हजार यूनिट बिजली उत्पन्न होने का अनुमान है। इससे पहले अजमेर डिस्कॉम में 4.84 मेगावाट क्षमता का सर्वाधिक बड़ा प्लांट था।

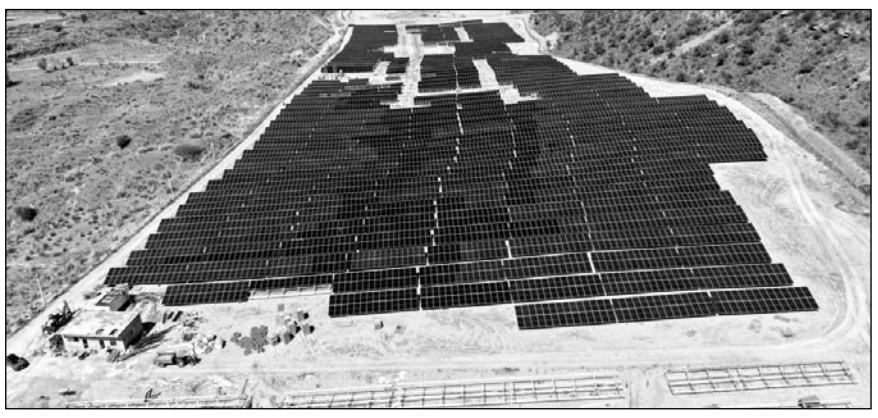

डिस्कॉम्स विकसित करेंगे विकेन्द्रित बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली : नागर

जयपुर (कासं)। प्रदेश में डिस्कॉम्स बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विकसित करने की दिशा में काम कर रहे हैं। इसके अन्तर्गत उन क्षेत्रों में बैटरी ऊर्जा भंडार प्रणाली विकसित किए जाने की योजना है, जहां पीएम कुसुम योजना के अन्तर्गत स्थापित सौर ऊर्जा संयंत्रों अथवा रूफ टॉप सौर ऊर्जा संयंत्रों से प्रचुर मात्रा में सरप्लस विकेन्द्रित सौर ऊर्जा उत्पन्न हो रही है। इससे सुबह और शाम के पीक ऑवर्स की विद्युत सप्लाई को मेंटेन करने में मदद मिलेगी।

ऊर्जा मंत्री श्री हीरालाल नागर ने मंगलवार को विद्युत भवन में बिजली वितरण निगमों कंपनियों की समीक्षा के दौरान इस योजना को पायलट प्रोजेक्ट के रूप में गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि इससे विद्युत आपूर्ति को बेहतर किया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान को ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के लिए स्टोरेज क्षमता का विस्तार आवश्यक है। शासन सचिव ऊर्जा एवं चेयरमैन डिस्कॉम्स आरती डोगरा ने बैठक में बताया कि जयपुर, जोधपुर एवं अजमेर विद्युत वितरण निगम द्वारा उत्पादित विकेन्द्रित सौर ऊर्जा का भरपूर उपयोग सुनिश्चित करने के लिए स्टैंडअलोन डिसेन्ट्रलाइज बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम विकसित किए जाएंगे।

बैठक में ऊर्जा मंत्री ने स्मार्ट मीटरिंग, बिजली छीजत में कमी और गर्मी के दौरान विद्युत आपूर्ति की समीक्षा की। नागर ने स्मार्ट मीटर प्रोजेक्ट की प्रगति पर चर्चा करते हुए कहा कि भारत सरकार की आरडीएसएस योजना के अन्तर्गत स्मार्ट मीटरिंग से उपभोक्ताओं को सटीक बिलिंग मिल रही है। उन्होंने आरडीएसएस योजना में बिजली छीजत कम करने के लिए और प्रभावी कदम उठाने पर बल दिया।

'सनातन मूल्यों और सामाजिक समरसता पर चर्चा की जरूरत'

''सनातन संवाद'' में मंदिर प्रबंधन, सामाजिक व्यवस्था एवं जनजागरण पर मंथन हुआ

संस्कृति युवा संस्था की ओर से मंगलवार को जयपुर में सनातन संवाद प्रथम कड़ी का आयोजन हुआ।

जयपुर। संस्कृति युवा संस्था की ओर से मंगलवार को ''सनातन संवाद-प्रथम कड़ी'' का आयोजन जयपुर में हुआ। इस अवसर पर धर्म, संस्कृति एवं सामाजिक व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। संवाद के दौरान केवल मंदिर प्रबंधन और समाज-परिवार व्यवस्था ही नहीं, बल्कि वर्तमान समय में सनातन मूल्यों की प्रासंगिकता, सामाजिक समरसता, सांस्कृतिक संरक्षण एवं जनजागरण जैसे मुद्दों पर भी गहन मंथन हुआ।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी रहे। उन्होंने कहा कि ''सनातन संस्कृति हमारी पहचान और समाज की आधारशिला है। इसे सशक्त बनाए रखने के लिए संवाद, जागरूकता और समाज की सक्रिय भागीदारी अत्यंत आवश्यक है। ऐसे संवाद समाज को सही दिशा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।''

राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष एवं भाजपा के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष डॉ. अरूण चतुर्वेदी ने अपने कहा कि गृहस्थ परंपरा से संचालित मंदिर आज भी समाज में एक सशक्त, जीवंत और अनुकरणीय व्यवस्था के रूप में कार्य कर रहे हैं। चर्चा में यह बात प्रमुख रूप से सामने आई कि परिवार आधारित सेवा परंपरा में श्रद्धा, उत्तरदायित्व, निरंतरता और पारदर्शिता का संतुलित समन्वय देखने को मिलता है, जो मंदिरों को समाज से सीधे जोड़ता है। इसके साथ ही यह भी कहा गया कि मंदिर केवल पूजा का स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक मार्गदर्शन, संस्कार निर्माण और सेवा कार्यों के केंद्र भी हैं। संवाद के दौरान मंदिर माफ़ी की ज़मीनों को मुक्त करवाने, वर्तमान समय में सनातन मूल्यों की प्रासंगिकता, परिवार व्यवस्था में आ रहे बदलाव और उनके समाधान, समाज में नैतिकता और संस्कारों को सुदृढ़ करने की आवश्यकता तथा युवा पीढ़ी को संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने के प्रयास पर चर्चा हुई।

आयोजक और संस्कृति युवा संस्था के अध्यक्ष पंडित सुरेश मिश्रा ने कहा कि समाज में संवाद और समन्वय की आवश्यकता है कि राज्य में आज अनेक स्थानों पर गृहस्थ/परिवार आधारित सेवा परंपरा सफलतापूर्वक संचालित हो रही है।

ट्रैवल ट्रेड के बीच द ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार संपन्न

जयपुर। ग्रेट इंडियन ट्रैवल बाजार 2026 का 15वां संस्करण मंगलवार को सीतापुरा स्थित जयपुर एग्जीबिशन एंड कन्वेंशन सेंटर में ट्रैवल ट्रेड के उत्साहपूर्ण माहौल में संपन्न हुआ। यह संस्करण इनबाउंड टूरिज़्म को बढ़ावा देने पर केंद्रित रहा। आयोजन के दौरान 'बायर्स' और 'सैलर्स' ने व्यापक नेटवर्किंग अवसरों व व्यावसायिक संवाद को लेकर संतोष व्यक्त किया।

इस आयोजन में लगभग 50 देशों से 195 से अधिक प्रमुख इनबाउंड फॉरेन टूर ऑपरेटर्स (एफटीओ) ने विदेशी खरीदारों के रूप में भाग लिया। एग्जीबिशन में हेरिटेज, वेलनेस, स्पिरिचुअल, वाइल्डलाइफ और एक्सपीरियंस-आधारित टूरिज़्म से जुड़े विविध उत्पादों और सेवाओं को प्रभावी ढंग से प्रस्तुत किया गया, जिसने विदेशी खरीदारों की विशेष रुचि आकर्षित की।

प्रतिभागियों ने प्रदर्शित गंतव्यों और उत्पादों को अपने-अपने बाजारों में प्रमोट करने की सकारात्मक प्रतिबद्धता भी जताई। एग्जीबिशन के दो दिनों के दौरान मेजबान राज्य राजस्थान सहित ओडिशा, मध्य प्रदेश, तमिलनाडु, गोवा, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़ और पंजाब के राज्य पर्यटन बोर्ड्स के पवेलियंस ने बायर्स का विशेष ध्यान आकर्षित किया। जहां राज्यों ने अपनी विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान और अनुभव-आधारित पर्यटन ऑफरिंग्स को प्रभावशाली रूप से प्रदर्शित किया। इसके साथ ही लग्ज़री एवं हेरिटेज होटल चेन, रिसॉर्ट्स, एडवेंचर और वाइल्डलाइफ ऑपरेटर्स, वेलनेस सेंटर्स तथा ट्रैवल टेक्नोलॉजी कंपनियों की सक्रिय भागीदारी ने इस मंच को नए व्यावसायिक अवसरों, निवेश संभावनाओं व दीर्घकालिक साझेदारियों को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाला साबित किया। जीआईटीबी के अंतिम दिन जयपुर के खातीपुरा रेलवे स्टेशन पर विदेशी टूर ऑपरेटर्स के लिए प्रदर्शित विश्व की प्रतिष्ठित लग्ज़री ट्रेनों में शुमार 'द पैलेस ऑन व्हील्स' प्रमुख आकर्षण का केंद्र रही। इस अवसर पर बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय टूर ऑपरेटर्स ने ट्रेन का विस्तृत अवलोकन किया और इसकी भव्यता, शाही सजावट और विश्वस्तरीय सुविधाओं की सराहना की। ट्रेन के अंदर उपलब्ध राजस्थानी विरासत से प्रेरित इंटीरियर्स, लग्ज़री केबिन, डाइनिंग सुविधाएं और ऑनबोर्ड सेवाओं ने विशेष रूप से प्रभावित किया।

ARBiT
it happens here...

International Dance Day: Celebrating Movement and Expression

Observed on April 29 each year, International Dance Day honours the universal language of movement that connects cultures across the world. Established by the International Theatre Institute, the day celebrates dance as an art form, a form of storytelling and a powerful way to promote health and creativity. From classical traditions to contemporary styles, dance reflects heritage, emotion and community. It also highlights the physical and mental benefits of staying active through movement. International Dance Day encourages people of all ages to embrace dance, celebrate cultural diversity and recognise the role of performing arts in enriching everyday life.

राष्ट्रदूत
WEDNESDAY
29 April 2026
A-B

"Pagol Mohila" "Authoritarian" "Slumbitch Millionaire" "Mumtaz" Didi She's Been There… Done It All….

"For all its evils, the Left was not as corrupt as Mamata's people," a business magnate said on oath of secrecy, wistfully. Dressed in spotless white dhoti-kurta, incredibly rich and refined, a self-confessed child of Macaulay, a globe-trotter and lover of good wine, he is the paragon of the *Bengali bhadralok*. He is also the antithesis of Banerjee, the coarse leader of Bengal's hooch-drinking underclass.

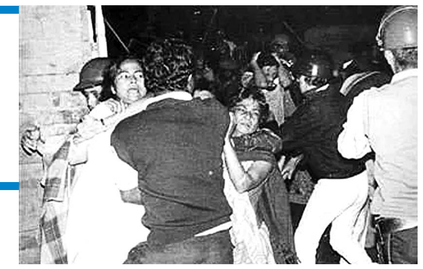

In 1993, Banerjee was physically hackled and thrown out of state secretariat Writers' Buildings by the police for protesting in front of the then chief minister Jyoti Basu's office.

In 1991, Banerjee fractured her head in an attack by a CPI-M Goon Lalu Alam. The incident took place at Hazra crossing in southern part of Kolkata when Banerjee was leading a Congress rally.

Anjali Sharma
Senior Journalist & Wildlife Enthusiast

#PERSONALITY

Mamta Banerjee began her political career in the Congress (I) party as a young woman in the 1970s. In 1975, she gained attention in the press media when she danced on the car of socialist activist and politician Jayaprakash Narayan as a protest against him, during the Emergency. She quickly rose in the ranks of the local Congress group and remained the general secretary of Mahila Congress (Indira), West Bengal, from 1976 to 1980. In the 1984 general election, Banerjee became one of India's youngest parliamentarians ever, defeating veteran Communist politician Somnath Chatterjee, to win the Jadavpur parliamentary Constituency in West Bengal.

Over all this, Banerjee's personal history looms large. In the years of her ascendancy, bloodshed on the streets was the norm, and Banerjee herself was frequently beaten and physically humiliated by her communist rivals. Her victimhood became the foundation of her role as leader of the opposition.

On 16 August 1990, Kolkata was tense in the aftermath of a police shooting that had killed three people. A bandh was called, and was observed citywide as an unofficial public holiday. Banerjee was leading a Congress party march in south Kolkata's Hazra neighbourhood when supporters of the ruling communists met the group head-on, and attacked it with sticks, iron rods and chains.

"I was prepared for it, so when they came for me, I wasn't nervous," Banerjee wrote in her memoir *Paribartan* (Change), published in 2012. "I just stared back at them." Banerjee was hit on the head with an iron rod by a communist party worker, Lalu Alam. Then, she was struck on the head again, and again on her elbow. "My head was bleeding profusely, my saree had turned red, but somehow, I did not feel any pain right then," she wrote.

Under Jyoti Basu, canny chief minister, the left had systematically undermined the state's Congress-led opposition with a mix of inducements, blackmail and threats of violence, and consolidated its power in the assembly and on the street. Basu, however, seems to have been unwilling or unable to buy out Banerjee.

Sultan Ahmed, now a Trinamool Congress MP, has known Banerjee since the early 1980s, when they were both Youth Congress workers. He was with her on that day at Hazra, and among those who rushed Banerjee to the Woodlands Nursing Home after the attack, where a scan revealed a potentially fatal injury to her skull. As the hours passed, news of the assault spread, and large crowds gathered outside the nursing home. Banerjee had lost the 1989 general election from Kolkata South, but she was a popular leader and local celebrity; there was a very real possibility that a retaliatory riot would break out.

"We thought she would not survive that night," Ahmed remembered.

On that day, Banerjee emerged as the greatest political challenge to the juggernaut of the Bengal Left. A photograph of her lying on a stretcher in an ambulance, head and right arm heavily bandaged, became an emblem of the communist government's methods of intimidation.

This was neither the first nor the last time Banerjee would come to physical harm at the hands of her opponents. In December 1992, two years after her near-fatal encounter in Hazra, news broke of the alleged rape of a hearing- and speech-impaired woman barely out of her teens by a communist party worker in the eastern district of Nadia. She led a sit-in protest, alongside the victim and her mother, which blocked the chief minister's chamber inside Writers' Building, the seat of the West Bengal government. The police moved in on Banerjee and her colleagues at around 4 pm, just before Jyoti Basu was to enter his office. As she was being forcibly removed, pulled by the hair, with blows raining down on her, she yelled for her assistant to look out for her. Banerjee's fear of being sexually assaulted by the police was not exaggerated. In Bengal, rape had long been used against women as a political weapon, and the communists had developed a particularly brutal reputation in this respect.

Mamta swept polls, and the now rudderless and out of job left cadre, who were the mainstay of politics in Bengal, ensuring violence, 'persuation,' or punishment, as per need, quickly transferred their allegiance to Mamta. She inherited them. Then, in early 2012, mere months into Banerjee's reign as chief minister of West Bengal, another case of sexual violence indicated that the acquisition of power had changed her attitude. On 6 February, Suzette Jordan, a thirty-seven-year-old woman, was on her way home after an evening out on Kolkata's Park Street, the bright thoroughfare of shops and restaurants that has long held pride of place in the city's cultural life. She accepted the offer of a lift home from a man she had befriended at a bar that night. He, along with three other men, allegedly held her down and raped her inside the car.

When news of the Park Street rape broke, public anger spread quickly. But Banerjee's response took many by surprise. "It's a cooked-up story," said Banerjee. The Trinamool government's reputation on women's security took a beating in the media, and never recovered.

When a former media advisor to Banerjee was asked informally, why the chief minister had responded as she did to the Park Street case. "She had been told that a CPI(M) leader's son was helping the victim," he said, unconvincingly. Was all this not very similar to what the communists did when they were in power? "Please don't ask me any further questions on this," he said, clearly discomfited. "I can get into trouble."

She announced her arrival on the big stage in the 1984 parliamentary elections, held in the aftermath of Indira Gandhi's assassination. The polls returned the Congress to power with a massive mandate through most of India. In West Bengal, the party swiped sixteen seats out from under the otherwise unassailable Left. (Incidentally, Banerjee was accompanying the entourage of the future prime minister Rajiv Gandhi at a political meeting in West Midnapore district on 31 October 1984, when news arrived of his mother's death.)

Only twenty-nine years old, Banerjee was so little known before the polls that the nomination papers filed by the Congress only listed her first name. But she defeated Somnath Chatterjee in Jadavpur by nearly twenty thousand votes, then promptly touched his feet in respect when they met. Chatterjee was so crushed after the defeat, that for many years, he refused to mention Banerjee by name.

Banerjee's incredible victory did not help her popularity with the Left. Soon after the election, an unseemly controversy emerged: in her nomination papers, Banerjee had claimed to have a PhD from a non-existent "East Georgia University." Rajiv Gandhi, with whom Banerjee had quickly developed an excellent rapport, brushed the matter aside. But Left leaders such as Jyoti Basu tore into her, once the falsehood came to light. Basu repeatedly called her a liar at public meetings, and the issue struck a chord with the public, particularly those sections of Bengali society that have traditionally placed a high value on educational accomplishment. In his speeches, Basu derided Banerjee as a "pagol mohila" (mad woman) for the drama with which she conducted herself in public.

But her support from the Congress in Delhi came to a sudden end with Rajiv's assassination in May 1991. "For the second time, since my father's death, I felt orphaned," she wrote. "For seven days, I could not speak to anyone, could not eat. I shut myself up in a room and cried." She would never again have such a cordial relationship with a national leader.

Banerjee's survival in Bengal became increasingly incompatible with the party's national agenda after Rajiv's death.

(She nicknamed the moderates 'watermelons,' Congress green outside, communist red inside.) In November 1992, Banerjee surprised the prime minister, PV Narasimha Rao, by announcing her resignation from his government, in his presence at a rally in Kolkata's Brigade Parade Ground. After the 1996 Lok Sabha election, the Congress and the Left ended up on the same side once again at the centre.

In her memoir, Banerjee writes about a meeting at this time with the "Queen Mother," as she called Sonia Gandhi, who was then beginning to make her first, tentative moves in national politics. Sonia, Banerjee claimed, sympathised with her predicament, but urged her to stay on in the party. Banerjee asked Sonia to take over the Congress's central leadership from Sitaram Kesri, who was then the party president.

Between March 2001 and August 2002, Banerjee resigned from the BJP-led government three times, first to protest a petroleum price hike, then over a defence ministry corruption scandal that implicated then defence minister George Fernandes, and finally to protest the bifurcation of the Eastern Railways under railway minister Nitish Kumar, whom she accused of taking jobs away from Bengal to benefit his native Bihar.

The next few years began a steep decline in the party's electoral success. In 2001, during one of its off periods with the BJP, the Trinamool fought the state legislative elections alongside the Congress, and won a mere eighty-six seats in West Bengal's 294-member assembly. In 2004, Banerjee allied with the BJP for Lok Sabha elections, but this also turned out to be disastrous, only Banerjee kept her constituency in south Kolkata. The party's parliamentary unpopularity was reinforced in the 2006 state elections, which it fought without allies.

Between 1998 and 2006, Banerjee's party had gone from an impressive debut showing to being a non-entity in Delhi, where it had only a single MP. In Kolkata, Banerjee's penchant for vacillation only underscored her failures. A former Trinamool MLA, Dipak Ghosh, said that he had tried to counsel Banerjee to be more strategic at the time, but was given the cold shoulder. "Why do you talk so much?" Banerjee asked Ghosh after he had spoken in favour of the Trinamool's remaining in the NDA in 2001. Ghosh piped down and started writing letters to her. Banerjee asked him: "Why do you write so much?"

However, the Left made its biggest mistake. In 2006, it ignored a group of farmers who began protesting against a plan to set up a car factory about forty kilometers north-west of Kolkata, in the town of Singur. Tata had been offered other locations for its plant, but made the fundamental mistake of choosing a district which contains some of Bengal's most fertile farmland. While the company had, in the past, used its own officials to persuade local communities to give up land for its projects, in Singur they left the entire acquisition process in the hands of a highly politicised and allegedly corrupt state administration.

Late in the evening on 25 September 2006, Banerjee arrived in Singur from Kolkata. Earlier in the day, the district administration had started to distribute cheques to those locals who had sold their land to Tata, and hundreds of people who were against the project gathered to protest. Once again, Banerjee's presence courted danger. At around 1 am, with many protestors asleep where they were camping, without any prior warning, the police turned out the lights and attacked the gathering. Banerjee was injured, her sari torn, and she was whisked back to Kolkata by her supporters.

> In 2012, Dipak Ghosh, the former Trinamool Congress MLA who fell out with the party, published a book, *Mamta- As I Have Known Her*, which contained a number of allegations about how the Banerjee family came by its newfound wealth.

> When I learnt that the buddhijibis of Kolkata had deserted the Left," the sociologist Dipankar Gupta said famously, "I knew it was curtains for them."

The success of Singur and Nandigram would have a major impact on Banerjee's policy thinking as chief minister. When the Trinamool Congress came to power in 2011, it completely avoided land acquisition for industry, a move that warded off investment, and created hurdles for businesses. In Kolkata, it was easy to find businessmen to criticise Banerjee's government, although none would do so on the record.

Coming in quick succession, Singur and Nandigram firmly established Banerjee's popularity in rural Bengal. For the first time in her career, she was making inroads into voter bases that had supported the communists for decades: peasants; and urban, left-leaning intellectuals who helped shape opinions in the media. She had transformed from city scrapper to radical agitator, and nowhere did her pro-poor, pro-people rhetoric seem to embarrass the Left more than in the Trinamool Congress's support of the Lalgarh agitation in 2009.

The Trinamool Congress rallied behind the political organiser Chhatradhar Mahato, a leader with considerable popular support among the Naxalbari Jangalmahal's adivasis, who was leading the protests. Banerjee's public support of Mahato did not last when she came to power. Mahato's supporters now accuse Banerjee of having hijacked the Lalgarh movement for political gain. "When she needed him to win elections, she called him 'brother,' but after coming to power, she said she doesn't even know him," Mahato's mother, Bedona, told me in Lalgarh. "Power makes people forget everything else."

By now, the Left's raison d'être had been well and truly hijacked. In the most decisive evidence of Banerjee's psychological victory over her rivals, she finally began to find support from Bengal's influential 'buddhijibis' (literally, those who live off their intellect). "When I learnt that the buddhijibis of Kolkata had deserted the Left," the sociologist Dipankar Gupta said famously, "I knew it was curtains for them."

Much as the Left had done, the Trinamool Congress reciprocated the support of Bengal's intellectuals with power and favours. The theatre director Bratya Basu, who had staged an anti-communist play based on George Orwell's *Animal Farm* in 2009, became education minister. The popular singer Kabir Suman, who styles himself as Bengal's Bob Dylan, won a Trinamool Lok Sabha ticket and became an MP in 2009. He had accompanied Banerjee in Singur and Nandigram, and wrote a book about the experience. Banerjee and her associates may not have foreseen that this newly accumulated social capital would begin to evaporate almost immediately after the Trinamool Congress came to power in Bengal. Suman would soon turn rebel, quitting the party and becoming a fierce critic of what he claimed were Banerjee's authoritarian ways, and her insidious control over the media.

> Trinamool MP Kunal Ghosh was made the CEO of Saradha's media group, which then consisted of five newspapers and three television channels. Under Ghosh, who was drawing a monthly salary of Rs. 15 lakh from Saradha...

"For all its evils, the Left was not as corrupt as Mamata's people," a business magnate said on oath of secrecy, wistfully. Dressed in spotless white dhoti-kurta, incredibly rich and refined, a self-confessed child of Macaulay, a globe-trotter and lover of good wine, he is the paragon of the *Bengali bhadralok*. He is also the antithesis of Banerjee, the coarse leader of Bengal's hooch-drinking underclass.

"One central minister calls her the Slumbitch Millionaire," the magnate told. (The upper-class male disdain for the 'basti woman') In every report accusing people connected to Banerjee of corruption, the sums involved are small change compared to those in other scams across India. But in a stagnant state economy, the quick upward mobility of those who have allegedly benefitted from malfeasance sticks out. In 2012, Dipak Ghosh, the former Trinamool Congress MLA who fell out with the party, published a book, *Mamta- As I Have Known Her*, which contained a number of allegations about how the Banerjee family came by its newfound wealth. "Ajit Banerjee, Mamata's elder brother, runs a small hardware store," Ghosh explained, by way of example. "So, how did he come to own the Sonar Tori hotel in Puri, worth Rs. 6 crore?"

Within the Trinamool Congress, the most troubling controversy was the meteoric rise of Banerjee's twenty-six-year-old nephew, Abhishek Banerjee. Last year, the former CPI(M) MLA Goutam Deb accused Abhishek's company, *Leaps and Bounds*, of running a Ponzi scheme, a claim that was widely reported in the media. Abhishek's influence within the party came under scrutiny too; in 2011, a second Trinamool youth front, called Trinamool Yuva, was created, with Abhishek at its head. The Trinamool's original youth wing was headed by MP Suvendu Adhikary, whose supporters claimed Abhishek was given charge of Yuva to dilute Adhikary's growing clout among young party workers.

But all these accusations paled in the face of a scandal that arose in October 2012, when the Serious Fraud Investigation Office began to look into the workings of several of Bengal's chit funds and collective investment schemes, and uncovered a scam, the size of which was unprecedented in the history of the Trinamool Congress. In early 2012, the Trinamool MP Kunal Ghosh was made the CEO of Saradha's media group, which then consisted of five newspapers and three television channels. Under Ghosh, who was drawing a monthly salary of Rs. 15 lakh from Saradha, the group's media holdings expanded further, at one point employing about 1,500 people.

When the story broke, it made headlines in Bengal and around India, and as SEBI began to investigate Ghosh in earnest, Banerjee herself faced serious questions about corruption within her party for the first time in her career.

She was defiant. A few days after Saradha's collapse, she presided over a rally in Shyambazar in north Kolkata. "Am I a thief?" she asked the crowd.

To see Banerjee at a rally is to see her in her element. "Comrades, you have put cotton in your ears and stoppers on your backsides," she taunted the communists at a rally in Howrah last June, as the crowd, gathered on a football field beside the Hooghly, cheered in approval. "The communists left the state with debts of Rs. 2 lakh crore, so, we hardly had money to pay salaries to government employees. They even tried to steal official files to sabotage the new government," she said. Then, her voice rising in pitch, finger wagging defiantly, she said, "Like you, I have been beaten up by those communists, and I promise you today that I will never let them return to power, to destroy Bengal."

Several people in Kolkata's business community complain of their discontent over extortion rackets, allegedly run by prominent Trinamool leaders. "The communists would also extort," said the senior Tata executive who spoke to me, "but with them, there was a clear chain of command. Now, if we pay off a Trinamool member of parliament, their MLA comes later and asks for more money."

The Bengal arm of the BJP has regularly protested overtures made by Banerjee to the Muslim community. In 2011, when she decided to recognise ten thousand madrassas across the state, BJP leaders alleged that many of these institutions were cover for "anti-national activities." BJP members filed a public-interest litigation against the West Bengal government's April 2012 decision to disburse a stipend to nearly thirty thousand imams and muezzins. (The Kolkata High Court ruled that the stipend was unconstitutional in September 2013.) One BJP leader called Banerjee "Mumtaz" after she made public appearances wearing a burqa and appeared to recite the namaz.

Banerjee is herself the most famous survivor of this blood-soaked political culture, but has shown little sign of trying to change it after her victory. In a small, two-room apartment in Kolkata, sat Sumita Sengupta, the sister of Sudipta Gupta, a twenty-three-year-old student leader of the Left, who died in police custody in April 2013 after he and other students were arrested for protesting the postponement of college elections in the state. "I expected the chief minister to come and speak to me that evening," Sengupta said, holding back tears as she recounted the tragedy. "But she completely avoided me, and never even bothered to call later." Gupta's family was further shocked when, two weeks after the incident, Banerjee called the death a "petty matter."

In the 2021 assembly elections, AITC won with a landslide two-thirds majority. But, Mamata Banerjee who fought from Nandigram lost against Suvendu Adhikari of the Bharatiya Janata Party by 1,956 votes. Mamata Banerjee, however, challenged this outcome and the matter is sub judice. As her party won 213 seats out of total 292, she was elected as Chief Minister of West Bengal for the third term. Later at Raj Bhawan, she tendered her resignation to Jagdeep Dhankhar. She took oath as Chief Minister on 5 May 2021. Her party later won 2 remaining seats and she herself won Bhabanipur by-election by a huge margin of 58,835 votes. She was sworn in as MLA on 7 October.

Banerjee is herself the most famous survivor of this blood-soaked political culture, but has shown little sign of trying to change it after her victory. In a small, two-room apartment in Kolkata, sat Sumita Sengupta, the sister of Sudipta Gupta, a twenty-three-year-old student leader of the Left, who died in police custody in April 2013 after he and other students were arrested for protesting the postponement of college elections in the state. "I expected the chief minister to come and speak to me that evening," Sengupta said, holding back tears as she recounted the tragedy. "But she completely avoided me, and never even bothered to call later." Gupta's family

She is no ordinary woman, no ordinary C. M. She is of the mettle that shakes all used up concepts of governance. This is what people speaking on Anand Rangnathan's facebook discussions have to say about her dispensation.

Mamata Banerjee- "Because I am here, you all are safe. If you remove me and vote for BJP remember, I have a community which will destroy you all in 1 second, so, if you want to be safe, keep voting for me."

"She is the Chief Minister of West Bengal calling for a Hindu genocide by her community."

As many of my friends may not know Bengali, the second video (this is reproduced from a facebook account) is the version dubbed in English.

Basically, she is threatening Hindus that if you don't elect TMC, there will be Hindu Genocide similar to direct action day announced by Jinnah."

"She is banking on the rock-solid support from the 30% to stay in power perpetually. The 70% need to unite and vote this monster out."

"If this does not call off President Rule, nothing ever will and we will lose Bengal."

"When leaders start threatening people instead of protecting them, it shows their chair is already shaking. If Mamata Banerjee has to rely on fear instead of trust, the people of Bengal will understand everything. Bengal wants peace, not threats."

"Last few poisonous speeches of her political career. She is finished this election, and so are the anti national forces of Bengal."

The Special Intensive Revision (SIR) is widely perceived to have triggered the record turnout in the first phase of the West Bengal Assembly election, making the moment appropriate to ask a counterfactual question: what if the BJP is unable to improve upon the 77 seats it won in 2021, and fails to bag even 100 seats? The figure 100 is a significant threshold, as no principal Opposition party has ever managed to get this many seats. The ruling formation has always, in fact, commanded a two-thirds majority in the Assembly.

rajeshsharma1049@gmail.com

In 2000, in her first Railway Budget, she introduced a lot of new express trains in West Bengal.

THE WALL

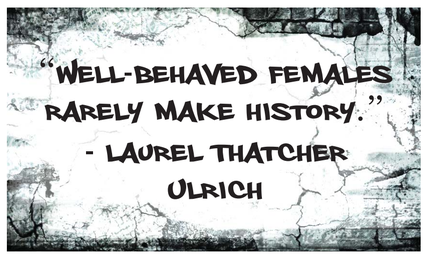

BABY BLUES

By Rick Kirkman & Jerry Scott

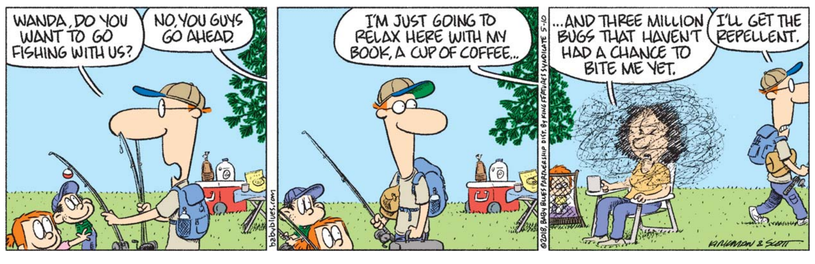

ZITS

By Jerry Scott & Jim Borgman

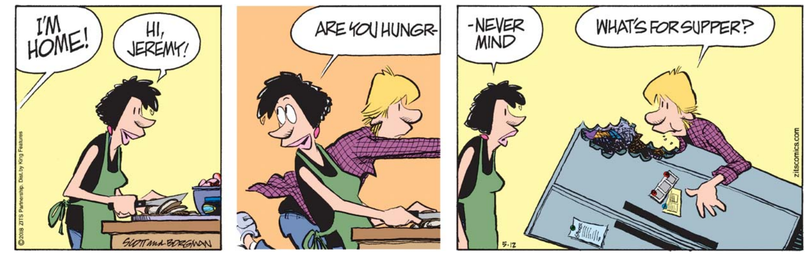

निवाई में बायोमास फैक्टरी में अज्ञात कारणों से भीषण आग लगी

बायोमास पेलेट और बायो-कोल निर्माण का कार्य करती है फैक्टरी

टोंक, (निसं)। निवाई उपखंड क्षेत्र के दतवास-निवाई एमडीआर सड़क पर दहलोद मोड़ स्थित गुरुकृपा प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सोमवार देर रात को भीषण आग लग गई। यह फैक्टरी बायोमास पेलेट और बायो-कोल निर्माण का कार्य करती है, आग लगते ही फैक्टरी परिसर में अफरा-तफरी मच गई और देखते ही देखते लपटों ने विकराल रूप ले लिया।

- **आग से फैक्टरी परिसर में खड़ा एक लोडर और कुछ मशीनें जल गई, आगजनी के दौरान कोई जनहानि नहीं हुई**

प्राप्त जानकारी के अनुसार फैक्टरी में भारी मात्रा में सरसों की तुड़ी का भंडारण किया गया था, जो ज्वलनशील सामग्री होने के कारण आग तेजी से फैल गई, कुछ ही देर में आग ने फैक्टरी के बड़े हिस्से को अपनी चपेट में ले लिया। घटना की सूचना मिलते ही दतवास थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची, जहां पुलिस की सूचना पर चार दमकल वाहन घटनास्थल पर पहुंची। दमकल कर्मियों ने आग बुझाने के लिए लगातार कई घंटों तक प्रयास किए और मंगलवार सुबह तक आग पर काबू पा लिया।

दतवास थाना प्रभारी हीरालाल ने बताया कि समय रहते दमकल टीम ने आग को नियंत्रित कर लिया, जिससे बड़ा हादसा टल गया, हालांकि आग की चपेट में आकर फैक्टरी परिसर में खड़ा एक लोडर और कुछ मशीनें जल गई। इस घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि आग लगने के कारणों का फिलहाल स्पष्ट पता नहीं चल सका है। फैक्टरी मालिक विजेंद्र की रिपोर्ट के आधार पर मामला दर्ज किया जा रहा है, पुलिस और प्रशासन आग से हुए नुकसान का आकलन करने के साथ जांच में जुटे हुए हैं।

जोधपुर में ड्रग फैक्टरी से गिरफ्तार आरोपी रिमाण्ड पर

जोधपुर, (कासं)। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) ने जोधपुर-जैसलमेर हाईवे के पास बालेसर क्षेत्र में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्टरी से पकड़े गए सभी छह आरोपियों को कोर्ट में पेश कर पांच दिन के रिमांड पर लिया है।

जानकारी के अनुसार पुलिस ने बालेसर के एक सुनसान इलाके में बने अधूरे निर्माण के अंदर चल रही एक अवैध फैक्टरी पर छापा मारा था। यह जगह चारों तरफ से इस तरह छिपाई गई थी कि बाहर से किसी को शक तक न हो। यहां बड़े पैमाने पर एमडी ड्रग तैयार की जा रही थी, जिसे आगे सप्लाई के लिए सुखाया जा रहा था। एएनटीएफ के सीआई देवेंद्रसिंह कविया ने आरोपियों के खिलाफ 176 किलो एमडी ड्रग्स बरामद होने और

- **एएनटीएफ ने बालेसर क्षेत्र में एमडी ड्रग्स बनाने की फैक्टरी से पकड़े थे आरोपी**
- **आरोपियों के खिलाफ 176 किलो एमडी ड्रग्स बरामद होने और टीम पर फायरिंग करने का मामला दर्ज कराया**

टीम पर फायरिंग करने का मामला दर्ज कराया है। यह मामला एएनटीएफ के जयपुर कार्यालय में दर्ज किया गया है। एएनटीएफ ने बाड़मेर जिले के धोरीमन्ना निवासी हापुराम बिश्नोई, नरेंद्र बिश्नोई, नरेश बिश्नोई, सेड़वा भेरोडी निवासी श्रवण बिश्नोई, रोहिला निवासी बुधराम और बालेसर बावरली निवासी अजाराम जाट को गिरफ्तार किया है। सभी को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया गया है। इस गिरोह का नेटवर्क कई राज्यों में फैला हुआ था। केमिकल्स गुजरात और महाराष्ट्र से मंगाए जाते थे, जबकि राजस्थान के बाड़मेर, जालौर, सांचोर और जोधपुर के सुनसान इलाकों में ड्रग्स तैयार की जाती थी। इसके बाद सप्लाई गुजरात के रास्ते महाराष्ट्र और अन्य राज्यों में भेजी जाती थी, वहीं बीकानेर के जरिए उत्तर भारत और पंजाब तक भी इसकी पहुंच थी।

अनूपगढ़ : छात्र सुसाइड मामले में टीचर निलंबित

गत 18 अप्रैल को सरकारी स्कूल के एक छात्र ने घर पर आत्महत्या कर ली थी

अनूपगढ़, (निसं)। स्टूडेंट के सुसाइड मामले में शिक्षा विभाग ने तीसरे कार्मिकों को भी निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी, श्रीकरनपुर, श्रीगंगानगर की अध्यक्षता में गठित तीन सदस्यीय जांच दल की प्राथमिक जांच के बाद की गई है। घटना 18 अप्रैल 2026 को हुई थी, जब गांव बांडा कॉलोनी के सरकारी स्कूल में पढ़ने वाले एक छात्र ने स्कूल की छुट्टी के तुरंत बाद अपने घर पर आत्महत्या कर ली थी। मृतक छात्र के पिता ने अनूपगढ़ पुलिस थाने में स्कूल प्रिंसिपल और अध्यापकों पर छात्र को

- **मृतक छात्र के पिता ने प्रिंसिपल और अध्यापकों पर छात्र को प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था**

प्रताड़ित करने और आत्महत्या के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए मामला दर्ज कराया था।

इस मामले की जांच शिक्षा विभाग द्वारा भी की जा रही है। प्रारंभिक जांच के बाद, विभाग ने स्कूल के प्रिंसिपल दौलतराज शर्मा और अध्यापक रमनदीप सिंह को पहले ही निलंबित कर दिया था। अनूपगढ़ के सीबीईओ गुरचरण सिंह ने मंगलवार को बताया कि अब अध्यापक गुरदीप सिंह को भी निलंबित कर दिया गया है। गुरदीप सिंह पर आरोप है कि उन्हें मामले की जानकारी होने के बावजूद उन्होंने किसी भी अधिकारी को इसकी सूचना नहीं दी। अध्यापक गुरदीप सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। निलंबन अवधि के दौरान उनका मुख्यालय सीबीईओ कार्यालय सादुलशहर रहेगा।

क्रेटा गाड़ी में आये बदमाशों ने कार चुराई

अजमेर, (निसं)। अलवर गेट पुलिस थाना क्षेत्र स्थित दादाबाई कॉलोनी में देर रात कार चोरी की एक घटना सामने आई है। कॉलोनी के नाले के पास खड़ी एक कार को चोरों ने निशाना बनाते हुए चोरी कर लिया। यह पूरी वारदात सड़क पर लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है।

कार मालिक सर्वेश जैन ने बताया कि वह हमेशा की तरह अपनी कार नाले के पास खड़ी करते हैं। बीती रात भी उन्होंने अपनी कार वहीं पार्क की थी। सुबह उठकर जब उन्होंने देखा तो उनकी कार मौके से गायब थी। सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि रात करीब 2 से 2.30 बजे के बीच सफेद रंग की एक क्रेटा कार वहां आकर रुकती है। इसमें से एक युवक उतरता है और खड़ी कार का शीशा तोड़ देता है। इसके बाद कार चोरी कर फरार हो जाता है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले।

20 साल पुराने वक्फ विवाद में फैसला, रिकॉर्ड गड़बड़ी पर कोर्ट सख्त

झुंझुनूं। करीब दो दशक पुराने वक्फ संपत्ति विवाद में राजस्थान वक्फ अधिकरण, जयपुर ने अहम फैसला सुनाते हुए प्रशासनिक लापरवाही, रिकॉर्ड प्रबंधन की खामियों और जवाबदेही की कमी को उजागर कर दिया है। वाद संख्या 60/2004 में वादी इजाजुद्दीन शाह पुत्र फजल नबी, निवासी झुंझुनूं (आयु लगभग 40 वर्ष, राजदानासीन मुतवल्ली) की ओर से दायर मुकदमे में अधिकरण ने आंशिक रूप से वादी के पक्ष में निर्णय देते हुए संबंधित विभागों को रिकॉर्ड दुरुस्ती और आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। यह फैसला ऐसे समय आया है जब वक्फ संपत्तियों के संरक्षण और पारदर्शिता को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इस मामले ने यह भी दिखाया कि लंबे समय तक विवाद लंबित रहने के पीछे प्रशासनिक उदासीनता किस तरह बड़ी वजह बनती है।

- **राजस्थान वक्फ अधिकरण, जयपुर ने अहम फैसला सुनाते हुए प्रशासनिक लापरवाही, रिकॉर्ड प्रबंधन की खामियों और जवाबदेही की कमी को उजागर किया**
- **इजाजुद्दीन शाह को आंशिक राहत, राजस्थान सरकार से लेकर स्थानीय प्रशासन तक बने पक्षकार- वक्फ अधिकरण ने रिकॉर्ड सुधार के निर्देश दिए**

वादी और प्रतिवादी-पूरा पक्ष स्पष्ट इस महत्वपूर्ण मामले में-वादी: इजाजुद्दीन शाह पुत्र फजल नबी, निवासी झुंझुनूं तथा प्रतिवादीगण: राजस्थान सरकार, मुख्य सचिव, जयपुर, जिला कलैक्टर, झुंझुनूं, तहसीलदार, तहसील झुंझुनूं, अधिशासी अधिकारी, नगर पालिका झुंझुनूं , मुख्य वन संरक्षक राजस्थान, जयपुर , राजस्थान बोर्ड ऑफ मुस्लिम वक्फ, जयपुर।

सुनवाई में खुली लापरवाही की परतें:- अधिकरण के समक्ष सुनवाई के दौरान जो स्थिति सामने आई, उसने पूरे प्रशासनिक तंत्र की कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए। प्रतिवादी संख्या 1 (राजस्थान सरकार), 2 (जिला कलैक्टर झुंझुनूं), 3 (तहसीलदार झुंझुनूं) और 5 (वन विभाग) की ओर से कोई भी प्रतिनिधि या अधिवक्ता उपस्थित नहीं हुआ। इतने अहम मामले में उच्च स्तर के अधिकारियों की गैरहाजिरी ने यह संकेत दिया किया तो मामले को गंभीरता से नहीं लिया गया या फिर जवाबदेही से बचने की प्रवृत्ति हावी रही।

वहीं-प्रतिवादी संख्या 4 (नगर पालिका) की ओर से अधिवक्ता अनिल तिवाड़ी प्रतिवादी संख्या 6 (वक्फ बोर्ड) की ओर से अधिवक्ता प्रह्लाद गुप्ता उपस्थित रहे। वादी पक्ष की ओर से अधिवक्ता अमानुल्लाह खान (मुंबई) ने पैरवी की। मामले की सुनवाई अधिकरण सदस्य शमीम अहमद कुरैशी द्वारा की गई।

क्या था विवाद :- मामला वक्फ संपत्ति से जुड़े रिकॉर्ड, कब्जे और प्रविष्टियों में कथित गड़बड़ी से जुड़ा था। वादी इजाजुद्दीन शाह ने अधिकरण में याचिका दायर कर रिकॉर्ड दुरुस्ती, स्थायी निषेधाज्ञा, बेदखली की मांग की थी। सुनवाई के दौरान प्रस्तुत दस्तावेजों और साक्ष्यों से यह स्पष्ट हुआ कि संबंधित रिकॉर्ड में विसंगतियां मौजूद हैं और वर्षों तक इन पर प्रभावी कार्रवाई नहीं की गई। यही लापरवाही विवाद के लंबे समय तक खिंचने की प्रमुख वजह बनी।

अधिकरण का आदेश-आंशिक राहत, सख्त निर्देश:- विस्तृत सुनवाई के बाद अधिकरण ने वादी के पक्ष में आंशिक रूप से वाद स्वीकार किया। संबंधित विभागों को रिकॉर्ड सुधार (दुरुस्ती) के निर्देश दिए। वक्फ संपत्ति से जुड़े मामलों में स्थायी निषेधाज्ञा के संबंध में आदेश पारित किया। अधिकरण ने यह भी स्पष्ट किया कि वक्फ संपत्तियों के मामलों में लापरवाही को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता और संबंधित अधिकारियों को जिम्मेदारी निभानी होगी।

आदेश में मुकदमे से जुड़े खर्चों का भी उल्लेख किया गया है। इससे साफ है कि मामला वर्षों तक लंबित रहने के कारण पक्षकारों को आर्थिक और मानसिक दोनों तरह का नुकसान उठाना पड़ा। करीब 20 साल तक चले इस विवाद ने यह भी दिखाया कि समय पर कार्रवाई न होने से छोटे विवाद भी बड़े और जटिल बन जाते हैं।

इस पूरे मामले ने एक बार फिर यह बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है कि जब न्यायालय में सुनवाई के दौरान ही जिम्मेदार अधिकारी उपस्थित नहीं होते, तो आम मामलों में जवाबदेही कैसे तय होती होगी?

नवलगढ़ में खेत से गांजे के 7450 हरे पौधे जब्त

गोठड़ा थाना पुलिस ने गांजे के 7450 हरे पौधे जब्त किए

झुंझुनूं/नवलगढ़, (निसं)। झुंझुनूं जिले में अवैध मादक पदार्थों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन एंटी-वेनम 2.0 के तहत पुलिस थाना गोठड़ा को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने ग्राम ढाका की ढाणी तन भोजनगर में दबिश देकर गांजे (केनबिस) के 7450 हरे पौधे जब्त किए हैं। यदि यह फसल पूरी तरह तैयार हो जाती तो इससे करीब 150 किलोग्राम गांजा तैयार होता।

जानकारी के अनुसार थाना गोठड़ा को मुखबिर से सूचना मिली कि सुभाष पुत्र माधाराम जाट, मामराज पुत्र नौरंगलाल जाट तथा किशोर व रामकुमार पुत्र मूलाराम जाट के खेतों में गांजे के पौधे लगाए हुए हैं। सूचना पर थानाधिकारी धर्मेन्द्र कुमार मीणा पु.नि. के नेतृत्व में पुलिस टीम तत्काल ढाका की ढाणी तन भोजनगर पहुंची। वहां टोंक-छिलरी रोड स्थित खेतों में कटी हुई सरसों की फसल के बीच और मेड़ों पर बड़ी संख्या में गांजे के हरे पौधे खड़े मिले।

पुलिस के अनुसार, गांजे के पौधे तीन अलग-अलग खेतों के बीच व मेड़ के पास लगाए गए थे। पौधों पर फूल आ चुके थे और उनकी लंबाई 2-3 फीट से 7-8 फीट तक थी। मौके से 7450 हरे पौधे जब्त किए गए। चारों आरोपी सुभाष, मामराज, किशोर व रामकुमार के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान शुरू कर दिया गया है।

बयाना जेल में 14 कैदी भूख हड़ताल पर

बयाना/भरतपुर, (निसं)। गंगापुरसिटी जेल से भरतपुर के बयाना उपकारागृह में शिफ्ट किये जाने से खफा 30 कैदियों में से 14 कैदियों द्वारा पिछले चार दिन से किये जा रहे अनशन के बीच मंगलवार को उनकी तबीयत बिगड़ने से जेल प्रशासन में हड़कंप मच गया। बयाना जेल में सुविधाओं के अभाव का आरोप लगाते हुए ये बंदी भरतपुर की सेवर सेंट्रल जेल या किसी अन्य सुविधाजनक कारागार में ट्रांसफर की मांग कर रहे हैं। इस बीच जेल के बाहर कैदियों के परिजनों ने भी डेरा डाल दिया है और बे बंदियों से मिलने की मांग कर रहे है।

जेल सूत्रों के अनुसार भीषण गर्मी के बीच अन्न-जल त्यागने के कारण 9 बंदियों का शुगर लेवल गिर गया और उन्हें चक्कर आने लगे, जिन्हें भरतपुर के जिला आरबीएम अस्पताल के जेल वार्ड में रेफर किया गया है, जबकि 5 बंदियों का इलाज जेल के भीतर ही मेडिकल टीम की निगरानी में चल रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रशासनिक अधिकारियों ने जेल में बंदियों से समझाइश की मगर वे अपनी जिद पर अड़े हुए हैं। बताया गया कि शुरुआत में अनशन करने वाले 30 कैदियों में से 16 ने भोजन शुरू कर दिया था, लेकिन 14 बंदी अब भी अनशन पर डटे हुए हैं। प्रशासन पूरे हालातों पर नजर बनाए हुए हैं।

हॉस्पिटल में परिजन से मिलने आए युवक को चोर समझा

बीकानेर, (निसं)। पीबीएम अस्पताल परिसर में चेन चोरी के शक में एक युवक की पिटाई का मामला सामने आया है। एक महिला गार्ड ने युवक को चोर समझते हुए उसकी जमकर धुनाई कर दी। घटना का वीडियो सामने आने के बाद मामला चर्चा में आ गया।

जानकारी के अनुसार, अस्पताल में एक महिला की चेन और फुलड़ा चोरी होने की आशंका जताई गई थी। इसी दौरान वहां मौजूद एक युवक पर शक होने पर महिला गार्ड ने उसे पकड़ लिया और मारपीट शुरू कर दी। मौके पर मौजूद लोगों ने घटना का वीडियो बना लिया। हालांकि, पुलिस जांच में मामला गलतफहमी का निकला। पीबीएम पुलिस चौकी प्रभारी साहबराम ने बताया कि संबंधित युवक अस्पताल में किसी परिचित से मिलने आया था। महिला ने उसे चोर समझ लिया और इसी गलतफहमी में उसके साथ मारपीट कर दी।

- **चेन चोरी के शक में महिला गार्ड ने युवक को थप्पड़ मारे, मामला चर्चा में**

सदर थाना प्रभारी सुरेंद्र पचार ने बताया कि इस मामले में न तो किसी महिला ने अपनी ज्वैलरी चोरी होने की शिकायत दर्ज कराई है और न ही पिटाई का शिकार हुए युवक ने कोई रिपोर्ट दी है। ऐसे में पुलिस ने कोई मामला दर्ज नहीं किया है। युवक की पहचान भी सार्वजनिक नहीं की गई है, क्योंकि इस संबंध में कोई औपचारिक शिकायत या मामला दर्ज नहीं हुआ है। घटना के बाद अस्पताल में सुरक्षा व्यवस्था और सुरक्षा कर्मियों के व्यवहार पर सवाल उठने लगे हैं। बिना पुष्टि किसी को आरोपी मानकर मारपीट करना गंभीर विषय माना जा रहा है।

सचिन पायलट पर टिप्पणी के विरोध में प्रदर्शन

हिंडौन सिटी, (निसं)। कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट पर की गई टिप्पणी के विरोध में मंगलवार को हिंडौन सिटी में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा राजस्थान के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला फूंका।

देहात ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष योगेंद्र मावई एवं शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एजाज अहमद के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता चौपड़ सर्किल पर एकत्रित हुए। कार्यकर्ताओं ने हाथों में बैनर और पोस्टर लेकर विरोध जताया और भाजपा के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने कहा कि सचिन पायलट न केवल राजस्थान बल्कि पूरे देश के लोकप्रिय और युवा नेता हैं। उनके खिलाफ इस प्रकार की टिप्पणी करना निंदनीय और

- **कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाजपा राजस्थान के प्रदेश प्रभारी राधामोहन दास अग्रवाल के खिलाफ नारेबाजी की**

दुर्भाग्यपूर्ण है, जिसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि इस तरह की बयानबाजी बंद नहीं हुई तो कांग्रेस कार्यकर्ता प्रदेशभर में उग्र आंदोलन करने को मजबूर होंगे। इस अवसर पर पीसीसी महासचिव देशराज मीणा, कार्यकारी अध्यक्ष रविंद्र बेनीवाल, महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष शरदो गुर्जर, एनएसयूआई जिला अध्यक्ष जतिन जोरवाल, भगवान सहाय शर्मा, नरेश गुर्जर, गोपेंद्र पावटा, माजिद मलिक सहित कई पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पाटन में शहीद देशराज सिंह तंवर का सम्मान से अंतिम संस्कार किया

पाटन, (निसं)। सीकर जिले के नीमकाथाना क्षेत्र से देश की रक्षा करते हुए भारतीय सेना के ग्रेनेडियर जवान देशराज सिंह तंवर अरुणाचल प्रदेश में शहीद हो गए। जिस दिन परिवार उनके घर आने की राह देख रहा था, उसी दिन उनका पार्थिव शरीर गांव पहुंचा। इस

- **जिस दिन परिवार देशराज सिंह का घर आने की राह देख रहा था, उसी दिन पार्थिव शरीर गांव पहुंचा**

घटना ने पूरे इलाके को गहरे शोक में डुबो दिया और हर आंख नम हो उठी।

मंगलवार दोपहर करीब 12 बजे पैतृक गांव के निकट श्मशान घाट पर पूरे राजकीय सम्मान के साथ देशराज सिंह तंवर का अंतिम संस्कार किया गया। सेना के जवानों ने उन्हें अंतिम सलामी दी और तिरंगा उनके पिता को सौंपा गया। चाचा के पुत्र रवि सिंह ने पार्थिव देह को मुखाग्नि दी। इससे पहले शहीद का पार्थिव शरीर पाटन थाने लाया गया, जहां से करीब तीन किलोमीटर लंबी तिरंगा यात्रा निकालकर काचरेड़ा गांव पहुंचाया गया। इस यात्रा में बड़ी संख्या में

शहीद देशराज सिंह तंवर को जनप्रतिनिधियों ने श्रद्धांजलि दी।

ग्रामीणों और युवाओं ने भाग लिया। जगह-जगह पुष्प वर्षा कर शहीद को श्रद्धांजलि दी गई और देशराज सिंह अमर रहे के नारे गूंजते रहे। अंतिम विदाई के दौरान प्रशासनिक और जनप्रतिनिधियों सहित कई गणमान्य लोगों ने पुष्पचक्र अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। ग्रामीणों का कहना है कि देशराज सिंह का बलिदान हमेशा याद रखा जाएगा और आने वाली पीढ़ियों को प्रेरित करता रहेगा।

जानकारी के अनुसार, पाटन के निकट ग्राम काचरेड़ा निवासी देशराज सिंह की तैनाती भारत-चीन सीमा के पास संवेदनशील क्षेत्र में थी। 25 अप्रैल को ड्यूटी के दौरान भूस्खलन की चपेट में आने से वे वीरगति को प्राप्त हो गए। इस दर्दनाक हादसे में उनके साथ दो अन्य जवान भी शहीद हुए, जबकि एक जवान घायल बताया जा रहा है। देशराज सिंह ने जुलाई 2019 में भारतीय सेना जॉइन की थी। वे 13 जनवरी को छुट्टी पर घर आए थे और 14 फरवरी को पुन: ड्यूटी पर लौट गए थे। 28 अप्रैल को फिर से घर आने वाले थे, लेकिन नियति को कुछ और ही मंजूर था।

देशराज सिंह का विवाह वर्ष 2023 में हुआ था। उनके परिवार में पत्नी तमन्ना देवी और दो वर्ष की एक मासूम बेटी है। शहादत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल हो गया।

तीन में सूने मकानों से लाखों के जेवर और नकदी पार

अजमेर, (निसं)। शहर के अलवर गेट थाना क्षेत्र में जेपी नगर सेक्टर नंबर 3, मदार इलाके में अज्ञात चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाते हुए चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और जानकारी जुटाई।

जानकारी के अनुसार मकान मालिक गोविंद सिंह, जो रेलवे में कार्यरत हैं, अपनी भांजी की शादी में शामिल होने के लिए ब्यावर गए हुए थे। इसी दौरान चोरों ने मौके का फायदा उठाकर उनके घर का ताला तोड़ दिया और अंदर घुसकर अलमारी व बक्सों को खंगाल डाला। चोर घर से करीब 6 तोला सोना, आधा किलो चांदी और लगभग 3 हजार रुपए की नकदी चोरी कर फरार हो गए। शादी समारोह से लौटकर 27 अप्रैल को जब गोविंद सिंह अपने घर पहुंचे, तो मुख्य द्वार का ताला टूटा हुआ देखकर उनके होश उड़ गए। इसके बाद उन्होंने घर के अंदर जाकर सामान की जांच की, जहां चोरी की वारदात सामने आई। पीड़ित ने तुरंत अलवर गेट थाना पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का जायजा लिया। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने के साथ ही आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

सिंघाना में रेलवे की जमीन पर अवैध कब्जे हटाये

खेतड़ी, (निसं)। सिंघाना क्षेत्र में रेलवे प्रशासन ने अवैध कब्जों के खिलाफ सख्त कदम उठाते हुए बड़ी कार्रवाई की। रेलवे की जमीन पर लंबे समय से किए गए अतिक्रमण को हटाने के लिए प्रशासन ने जेसीबी मशीनों की मदद ली और कब्जों को ध्वस्त कर दिया। मंगलवार को सुबह रेलवे अधिकारियों

- **जमीन पर कब्जा करने वालों को तीन बार नोटिस जारी किए गए थे**

की टीम पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची। कार्रवाई के दौरान आसपास के क्षेत्र में हलचल मच गई।

नारनौल रेलवे के सेक्सन इंजीनियर जितेंद्र सिंह ने बताया कि सिंघाना में रेलवे की जमीन पर कब्जे कर पक्के निर्माण होने की सूचना रेलवे बोर्ड को मिली थी। जिस पर रेलवे विभाग की ओर से जमीन पर कब्जा करने वालों को तीन बार नोटिस जारी कर अवैध कब्जे हटाने के निर्देश दिए गए थे। इसके बावजूद भी अतिक्रमण करने वालों ने रेलवे की जमीन से अतिक्रमण हटाने की बजाय पक्के निर्माण कर लिए। प्रशासन ने पहले ही अतिक्रमणकारियों को नोटिस जारी कर जमीन खाली करने के निर्देश दिए थे, लेकिन समय पर पालन नहीं होने पर यह

रेलवे ने जेसीबी लगाकर जमीन पर बने मकानों को ध्वस्त किया।

कदम उठाया गया। अधिकारियों के अनुसार, रेलवे की भूमि पर अवैध रूप से बनाए गए ढांचे न केवल कानून का उल्लंघन हैं, बल्कि रेल सुरक्षा के लिए भी खतरा पैदा करते हैं। इसी को ध्यान में रखते हुए यह अभियान चलाया गया। उन्होंने बताया कि सिंघाना से डाबला तक पहले रेल का संचालन होता था। अब काफी समय पहले संचालन बंद होने के बाद जमीन पर कब्जा किया जा रहा था। रेलवे की ओर से सिंघाना से डाबला तक पूरी जमीन पर अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

कार्रवाई के दौरान कुछ लोगों ने विरोध भी जताया, लेकिन पुलिस की मौजूदगी में स्थिति नियंत्रित रही। रेलवे प्रशासन ने साफ किया कि आगे भी इस तरह के अतिक्रमण के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जाएगा और सरकारी जमीन को मुक्त कराया जाएगा। स्थानीय लोगों से भी अपील की गई है कि वे रेलवे की जमीन पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा न करें, अन्यथा कड़ी कार्रवाई की जाएगी। इस मौके पर जूनियर इंजीनियर श्रवण मीणा, रेलवे पुलिस एएसआई मेवाराम, एचसी सतीश कुमार, सिंघाना थाना एएसआई महेश कुमार, कृष्ण कुमार, विनोद कुमार के अलावा रेलवे व राजस्थान पुलिस का जाब्ता तैनात रहा।

संक्षिप्त

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

टोंक। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक रतनलाल भार्गव के निर्देशन मे थानाधिकारी उनियारा कप्तान के नेतृत्व में उनियारा थाना क्षेत्र स्थित बंसल पैट्रोल पम्प सवाई माधोपुर उनियारा के पास संचालित अवैध शराब की ब्रांच पर कार्यवाही करते हुए आरोपी कमलेश पुत्र हनुमान मीणा उम्र 38 साल निवासी श्योपुरा थाना उनियारा के कब्जे से अलग-अलग ब्रॉड के 509 पव्वे देशी शराब, 191 पव्वे अग्रेजी शराब, 66 अग्रेजी शराब, 133 बोतल बीयर की जप्त की गई है। इसी प्रकार ईट भट्टे के पास ग्राम बालीथल पर संचालित अवैध शराब की ब्रांच पर रामराज पुत्र बंशी लाल नायक उम्र 23 साल निवासी कुण्डिया के कब्जे से अलग-अलग ब्राँड के 96 पव्वे देशी शराब, 31 पव्वे अग्रेजी शराब, 25 हाँफ अग्रेजी शराब, 114 बोतल बीयर की जप्त की गई। दोनो आरोपियों के विरुध आबकारी अधिनियम में प्रकरण दर्ज कर अनुसंधान किया जा रहा है।

दिन दहाड़े मकान के ताले तोड़े

निवाई। शहर की जगदम्बा कॉलोनी द्वितीय में चोर दिन दहाडे एक मकान का ताला तोडक़र आलमारी में से डेढ लाख रूपए की नकदी सहित सोने चांदी के आभूषण चुराकर ले गए। पीड़ित यशकुमार विजय ने बताया कि जगदम्बा कॉलोनी द्वितीय में स्थित मकान नम्बर 13 में सोमवार की दोपहर करीब 1:45 बजे से 2:35 के बीच अज्ञात चोर ताले तोडक़र अंदर घुस गए और अंदर रखी हुई आलमारी में रखे 1 लाख 50 हजार रूपए की नकदी और सोने के कानो टॉप्स चुराकर ले गए। पीड़ित ने पुलिस थाने मामला दर्ज करवाने के लिए प्रार्थना पत्र दिया है। उन्होंने बताया कि चोरी की सूचना पुलिस को दी गई। जिस पर पुलिस मौके पर पहुंचकर घटाना का मौका मुआयना किया। पुलिस ने आस-पास में लगे सीसी टीवी केमरे खंगाले। जिनके दो संदिग्ध युवक नजर आए।

अपहरण मामले में फरार आरोपी गिरफ्तार

टोंक। उनियारा थाना पुलिस ने नाबालिग लड़की के अपहरण और दुष्कर्म के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। उनियारा थानाधिकारी कप्तान सिंह ने बताया कि गत 19 अप्रेल को नाबालिग पीडिता के पिता द्वारा थाने में प्रकरण दर्ज कराया कि उनकी लडकी को अज्ञात युवक द्वारा अपहरण दुष्कर्म किया गया हैं। जिसके बाद पुलिस टीम ने प्रकरण मे कार्यवाही करते हुए पीड़िता के बयानों के बाद वांछित आरोपी अनिल मीना उर्फ गोलू पुत्र लोडक्या मीना उम्र 19 साल निवासी चौनपुरा थाना उनियारा को सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। इस कार्यवाही में आरोपी द्वारा प्रयुक्त की गई मोटरसाईकिल को जप्त किया गया है। पुलिस ने आरोपी को

कलक्टर ने ग्राम रथों को हरी झंडी दिखाकर ग्राम रथ अभियान का शुभारंभ

आम नागरिक रथों की सुझाव पेटिका में डाल सकेंगे अपने सुझाव

- ग्राम पंचायतों में होगा ग्राम-2026 एवं 13 विभागों की जनकल्याणकारी योजनाओं का प्रचार-प्रसार
- लोक कलाकार ग्रुप ने दी आकर्षक प्रस्तुति

जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा एवं जनप्रतिनिधियों ने जिला कलक्ट्रेट परिसर से ग्राम रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

दौसा । ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 (ग्राम-2026) के व्यापक प्रचार-प्रसार के उद्देश्य से जिले में 15 दिवसीय 'ग्राम रथ अभियान' का मंगलवार को शुभारंभ किया गया। जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा एवं जनप्रतिनिधियों ने जिला कलक्ट्रेट परिसर से ग्राम रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर लोक कलाकारों ने जनकल्याणकारी योजनाओं पर आधारित आकर्षक प्रस्तुतियां दीं।

जिला कलक्टर डॉ. झा ने बताया कि अभियान के तहत प्रतिदिन 4 से 5 ग्राम पंचायतों में जन-जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। ग्रामीणों से सीधे सुझाव प्राप्त करने के लिए ग्राम रथों में सुझाव पेटिका की व्यवस्था की गई है। साथ ही लोक कलाकारों के कला जत्थे के माध्यम से योजनाओं का प्रभावी प्रचार-प्रसार किया जाएगा।

प्रत्येक दिन ग्राम रथ के अंतिम पड़ाव वाली ग्राम पंचायत में संध्या चौपाल का आयोजन होगा, जहां ब्लॉक स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहकर आमजन की समस्याएं सुनेंगे और उनका समाधान करेंगे। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चंद गंगवाल ने बताया कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण विकास से जुड़ी जनहितकारी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना है। उन्होंने बताया कि अगले 15 दिनों में जिले की सभी ग्राम पंचायतों में 13 विभागों- कृषि, उद्यानिकी, कृषि विपणन, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य, सहकारिता, सिंचाई, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास-की योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाई जाएगी। साथ ही संबंधित प्रचार सामग्री का वितरण भी किया जाएगा।

कार्यक्रम के दौरान लोक कलाकारों के दल ने योजनाओं पर आधारित सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों को जागरूक किया। ग्राम रथों में एलईडी स्क्रीन के माध्यम से ऑडियो-वीडियो के जरिए योजनाओं की जानकारी प्रदर्शित की जाएगी। साथ ही सुझाव पेटिका के माध्यम से प्राप्त सुझावों का उपयोग योजनाओं के बेहतर क्रियान्वयन में किया जाएगा।

रवानगी कार्यक्रम में अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, अतिरिक्त जिला कलक्टर (लालसोट) मनमोहन मीणा, उपखंड अधिकारी संजू मीणा, नगर विकास न्यास सचिव मूलचंद लूनिया, जिला परिषद सदस्य नीलम गुर्जर, विपिन जैन, सियाराम शर्मा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

भिवाड़ी में नाबालिग से थाने में बर्बरता का मामला

अलवर। भिवाड़ी के यूआईटी थाने में एक नाबालिग दलित के साथ मारपीट का मामला सामने आया है। परिजनों का आरोप है कि पुलिस की पिटाई से बच्चे की हालत गंभीर बनी हुई है। इसके बाद उसे जयपुर में भर्ती कराया गया है।

दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर इस मामले ने तूल पकड़ लिया है। मंगलवार दोपहर को प्रमुख कांग्रेस नेताओं ने भिवाड़ी पहुंचकर नाबालिग के परिवार से मुलाकात की। उन्होंने घटना को बेहद गंभीर बताते हुए दोषी पुलिसकर्मियों के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की।

इस दौरान नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली, सांसद संजना जाटव, पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह, अलवर सांसद प्रत्याशी ललित यादव, तिजारा से कांग्रेस विधायक प्रत्याशी इमरान खान, कांग्रेस जिला अध्यक्ष बलराम यादव और कोटकासिम की पूर्व प्रधान डॉ. विनोद कुमारी सांगवान सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पूर्व केंद्रीय मंत्री भंवर जितेंद्र सिंह ने थाने के अंदर नाबालिग के साथ इस बर्बर रवैये को शर्मनाक बताया।

पायलट के खिलाफ अमर्यादित बयान को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन

कार्यकर्ताओं द्वारा घंटाघर चौराहे पर अग्रवाल का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया।

टोंक। भाजपा नेता राधा मोहन अग्रवाल द्वारा टोंक दौरे के दौरान एआईसीसी महासचिव छत्तीसगढ़ प्रभारी व टोंक विधायक सचिन पायलट के खिलाफ अशोभनीय और अमर्यादित भाषा के उपयोग पर जिला कांग्रेस कमेटी टोंक द्वारा जिलाध्यक्ष सऊद सईदी के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं द्वारा घंटाघर चौराहे पर अग्रवाल का पुतला दहन कर विरोध प्रदर्शन किया गया। प्रदर्शन से पूर्व कांग्रेस कार्यकर्ता व पदाधिकारी गांधी पार्क टोंक में एकत्रित होकर गांधी पार्क से घंटाघर चौराहे से पुतले की अर्थी का जुलूस निकाला गया।

भाजपा के राजस्थान प्रभारी राधा मोहन दास अग्रवाल द्वारा सोमवार को आयोजित भाजपा जनसभा को सम्बोधित करते हुए उनके द्वारा सचिन पायलट पर दिए गए बयान केवल ध्यान भटकाने के उद्देश्य से की गई एक बयानबाज़ी हैं। उन्होंने बताया कि पायलट केवल एक नेता नहीं, बल्कि प्रदेश के करोड़ों लोगों की उम्मीदों और भरोसे का प्रतीक हैं, खासतौर पर युवा, किसान, मजदूर और देश के जवान उनसे अपनी आवाज जुड़ी हुई महसूस करते हैं। ऐसी अमर्यादित बयान राजनीति के स्तर को गिराने वाला और अत्यंत निंदनीय है, इसको लेकर भाजपा नेता को माफी मांगनी चाहिए।

इस अवसर पर प्रदेश उपाध्यक्ष रामविलास चौधरी, पूर्व विधायक कमल बेरवा, पूर्व ज़िलाध्यक्ष हरिप्रसाद बेरवा, सरपंच संघ प्रदेश उपाध्यक्ष हंसराज फागना, सोशल मीडिया प्रभारी जर्रार खान, दिनेश चौरसिया, श्री राम चौधरी ब्लॉक अध्यक्ष शंकर चौधरी राजेश चौधरी देवली ब्लॉक अध्यक्ष महादेव मीणा पीपलू ब्लॉक अध्यक्ष जय नारायण मीणा निवाई शहर अध्यक्ष सतीश शर्मा टोंक ब्लॉक अध्यक्ष इरशाद बेग, देहात ब्लॉक अध्यक्ष कैलाशी देवी मीणा किशन फगोड़िया, अलका बेरवा, ब्रह्म प्रकाश गुर्जर सलीम नकवी, इम्तियाज़ खान, पंकज यादव, हनुमान बेनीवाल, हंसराज इनके अलावा सैकड़ो की संख्या में कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित रहे।

दो दिवसीय श्री नृसिंह जयंती महोत्सव कल से

निवाई। कायस्थ मोहल्ला स्थित श्री हरिकृष्णचन्द्र केशवराय नया मंदिर में नृसिंह भक्त मंडल के तत्वावधान में 30 अप्रैल व 1 मई को दो दिवसीय श्री नृसिंह जयंती महोत्सव धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ मनाया जाएगा। जिसमें विभिन्न धार्मिक व सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। 30 अप्रैल को दोपहर 12 बजे आरती के साथ भगवान का आव्हान किया जाएगा। शाम 5 बजे से सजीव झांकियों व लीलाओं का मंचन शुरू होगा। इसमें भगवान गणेश, ब्रह्मा जी व भक्त प्रहलाद का नगर भ्रमण, हनुमान-राक्षस सेना का युद्ध कौशल व राधा-कृष्ण के बाल रूप के दर्शन मुख्य आकर्षण होंगे। इस दौरान छप्पन भोग की झांकी सजाई जाएगी और विशेष आकर्षण के रूप में खम्बा फाडक़र भगवान नृसिंह के प्राकट्यय का सजीव चित्रण किया जाएगा। शाम 7:30 बजे महाआरती के बाद श्रद्धालु भगवान के विशेष दर्शन कर सकेंगे। कार्यक्रम के 1 मई को श्री वराह जन्मोत्सव मनाया जाएगा। शाम 5 बजे से पुनः सजीव झांकियों का क्रम शुरू होगा।

गौ सम्मान आव्हान अभियान के तहत लोगों ने रैली निकाली

रैली में गौभक्तों ने गौ माता के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की।

लालसोट। मुख्यालय पर सोमवार को गौ सम्मान आव्हान अभियान के तहत हजारों लोगों ने विशाल रैली निकालकर अपनी मांगों को बुलंद किया। रैली महाकाली मंदिर से शुरू होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होती हुई उपखंड कार्यालय पहुंची, जहां एसडीएम विजेंद्र मीणा को हजारों हस्ताक्षरों से युक्त ज्ञापन सौंपा गया। रैली में शामिल गौभक्तों ने हाथों में तख्तियां लेकर पूरे मार्ग में गौ माता के सम्मान, संरक्षण और संवर्धन के समर्थन में जोरदार नारेबाजी की। शहर में इस दौरान धार्मिक और सामाजिक उत्साह का माहौल देखने को मिला। गौशालाओं के लिए मुफ्त बिजली और 100 दिन का वेतन देने की मांग प्रदर्शनकारियों ने ज्ञापन में मांग रखी कि गौशालाओं को मनरेगा से जोड़ा जाए, वहां कार्यरत लोगों को 100 दिन का वेतन मिले तथा गोवंश की संख्या के आधार पर मुफ्त या रियायती बिजली उपलब्ध कराई जाए। सरकारी मंदिरों के साथ गौशाला संचालन को अनिवार्य करने की भी मांग उठाई गई।

गौ तस्करी और गौहत्या पर 'आजीवन सजा' की मांग आंदोलनकारियों ने गौ तस्करी और गौहत्या में शामिल अपराधियों के लिए आजीवन कठोर कारावास का प्रावधान करने की मांग की। साथ ही तस्करी में प्रयुक्त वाहनों को जब्त कर उनकी नीलामी कर राशि गौशालाओं को देने और ऐसे मामलों में जमानत न देने की भी अपील की गई।

पक्षियों के लिए परिंडे लगाकर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

लालसोट। भीषण गर्मी के बीच बेजुबान पक्षियों के प्रति संवेदनशील पहल करते हुए राजेश पायलट राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, लालसोट में आज एल्यूमिनि एसोसिएशन (पूर्व छात्र परिषद) के सदस्यों द्वारा परिसर में स्थित पेड़ों पर परिंडे लगाए गए। इस पहल का उद्देश्य गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए पानी की व्यवस्था सुनिश्चित करना है।

इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य प्रोफेसर सुभाष पहाड़िया ने कहा कि भारतीय संस्कृति में पक्षियों के लिए परिंडे लगाना करुणा, सह-अस्तित्व और धर्म का प्रतीक है। उन्होंने वसुधैव कुटुम्बकम् की भावना को रेखांकित करते हुए कहा कि सभी जीव हमारे परिवार का हिस्सा हैं और गर्मी में प्यासे पक्षियों को पानी पिलाना पुण्य का कार्य है। यह परंपरा समाज में दया, संवेदनशीलता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करती है।

उन्होंने आगे कहा कि पक्षियों का संरक्षण पर्यावरण संतुलन के लिए अत्यंत आवश्यक है। वर्तमान समय में बढ़ती गर्मी और घटते पेड़ों के कारण ऐसे प्रयासों का महत्व और भी बढ़ गया है। परिंडे लगाना न केवल मानवता का प्रतीक है, बल्कि प्रकृति के प्रति हमारे प्रेम और जिम्मेदारी का भी परिचायक है।

प्राचार्य ने इस सराहनीय पहल के लिए एल्यूमिनि एसोसिएशन के सभी सदस्यों का आभार व्यक्त किया।

उल्लेखनीय है कि महाविद्यालय परिसर में स्थित पेड़ों पर विभिन्न प्रजातियों के हजारों पक्षी निवास करते हैं, जिनके लिए यह पहल अत्यंत उपयोगी साबित होगी।

इस अवसर पर पूर्व छात्र परिषद के अध्यक्ष प्रकाश चंद मीना सहित सदस्य विष्णु चरावंड्या, अजय मीना, हरिमोहन मीना, रोशन मीना, रामजीलाल मीना उपस्थित रहे।

नाम परिवर्तन

मैं, मायल मनमीत कौर इंद्रपाल सिंह मायल, यह घोषित करती हूँ कि मेरी बेटी का नाम सीबीएसई अभिलेखों में गलत रूप से REETIKA SANTOSH RODE दर्ज है। कृपया इसे REETIKA RODE में संशोधित किया जाए।

मैं, संतोष रोडे, रीतिका रोडे के पिता, यह घोषित करता हूँ कि मेरी बेटी के सीबीएसई अभिलेखों में मेरा नाम गलत रूप से RODE SANTOSH HARISCHANDRA दर्ज है। कृपया इसे SANTOSH RODE में संशोधित किया जाए।

मैने अपना नाम सुमित अग्रवाल से बदलकर सुमित महेश अग्रवाल कर लिया है। भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना जाए, सुमित महेश अग्रवाल पुत्र श्री महेश अग्रवाल निवासी मकान नंबर 201, नवकार रेजीडेंसी, कलेक्ट्रेट सर्किल, बनीपार्क, जयपुर

मैं, मायल मनमीत कौर, रीतिका रोडे की माता, यह घोषित करती हूँ कि मेरी बेटी के सीबीएसई अभिलेखों में मेरा नाम गलत रूप से RODE MANMEET SANTOSH दर्ज है। कृपया इसे MAYAL MANMEET KAUR INDERPAL SINGH MAYAL में संशोधित किया जाए।

नम्बर मिलाइए 9587884433

सिर्फ एक फोन कॉल पर विज्ञापन घर बैठे बुक करायें।

ओंमकारेश्वर महादेव व संकट मोचन हनुमान मंदिर का उद्घाटन

- महिलाएं मंगल कलश लेकर भजनों की धुन पर नाचते गाते हुए उत्साहपूर्वक शामिल हुई

समारोह के दूसरे दिन भागवत कथा में भक्तजनों की भीड़ उमड़ी।

कोटपूतली। कस्बे के मोहल्ला बड़ाबास स्थित बाला वाला कुआ के पास श्रीमती कांता देवी व पंडित रामनिवास शर्मा द्वारा पूर्वजों की स्मृति में निर्मित अखाड़ा वाले ओंमकारेश्वर महादेव व संकट मोचन हनुमान मंदिर का उद्घाटन समारोह का आगाज सोमवार को भव्य कलश यात्रा के साथ हुआ था। जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं मंगल कलश लेकर भजनों की धुन पर नाचते गाते हुए उत्साहपूर्वक शामिल हुई।

इस कार्यक्रम में 27 अप्रैल से 4 मई तक पंडित हरीश महाराज हनुमानगढ़ वाले द्वारा श्रीमद् भागवत कथा एवं रात्रि में नानी बाई को मायरो का वाचन किया जा रहा है। हरीश जी महाराज हनुमानगढ ने कथा का श्रवण पान करवाया। वहीं उन्होंने भागवत कथा में समय के महत्व के बारे में बताया साथ ही भक्तों को गौमाता की सेवा के लिए जागरूक किया और बताया कि गौ माता के रोम रोम में देवी देवताओं का वास है।

उन्होंने कहा कि गौ माता के पंचगव्य से असाध्य रोग ठीक हो सकते हैं। रात्रि बेला में बड़ी धूमधाम से नानी बाई का मायरा हुआ। जिसमें अनेक भक्त शामिल हुए। कथा में भगवान की सुन्दर सुन्दर सजीव झांकियों के दर्शन करवाये।

4 मई को हवन के आयोजन के साथ ही मुख्य अतिथि वन एवं पर्यावरण मंत्री संजय शर्मा द्वारा मंदिर का लोकार्पण किया जाएगा। इस अवसर पर शिव कुमार शर्मा, विधि सलाहकार कमल प्रसाद शर्मा, इलेक्ट्रिशियन संजय कुमार शर्मा, एडवोकेट के. के. शर्मा, डॉ. अनिल कुमार शर्मा पत्रकार, आदित्य शर्मा, दिनेश शर्मा सहित गुलाब दास महाराज, हरिशंकर शर्मा, डॉ. चंद्रकांत शर्मा पत्रकार, स्वतंत्र पत्रकार आनंद पंडित, धंसीराम शर्मा विद्याधर शर्मा, सज्जन शर्मा, कैलाश चंद शर्मा, रामजीवन भाटिया, मुकलेश दीक्षित, रामावतार सूद, पार्षद रामकरण सूद सहित बड़ी संख्या में महिलाएं मौजूद रही।

बैठक आयोजित

भरतपुर। जिला कलक्टर कमर चौधरी की अध्यक्षता में सडक सुरक्षा समिति की बैठक मंगलवार को कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित की गई। जिसमें सभी संबंधित विभागों को आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने में विभागीय दायित्व निर्वहन हेतु निर्देशित किया गया। जिला कलक्टर ने कहा कि आकस्मिक दुर्घटनाओं को रोकने के लिये सभी विभाग पूर्ण जिम्मेदारी के साथ कार्य कर अपने दायित्वों का निर्वहन करें।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर होने वाली सडक दुर्घटनाओं को रोकने के लिये गति सीमा की पालना, ट्रेक्टर-ट्रॉलियों पर रिफ्लेक्टर लगाने, अवैध कटों को वेरिकेटिंग लगाकर बंद करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग के आसपास किये गये अतिक्रमण को चिन्हित कर संबन्धित उपखंड अधिकारी को अवगत कराते हुए पुलिस से समन्वय कर हटवायें। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग पर प्रभावी पैट्रोलिंग करते हुये सड़क किनारे खडे होने वाले वाहनों के खिलाफ चालान की कार्यवाही करें।

विशेष टीकाकरण

पावटा। उपखंड पावटा मुख्यालय स्थित उपजिला अस्पताल में सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम और एचपीवी वैक्सीन के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के लिए आज से विशेष टीकाकरण अभियान आयोजित किया जाएगा।

खोया पाया

मेरे मकान नं. 72/275A, मानसरोवर, जयपुर का "Certificate of Handing Over the House" कहीं खो गया है। मिलने पर सूचित करें चन्द्रशेखर भार्गव 9530274484

खोया-पाया

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरी अभिभाष्या श्रीमती रोमा चांवला पत्नी तुलसी चावला, निवासी 1001, फ्लोर नंबर 10, बिल्डिंग पूर्णिक आरम्भ, अपोजिट हवेर सिटी, थाणे, महाराष्ट्र 400615 दिनांक 25.04.2026 को अपने निवास स्थान बी-1/201, अनुपम अपार्टमेंट, सेक्टर- 26, प्रताप नगर, जयपुर से अपने हक, अधिकार व स्वामित्व के प्लाट नंबर 324, विनोग विहार, मालवीय नगर, जयपुर का आवंटन पत्र, साईड प्लान व रसीद जो कि नव जीवन गृह निर्माण सहकारी समिति लि. के द्वारा मेरी अभिभाष्या के पक्ष मे जारी किये गये थे की फोटो स्टेट करवाने अपने जयपुर स्थित उक्त निवास से पास में ही स्थित फोटो कॉपी की दुकान पर जा रही थी जो कि प्लास्टिक की थेली मे थे कही पर गिर गये जो कि काफी तलाशने पर भी नही मिले। यदि किसी आम व खास को मेरे उक्त वर्णित मूल आवंटन पत्र, रसीद व साईट प्लान मिल जाते है तो मेरे अभिभाष्य के कार्यालय या मेरे जयपुर स्थित प्लाट पर सुपुर्द कर देवे। सूचित रहे।
जयपुर — महेन्द्र कुमार कमल, एडवोकेट
दिनांक: 28.04.2026 — मोबाईल नंबर- 9982313201

MUNICIPAL CORPORATION JAIPUR

(Pandit Deendayal Uppadhyay Bhawan Lalkothi Tonk Jaipur 302015)

No. F-6(DCR-FIRST (J.S)RO.LIC/N.N.J/2026/993 — Date : 27-04-2026

PUBLIC NOTICE

The licensee M/s/ Indus Tower Limited Jaipur (Particulars of Licensee) has submitted application in this office for granting permission for erection/ installation of telecom tower aboveground telegraph infrastructure on the land or building or location mentioned below :-

Sr. No.	Site ID	Address
1	IN 3353064	Row Outside JDA Park, Marudhar Nagar In Front Of Plot No.-J-55-56-57 Tagore Nagar, Jaipur

Therefore, it is hereby informed to all concerned that if, any body has any objection or suggestion on granting permission for installation or establishment of above mentioned telecom infrastructure on the land/location above, he may submit objection or suggestion along with supporting documents before the undersigned during office hours on any working day within 7 days of the publication of this notice.

In absence of any objection/ suggestion within above stipulated time it any be deemed that nobody has objection/suggestion and matter will be disposed off accordingly.

Deputy Commissioner (Revenue-I)
Municipal Corporation, Jaipur

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिये सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
समक्ष माननीय न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश, क्र.सं. 1, जयपुर महानगर, द्वितीय, जयपुर
स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया बनाम प्रफुल्ल कुमार भाटिया एवं अन्य
425 / 18-4-26 — वाद बाबत वसूली 1,95,169.00/- रूपये
वाद संख्या 165 सन् 2024

बनाम 1. प्रफुल्ल कुमार भाटिया पुत्र श्री मोती लाल भाटिया, निवासी मकान संख्या ई-9/552, चित्रकूट, वैशाली नगर, जयपुर-302021 एवं मकान संख्या 771, आदर्श चौक, आदर्श नगर, जयपुर-302004 एवं केयर ऑफ हनी मोटर्स, दुकान संख्या बी-5, एवं बी-6, रीको शॉपिंग सेन्टर, रोड नं. 5, वी.के.आई. एरिया, जयपुर
2. गोविन्द प्रसाद शर्मा पुत्र श्री कन्हैया लाल शर्मा, निवासी मकान संख्या 34-ए, विकास नगर, सैनी कृषि फार्म हाऊस, मुरलीपुरा, जयपुर

वादी ने आपके विरूद्ध वसूली के लिये वाद पंजीयत किया है। आपका इस न्यायालय में तारीख 30 माह मई सन् 2026 को दिन में 7:00 बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये वचन दिया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं, जिसे सम्यक् अनुदेश दिये गये हों और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके। आपको यह भी निर्देश दिया जाता है कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित साक्ष्य दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे में या शक्ति में हैं पेश करें, जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या दाखिल/मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित है और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे व शक्ति में हो, अपना प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावा के समर्थन में साक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसी दस्तावेजों को उल्लिखित समय के बाद उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें। आपको सूचित किया जाता है कि यदि आप ऊपर बताई गई तारीख का इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा। यह वाद तारीख 18 माह 04 सन 2026 को मेरे हस्ताक्षर से और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

समक्ष माननीय न्यायालय अतिरिक्त सिविल न्यायाधीश,
(सील) क्र.सं. 1, जयपुर महानगर, द्वितीय, जयपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री विवेक बाजपेयी पुत्र स्व. श्री विजय शंकर बाजपेयी जाति निवासी 71/164, अरावली मार्ग, मानसरोवर, जयपुर 302020 (राज.) स्वयं के पिताजी श्री विजय शंकर बाजपेयी पुत्र श्री भगवती चरण वाजपेयी के नाम से आवासीय फ्लेट नम्बर 71/150, ग्राउण्ड फ्लोर, परमहंस मार्ग, मानसरोवर स्कीम, जयपुर (राज.) में स्थित है जिसका कुल क्षेत्रफल 95.65 वर्गमीटर है एवं निर्मित क्षेत्रफल 1009.20 वर्गफीट है जिसे मेरे मुवक्किल एवं मेरे मुवक्किल के पिताजी श्री विजय शंकर बाजपेयी पुत्र श्री भगवती चरण बाजपेयी ने एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) मे बंधक रखकर ऋण प्राप्त किया हुआ था जिसका ऋण संख्या 650198084 है, उक्त श्री विजय शंकर बाजपेयी पुत्र श्री भगवती चरण बाजपेयी का स्वर्गवास 23.06.2021 को हो चुका है तथा उनकी माताजी श्रीमती हंसमुखी बाजपेयी पत्नि श्री भगवती चरण बाजपेयी का स्वर्गवास दिनांक 15.11.1979 को हो चुका है, श्री विजय शंकर बाजपेयी पुत्र श्री भगवती चरण बाजपेयी के हिन्दू उत्तराधिकारी अधिनियम के तहत प्रथम श्रेणी के उत्तराधिकारी एवं वारिसान में श्री विवेक बाजपेयी पुत्र स्व. श्री विजय शंकर बाजपेयी श्रीमती विमला बाजपेयी पत्नि स्व. श्री विजय शंकर बाजपेयी, प्रियंका आनन्द यादव पत्नि श्री आनन्द प्रकाश यादव पुत्री श्री स्व. श्री विजय शंकर बाजपेयी एवं मोनिका बाजपेयी पुत्री स्व. श्री विजय शंकर बाजपेयी है, इनके अलावा स्वर्गीय श्री विजय शंकर बाजपेयी पुत्र श्री भगवती चरण बाजपेयी का कोई विधिक उत्तराधिकारी अथवा वारिसान नही है, चूकि मेरे मुवक्किल एवं उनके पिताजी श्री विजय शंकर बाजपेयी पुत्र श्री भगवती चरण बाजपेयी के द्वारा लिए गए समस्त ऋण की अदायगी एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) को की जा चुकी है इसलिए मेरे मुवक्किल स्वयं के पिताजी श्री विजय शंकर बाजपेयी पुत्र श्री भगवती चरण बाजपेयी के स्वामित्व की उक्त अचल सम्पत्ति के समस्त मूल दस्तावेज एचडीएफसी बैंक लिमिटेड (बैंक मे विलय से पूर्व नाम एच.डी.एफ.सी. लिमिटेड) सी-25, भगवान दास रोड, सेन्ट जेवियर स्कूल के सामने, सी-स्कीम, जयपुर-302001 (राज.) से प्राप्त करना चाहते है, इस सम्बन्ध मे किसी भी व्यक्ति अथवा बैंक इत्यादि को किसी प्रकार की कोई आपत्ति या आक्षेप हो तो मय सबूत सात दिन की अवधि मे अधोहस्ताक्षरकर्ता को लिखित आपत्ति प्रस्तुत करें, अवधि समाप्ति के पश्चात आपत्ति मान्य नही होगी तथा मेरी मुवक्किल के विरूद्ध शून्य व बेअसर मानी जावेगी।
जयपुर — (श्याम सुन्दर चावला) एडवोकेट
दिनांक — 6/48, मालवीय नगर, जयपुर मो.-9829218044

संख्यांक 2

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.सं.4 जयपुर महा-II
के.एस.चौधरी विरूद्ध दिपाली खूटेंटा व अन्य
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 10 सन् 20

नाम दिपाली खूटेंटा पुत्री गिर्राज खूटेंटा जाति खूटेंटा पुत्री अंकुश रावत स्थान ई-97, गोविन्द नगर (पश्चिम) आमेर रोड जयपुर
...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 05 माह 05 सन् 2026 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे कें समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 28 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर सें और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
वरिष्ठ रीडर
(मोहर अदालत) अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम सं.-4 जयपुर महानगर द्वितीय

संख्यांक 2

विवाद्यकों के स्थिरीकरण के लिए सम्मन

(आदेश 5 के नियम 1 और 5)
नाम न्यायालय अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्र.सं.4 जयपुर महा-II
के.एस.चौधरी विरूद्ध दीपाली खूटेंटा व अन्य
वाद बाबत वसूली
वाद सं. 10 सन् 20

नाम अंकुश रावत पुत्र क्रांति कुमार रावत जाति रावत स्थान ई-97, गोविन्द नगर (पश्चिम) आमेर रोड जयपुर
...ने आपके विरूद्ध.... के लिये वाद संस्थित किया है आपको इस न्यायालय में दिनांक 05 माह 05 सन् 2026 को दिन में 7.30 ए.एम. बजे दावे का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे प्लीडर द्वारा उपसंजात हो सकते हैं जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हो और जो इस वाद से सम्बन्धित सभी सारवान प्रश्नों के उत्तर दे सकें या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्तिहो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सकें। आपको यह निर्देश भी दिया जाता हैं कि आप उस दिन अपनी प्रतिरक्षा का लिखित कथन दाखिल करें और उस दिन ऐसी सब दस्तावेज जो आपके कब्जे या शक्ति में हैं पेश करें जिन पर आपकी प्रतिरक्षा या मुजराई का दावा या प्रतिदावा आधारित हैं। और यदि आप किसी अन्य दस्तावेज पर, चाहे वह आपके कब्जे या शक्ति में हो या न हो अपनी प्रतिरक्षा या मुजराई के दावे या प्रतिदावे कें समर्थन मेंसाक्ष्य के रूप में निर्भर करते हैं तो आप ऐसे दस्तावेजों को लिखित कथन के साथ उपाबद्ध की जाने वाली सूची में प्रविष्ट करें।
आपको सूचित किया जाता हैं कि ऊपर बताई गई तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नही होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।
यह आज दिनांक 28 माह 04 सन् 2026 को मेरे हस्ताक्षर सें और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।
वरिष्ठ रीडर
(मोहर अदालत) अपर जिला एवं सैशन न्यायाधीश क्रम सं.-4 जयपुर महानगर द्वितीय

कार्यालय सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर 10/2026
(नाम, वर्णन तथा निवास स्थान)

चूंकि श्री सुरेन्द्र कुमार पुत्र श्री हनुमान प्रसाद निवासी माजरीकला, नीमराना, जिला कोटपूतली-बहरोड ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 23 के अन्तर्गत प्रन्यास अन्तर्गत प्रन्यास संत श्री नामदेव चैरिटेबल ट्रस्ट, नीमराना, जिला कोटपूतली-बहरोड में चुनाव उपरान्त हुए न्यासी परिवर्तन को दर्ज अभिलेख किये जाने हेतु जांच किये जाने के लिए प्रपत्र-8 में आवेदन पत्र दिया है।
अतएवं धारा 23 में प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास में हुये परिवर्तन/संशोधन जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से तीस दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करें।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां प्रस्तुत नहीं की गई तो उक्त आवेदन पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 27.04.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 02.06.2026
(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त (द्वितीय) देवस्थान विभाग, जयपुर

प्रपत्र संख्या 7
(देखिये नियम 21)

कार्यालय सहायक आयुक्त (प्रथम) देवस्थान विभाग, जयपुर

राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 18 (2) के अधीन नोटिस
समस्त सम्बन्धित व्यक्तियों को
मुकदमा नम्बर DEV/JAIPUR-I/TRUST/2026/1718

चूंकि प्रार्थी श्री MAHENDRA GARGIEYA, 537-538, MAHIMA TRITINY MALL, NEW SANGANER ROAD, JAIPUR, RAJASTHAN (302019) ने राजस्थान सार्वजनिक प्रन्यास अधिनियम 1959 की धारा 17 (1) के अन्तर्गत प्रन्यास तुलसीबाई पंडित रामप्रताप शास्त्री चैरिटेबल ट्रस्ट, 1st FLOOR, BHAGAT BHAWAN, M.I. ROAD S.O, RAJASTHAN INDIA, JAIPUR, RAJASTHAN (302001) के सम्बन्ध में अग्रिम जांच किये जाने के लिए आवेदन-पत्र दिया है।
अतएव धारा 18 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के प्रयोग में उपर्युक्त प्रन्यास जिसकी जांच की जा रही है, में हित रखने वाले समस्त व्यक्तियों के नाम, व्यापक जानकारी के लिए, यह नोटिस प्रकाशित किया जाता है कि वे इस नोटिस के जारी होने की तारीख से साठ दिन के भीतर उक्त प्रन्यास के सम्बन्ध में आपत्तियां, यदि कोई हो प्रस्तुत करे।
और यह सूचित किया जाता है कि यदि उपरोक्त निर्दिष्ट अवधि के भीतर कोई आपत्तियां नहीं की गई तो उक्त आवेदन-पत्र निर्धारित रीति से निर्णित किया जावेगा तथा जांच ग्रसित मामले में निष्कर्ष अभिलिखित किया जावेगा।
आज दिनांक 10.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर तथा कार्यालय मोहर के अधीन जारी किया गया।
आइदा तारीख पेशी 14.05.2026
(मोहर अदालत) सहायक आयुक्त देवस्थान विभाग, जयपुर-प्रथम

कार्यालय ग्राम पंचायत पढाना पंचायत समिति स.मा., जिला सवाई माधोपुर

क्रमांक :- SP26 — **ई-निविदा सूचना संख्या-01/2026-27** — दिनांक :- 24.04.2026

पंचायत समिति सवाई माधोपुर के अधीन ग्राम पंचायत पढाना में विभिन्न योजना में स्वीकृत कार्यों हेतु निर्धारित प्रपत्र में ई-प्रोक्युरमेन्ट प्रकिया में सक्षम श्रेणी में पंजीकृत संवेदकों से ऑनलाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है। निविदा से संबंधित नियम, शर्ते व सम्बन्धी दस्तावेज लोक उपापन की वेबसाइट www.sppp.rajasthan.gov.in एवं www.eproc.rajasthan.gov.in पर देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते है।

ग्राम विकास अधिकारी, ग्राम पंचायत पढाना, पं.स. सवाई माधोपुर — NIB No.- ZSM2627A0070 / UBN No.- ZSM2627WSOB00100 — प्रशासक, ग्राम पंचायत पढाना, पं.स. सवाई माधोपुर

कार्यालय नगर निगम, भरतपुर

क्रमांकः न.नि.भ./ स्कीम / 2025-26/1896 — दिनांक : 23.04.2026

सार्वजनिक सूचना

सूरजमल नगर योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 403 क्षेत्रफल 132.52 वर्गगज का आवासीय पट्टा विलेख क्रमांक 2354 दिनांक 14.12.2012 कार्यालय नगर सुधार न्यास भरतपुर द्वारा श्रीमती मुकेश देवी पत्नी श्री भरत सिंह जाति जाट निवासी केन्द्रीय विद्यालय के पास, सूरजमल नगर, भरतपुर के नाम जारी किया गया। श्रीमती मुकेश देवी पत्नी श्री भरत सिंह ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 08.09.2014 के द्वारा श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री बलवीर सिंह को विक्रय कर दिया। विक्रय होने के पश्चात् उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन नगर सुधार न्यास, भरतपुर के पत्रांक 11474-75 दिनांक 11.08.2017 के द्वारा श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री बलवीर सिंह के नाम पूर्व में हो चुका है। श्री ओमप्रकाश पुत्र श्री बलवीर सिंह ने उक्त भूखण्ड जरिये रजिस्टर्ड वयनामा दिनांक 17.04.2026 के द्वारा श्री पीतम सिंह यादव पुत्र श्री रामजीलाल यादव को विक्रय कर दिया। आवेदक श्री पीतम सिंह यादव पुत्र श्री रामजीलाल यादव जाति अहीर निवासी-आर-380 सिविल लाइन्स, इनफन्ट ऑफ पुलिस परेश ग्राउण्ड, भरतपुर उक्त भूखण्ड का नाम परिवर्तन कराना चाहते हैं। सूरजमल नगर योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 403 का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही इस कार्यालय द्वारा की जानी है। इस सम्बन्ध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो अन्दर अवधि सात दिवस में कार्यालय नगर निगम, भरतपुर में अपनी आपत्ति दर्ज करावें अन्यथा गुजरने म्याद सूरजमल नगर योजना भरतपुर के भूखण्ड संख्या 403 का नाम परिवर्तन करने की कार्यवाही कर दी जावेगी एवं कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

प्रभारी अधिकारी नगर निगम, भरतपुर

कार्यालय नगर निगम जयपुर

(पं. दीनदयाल उपाध्याय भवन लाल कोठी, टोंक रोड जयपुर)
क्रमांक :- जसअ / 2026 / 44 — दिनांकः 22.04.2026

ई-निविदा सूचना सं. उपायुक्त पशु प्रबंधन 06/2026-27

नगर निगम जयपुर क्षेत्र से उत्पाती बंदरो को पकडकर उनके प्राकृतिक वातावरण में छोडने का कार्य मय संसाधन व श्रमिक वार्षिकी दर संविदा कार्य वर्ष 2026-27 हेतु निविदा दिनांक 21.04.2026 को सांय 06:00 बजे से आमंत्रित की जाती है। कार्यो की अनुमानित लागत, बिड बेचे जाने तथा प्राप्त करने की तारीख, बिड के नियम, शर्त आदि सम्पूर्ण विवरण नगर निगम, जयपुर की वेबसाईट www.jaipurmc.org व राजस्थान सरकार के पोर्टल http://sppp.rajasthan.gov.in तथा http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखी व डाउनलोड की जा सकती है।

UBN No. :- JMC2627SLOB00083 — उपायुक्त पशु प्रबंधन, नगर निगम जयपुर
राज.संवाद / सी / 26 / 1689

संक्षिप्त

ग्राम रथ अभियान का शुभारंभ

अलवर। जिला कलक्टर डॉ. आर्तिका शुक्ला एवं जनप्रतिनिधिगणों ने ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट-2026 (ग्राम-2026) को लेकर प्रारंभ हुए 'ग्राम रथ अभियान' के तहत मंगलवार को मिनी सचिवालय से 5 विकास रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस दौरान अंतरराष्ट्रीय भपंग वादन ग्रुप के लोक कलाकारों ने विकास योजनाओं पर आकर्षक प्रस्तुति दी।जिला कलक्टर ने कहा कि ग्राम रथ अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में सरकार की कृषि, पशुपालन एवं ग्रामीण क्षेत्रों से संबंधित जनहितैषी योजनाओं का लाभ अंतिम छोर तक पहुंचाना और आमजन की समस्याओं का मौके पर ही समाधान करना है।

नदी में युवक की डूबने से मौत

बौंली- बामनवास। बरनाला तहसील क्षेत्र के टिगरिया गांव के पास मोरल नदी में मंगलवार को नहाने गए युवक अशरफ निवासी पीपलदा पुलिस थाना बौंली की नहाते समयगहरे पानी चले जाने के कारण डूबने से मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार पीपलदा निवासी अशरफ मवेशियों को खरीदने का कार्य करता था इसी दौरान वह ग्रामीण क्षेत्रों में जाते हुए बरनाला तहसील के टिगरिया गांव में पहुंचा जहां पास में बह रही मोरेल नदी पर करीब दोपहर 11 बजे नहाने चला गया, इसी दौरान वह गहरे पानी में चले जाने के कारण डूब गया। काफी समय तक उसके बाहर नहीं निकलने पर आसपास के ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाला एवं उसके शरीर को उल्टा-सीधा पानी निकाल कर बचाने का प्रयास किया लेकिन वह असफल रहे, युवक की मौत हो चुकी थी। सूचना पाकर बाटोदा थाना से सहायक उप निरीक्षक पुष्पेंद्र सिंह मय टीम के मौके पर पहुंचे तब तक परिजन मृतक को लेकर अपने गांव जा चुके थे। पुलिस ने गांव पहुंच कर शव को पोस्टमार्टमके लिए ले जाने प्रयास किया लेकिन परिजनों ने मना कर दिया।

प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व शिव पंचायत को कराया भ्रमण

नरैना। कस्बा स्थित सिंगली की पाल अंतिम उड़ान एयरपोर्ट मोक्षधाम में सैनी समाज के भंवरलाल दहिया द्वारा नवनिर्मित भूतेश्वर महादेव मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व मंगलवार की सांय भक्तिमय स्वरलहरियों के साथ सजे-धजे ट्रैक्टर में शिव पंचायत को भ्रमण करवाया गया। नरैना विकास मंडल के सत्यनारायण शर्मा ने बताया कि शिव पंचायत की प्रतिमाओं का भ्रमण भंवर लाल दहिया के निवास से शुरू होकर बाग वाले बालाजी मंदिर, आजाद चौक, रैगर मौहल्ला होते हुए सिंगली की पाल स्थित मंदिर परिसर में पूर्ण हुआ। बसंत-ऋतुराज सैनी ने बताया कि बुधवार सुबह शिव पंचायत की विधि विधान व मंत्रोच्चारण के साथ पंडितों की उपस्थिति में प्राण प्रतिष्ठा होगी।

आवेदन प्रवेश प्रक्रिया 31 मई तक

शाहपुरा। देवनारायण राजकीय बालिका आवासीय विद्यालय पिपलोद शाहपुरा में सत्र 2026 - 27 के लिए प्रवेश प्रक्रिया चल रही है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग द्वारा संचालित इस विद्यालय में कक्षा 6 की 40 सीट एवं कक्षा 7 से 12 तक की रिक्त सीटों पर वरीयता के अनुसार प्रवेश दिया जा रहा है। प्रधानाचार्य महेंद्र कुमार सैनी ने बताया कि प्रवेश के लिए इच्छुक छात्रा ऑनलाइन आवेदन नवीन प्रवेश पोर्टल एसजेएमएस पर एसएसओ आईडी से आवेदन कर सकती है। प्रवेश के लिए एसबीसी ईडब्ल्यूएस, एससी, एसटी, ओबीसी की पात्र छात्राएं आवेदन कर सकते है। ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 31 मई 2026 है।

पाटोत्सव कार्यक्रम तैयारी को लेकर बैठक आज

दौसा । जांगिड़ ब्राह्मण समाज की बैठक 29 मई बुधवार को सायं 5 बजे जांगिड़ ब्राह्मण छात्रावास गणेशपुरा में बैठक आयोजित की जावेगी। जिसमें 3 मई को भगवान विश्वकर्मा मंदिर के तृतीय पाटोत्सव कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रुप दिया जावेगा। महामंत्री कृष्णावतार जांगिड़ ने बताया कि गणेशपुरा जांगिड़ ब्राह्मण छात्रावास स्थित भगवान विश्वकर्मा मंदिर पर 3 मई को आयोजित होने वाले पाटोत्सव कार्यक्रम की तैयारी को लेकर समाज बंधु व पदाधिकारियों की बैठक सांय 5 बजे से जांगिड़ छात्रावास परिसर में आयोजित होगी।

खैरथल में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार का महाअभियान शुरू

खैरथल। सरकार अब खुद चलकर गांव-ढाणी तक पहुंचेगी। मंगलवार को कलेक्ट्रेट परिसर से तीन विधानसभा क्षेत्रों के लिए 'ग्राम रथ' रवाना होते ही खैरथल-तिजारा जिले में जनकल्याणकारी योजनाओं के प्रचार का महाअभियान शुरू हो गया। जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश, पूर्व विधायक रामहेत यादव और जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर ने हरी झंडी दिखाकर एलईडी युक्त विशेष रथों को रवाना किया। ये रथ 15 दिन तक हर ग्राम पंचायत मुख्यालय पर चौपाल लगाकर किसानों को 'ग्राम' यानी ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट और खेती की नई तकनीक से जोड़ेंगे।

कलेक्टर ने रथों का निरीक्षण कर निर्देश दिए कि प्रचार सामग्री हर पंचायत तक पहुंचे और कोई गांव छूटे नहीं। रथ में लगी एलईडी स्क्रीन पर मुख्यमंत्री का संदेश और योजनाओं की लघु फिल्में दिखाई जाएंगी। साथ चलने वाले लोक कलाकार नुक्कड़ नाटक व लोकगीतों से योजनाओं को आसान भाषा में समझाएंगे।

ग्राम रथ अभियान तिजारा, किशनगढ़ बास और मुंडावर विधानसभा क्षेत्र की सभी ग्राम पंचायतों में चलाया जाएगा।

रथों के जरिए कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, सहकारिता, उद्योग, ऊर्जा, राजस्व, पर्यावरण एवं ग्रामीण विकास सहित 13 विभागों की योजनाओं की जानकारी दी जाएगी। हर पंचायत में योजनाओं की पुस्तिकाएं व पैम्पलेट बांटे जाएंगे और शाम को संध्या चौपाल आयोजित होगी।

कलेक्टर ने बताया कि हर ग्राम रथ में सुझाव पेटिका रखी गई है। ग्रामीण अपनी समस्या या सुझाव लिखकर उसमें डाल सकेंगे। इन सभी पत्रों को एकत्र कर राज्य सरकार तक भेजा जाएगा। अभियान की मॉनिटरिंग के लिए जिला स्तर पर अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पंचायत स्तर पर संबंधित विभागीय अधिकारी मौजूद रहकर ग्रामीणों की समस्याएं सुनेंगे और मौके पर समाधान का प्रयास करेंगे।

इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलेक्टर शिवपाल जाट, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रामदयाल, मंडल अध्यक्ष मनीष शर्मा, रामबाबू, अशोक डाटा, अनिल मांधु, तरुण दुलानी सहित सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

जिला कलेक्टर अतुल प्रकाश, पूर्व विधायक रामहेत यादव व जिला प्रमुख बलबीर छिल्लर ने ग्राम रथों को हरी झंडी दिखाई।

- गांव ढाणी तक पहुंचेंगे विकास के रथ, कलेक्टर और जनप्रतिनिधियों ने झंडी दिखाकर किया रवाना
- एलईडी रथ से होगी योजनाओं की फिल्मी जानकारी, नुक्कड़ नाटक व शाम को संध्या चौपाल का होगा आयोजन, रथ में लगी सुझाव पेटिका में लिख सकेंगे समस्या, सुझाव सीधे पहुंचेंगे सरकार तक

कार-ट्रेलर भिड़ंत में दो लोगों की मौत

जयपुर। जयपुर ग्रामीण के रायसर थाना इलाके में मंगलवार को दौसा-मनोहरपुर हाईवे पर तेज रफ्तार का कहर देखने को मिला। बहलोड गांव के पास देव लाइब्रेरी के सामने कार और ट्रेलर की आमने-सामने जोरदार भिड़ंत में दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि एक छात्रा समेत तीन लोग गंभीर घायल हो गए।

थानाधिकारी हेमराज सिंह गुर्जर ने बताया कि मनोहरपुर की ओर से दौसा जा रही कार में एक महिला सहित चार लोग सवार थे, जो उत्तर प्रदेश निवासी थे और सीकर स्थित खाटू श्याम जी मंदिर में दर्शन कर वापस लौट रहे थे। इसी दौरान सामने से आ रहे ट्रेलर से उनकी टक्कर हो गई।

प्रारंभिक जानकारी में सामने आया कि सड़क पार कर रही एक छात्रा को बचाने के प्रयास में कार अनियंत्रित हो गई और सामने से आ रहे ट्रेलर से टकरा गई। हादसा इतना भीषण था कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई, जबकि ट्रेलर सड़क से नीचे उतर गया।

रूपगढ़ पैलेस में शाही परंपराओं के बीच शाही फेरे हुए

शाहपुरा । जयपुर ग्रामीण सांसद राव राजेंद्र सिंह के सुपुत्र राजकुमार देवायुष सिंह रविवार को मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की दोहिती कात्यायनी सिंह के साथ परिणय सूत्र में बंध गए। मीडिया प्रभारी सुभाष जोशी ने बताया कि चंदवाजी स्थित रूपगढ़ पैलेस में आयोजित इस हाई-प्रोफाइल विवाह समारोह में सत्ता, राजनीति, खेल जगत, उद्योग जगत की नामचीन हस्तियों सहित वीआईपी, वीवीआईपी मेहमानों का जमावड़ा रहा। इस दौरान बिशनगढ़ फोर्ट से पारंपरिक शाही लवाजमे और शाही बारात के साथ राजकुमार देवायुष सिंह रूपगढ़ पैलेस पहुंचे जिनका भारतीय परंपरा अनुसार जोरदार स्वागत सत्कार किया गया। इस दौरान वैदिक मंत्रोच्चार के बीच शुभ मुहूर्त में विवाह की मुख्य रस्में संपन्न हुई। समारोह में राजस्थानी लोक संगीत और पधारो म्हारे देश की धुनों ने समां बांध दिया।

विवाह में पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़, महामहिम राज्यपाल हरिभाऊ किशनराव बागडे, पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया, उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री दिया कुमारी, चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर, पूर्व स्वायत्त शासन मंत्री प्रताप सिंह सिंघवी, सीकर के पूर्व सांसद सुमेधानंद सरस्वती, राज्य मंत्री गौतम दक, भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सतीश पूनिया, गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम, पूर्व चिकित्सा मंत्री नरपत सिंह राजवी, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य, पूर्व क्रिकेटर अजय जडेजा, जमवारामगढ़ विधायक महेंद्र पाल मीणा, लालचंद कटारिया, राजेंद्र यादव, विराटनगर विधायक कुलदीप धनकड़, रामलाल शर्मा सहित कई मंत्रियों, सांसदों और विधायकों ने शिरकत की। इस दौरान जयपुर ग्रामीण पुलिस द्वारा सुरक्षा के लिहाज से कड़े इंतजाम किए गए।

उपमुख्यमंत्री दीयाकुमारी राजकुमार देवायुष की शादी में शामिल हुई।

- सांसद राव राजेंद्र सिंह के सुपुत्र देवायुष पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह की दोहिती कात्यायनी के साथ परिणय सूत्र में बंधे, दिग्गजों ने आशीर्वाद दिया

राम कथा के आठवें दिन पंचवटी प्रसंग का मार्मिक चित्रण किया

पावटा। कस्बे के प्राचीन गोपाल भैया मंदिर में मंदिर महंत मोहनदास रामायणी महाराज के सान्निध्य में चल रही संगीतमयी रामकथा के आठवें दिन श्रद्धा, भक्ति और भावनाओं का अद्भुत संगम देखने को मिला। घाटीधाम से आये कथावाचक बाबूराम महाराज ने अरण्य काण्ड और किष्किंधा काण्ड के महत्वपूर्ण प्रसंगों का विस्तार से वर्णन करते हुए श्रद्धालुओं को भाव-विभोर कर दिया। कथा के दौरान पंचवटी प्रसंग का मार्मिक चित्रण किया गया, जहाँ भगवान श्रीराम, लक्ष्मण और माता सीता ने गोदावरी तट पर कुटिया बनाकर निवास किया। आचार्य ने बताया कि यहीं शूर्पणखा प्रकरण, स्वर्ण मृग का छल और लक्ष्मण रेखा की घटना के बाद सीता हरण हुआ, जो रामायण का सबसे महत्वपूर्ण मोड़ बनकर लंका युद्ध की भूमिका तैयार करता है। इसके बाद शबरी प्रसंग में नवधा भक्ति का सुंदर वर्णन किया गया।

आचार्य श्री ने बताया कि भगवान राम ने शबरी को भक्ति के नौ स्वरूप बताए-सत्संग, कथा श्रवण, गुरु सेवा, निष्कपट भजन, मंत्र जाप, इन्द्रिय संयम, समभाव, संतोष और सरलता। उन्होंने कहा कि सच्ची भक्ति में अहंकार का स्थान नहीं होता, और शबरी इसका सर्वोत्तम उदाहरण हैं। कथा में आगे ऋष्यमूक पर्वत पर राम-सुग्रीव मित्रता का प्रसंग सुनाया गया, जहाँ हनुमान जी ने ब्राह्मण वेश में आकर राम से भेंट करवाई। अग्नि को साक्षी मानकर हुई इस मित्रता में राम ने सुग्रीव को बाली से मुक्ति दिलाने का वचन दिया, वहीं सुग्रीव ने माता सीता की खोज में पूर्ण सहयोग का संकल्प लिया। इसी प्रसंग से हनुमान जी की लंका यात्रा का मार्ग प्रशस्त हुआ। कथावाचक बाबूराम महाराज ने कहा कि पंचवटी, शबरी और सुग्रीव मित्रता के ये तीनों प्रसंग मानव जीवन को धर्म, भक्ति और मर्यादा का सच्चा मार्ग दिखाते हैं। कथा के दौरान महाराज ने रामायण के सुंदरकांड का प्रसंग सुनाया।

उन्होंने बताया कि जब श्रीराम ने हनुमान जी से पूछा कि लंका कैसे जली, तो हनुमान जी ने विनम्रता से उत्तर दिया कि लंका रावण के पाप, सीता के संताप, ब्राह्मणों के श्राप, प्रभु के प्रताप और पवनदेव की कृपा से जली।

रामकथा के आठवें दिन भक्तों का भीड़ उमड़ी।

- विभीषण का घर सुरक्षित रहना यह दर्शाता है कि धर्म के मार्ग पर चलने वाले व्यक्ति विपत्ति में भी सुरक्षित रहते हैं- बाबूराम महाराज

जलदाय विभाग के पंप चालक ने भाजपा नेता पर दबंगई दिखाई

किशनगढ़ बास। जलदाय विभाग के पम्प चालक की दबंगई उस समय सामने आई जब उसने शिकायत करने पर भाजपा मंडल अध्यक्ष से ही अभद्रता कर डाली। कनिष्ठ अभियंता से फोन छीनकर गाली-गलौच करने और फिर बेटों को बुलाकर धमकाने के आरोप में अधीक्षण अभियंता ने पम्प चालक गिर्राज प्रसाद सेन को तत्काल प्रभाव से किशनगढ़ बास से हटाकर टपूकड़ा भेजें जाने के आदेश दिए है। आदेश में कहा गया जांच पूरी होने तक कर्मचारी टपूकड़ा में ड्यूटी देगा। भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल ने बताया कि 24 अप्रैल को सायं करीब 5 बजे उन्होंने कर्मचारियों की शिकायत को लेकर कनिष्ठ अभियंता लक्ष्मी सैनी को फोन किया था। बातचीत के दौरान पास खड़े पम्प चालक गिर्राज प्रसाद ने जेईएन से फोन छीन लिया और अभद्र भाषा में गाली-गलौच करने लगा। कर्मचारी यहीं नहीं रुका, फोन कर अपने लड़कों को भी मौके पर बुला लिया। लड़कों ने अधिकारी लक्ष्मी सैनी के सामने ही अपशब्द बोले और धमकाया। उस वक्त पार्षद तेज सिंह सैनी भी मौके पर मौजूद थे। उन्होंने कर्मचारी को समझाने का प्रयास किया, लेकिन गिर्राज प्रसाद धमकी भरे अंदाज में बोला - जो सीखा है वो कर लेना।

घटना के बाद मंडल अध्यक्ष ने पूरे मामले की लिखित शिकायत अधिशासी अभियंता को दी। अधिकारी ने मामले को गंभीर मानते हुए तत्काल कार्रवाई की। आदेश जारी कर पम्प चालक गिर्राज प्रसाद सेन को किशनगढ़ बास से हटाकर टपूकड़ा स्थानांतरित कर दिया। साथ ही पूरे प्रकरण की विभागीय जांच के निर्देश भी दिए गए हैं। विभागीय अधिकारियों का कहना है कि जनप्रतिनिधियों और महिला अधिकारी के सामने इस तरह का व्यवहार बिल्कुल बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। अनुशासनहीनता पर जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाई जाएगी।

- अधिशासी अभियंता ने भाजपा मंडल अध्यक्ष मनोज मित्तल की शिकायत पर लिया एक्शन, कर्मचारियों को लगाया टपूकड़ा पूरे मामले की जांच के दिए निर्देश

शाही लवाज़मे के साथ भगवान परशुराम की शोभायात्रा निकली

निवाई। सकल ब्राह्मण समाज के तत्वावधान में मंगलवार को धूमधाम से भगवान परशुराम जी की भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में हजारों लोग शामिल हुए।

समिति के हेमराज शर्मा व जगमोहन गौतम ने बताया कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव सप्ताह के समापन पर श्री राधा दामोदर जी के मंदिर में भगवान परशुराम जी की पूजा अर्चना की गई। विनोद तिवाडी व सर्वेश द्विवेदी ने बताया कि मुख्य अतिथि सीताराम शर्मा अलियाबाद ने भगवान परशुराम और शोभायात्रा ध्वज का विधि विधान से वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में पूजा अर्चना की। इस दौरान संत मनीषदास महाराज, राम मंदिर समिति अयोध्या के अध्यक्ष राजानंद हरीश शास्त्री, रा.ब्रा.महासभा के जिलाध्यक्ष पवन शर्मा, परशुराम जन्मोत्सव समिति के अध्यक्ष हनुमान शर्मा, संयोजक कुंदन शर्मा सहित विभिन्न गणमान्य लोगों ने वैदिक आचार्यों के सान्निध्य में आरती की। भगवान परशुराम की भव्य झांकी के साथ विशाल शोभायात्रा राधादामोदर कुंड से बैडबाजे और डीजे के साथ रवाना हुई। शोभा यात्रा में बग्घी में भगवान परशुराम जी की भव्य आकर्षक झांकी सजाई गई।

शोभायात्रा में संकीर्तन मंडल द्वारा रामधुनी व सुंदरकांड मंडली संगीतमय सुंदरकांड का पठन करते हुए चल रही थी। पंडित रामफूल शर्मा ने बताया कि शोभायात्रा में शहर व उपखंड क्षेत्र के विभिन्न गांवों से हजारों विप्र बंधुओं ने भाग लिया। परशुराम शोभायात्रा में ड्रोन से पुष्प वर्षा की गई। शोभायात्रा में जगह जगह विभिन्न समाज के संगठनों द्वारा भगवान परशुराम की महाआरती कर पुष्प वर्षा की गई। पटेल रोड़ पर राजेश चौधरी गुरूजी के सानिध्य में आरती करके शोभा यात्रा का स्वागत किया। शोभायात्रा शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए जैन पैराडाइज गार्डन पहुंची। जहां भगवान परशुराम की समाज के लोगों ने 2100 दीपकों से सामूहिक महाआरती की।

इसके बाद भोग लगाकर श्रद्धालुओं को महाप्रसादी करवाई गई। इस दौरान एडवोकेट रमेश शर्मा, भागीरथ पारीक, अजय पारीक, शिवप्रकाश पारीक, सुरेन्द्र दाधीच, राजेन्द्र गौतम, सतीश शर्मा, नाथूलाल शर्मा, संजय पारीक, भंवर तिवाड़ी, प्रदीप पारीक, रामप्रसाद शर्मा, हनुमान शर्मा, कजोड़ पणियारा, कैलाशचन्द शर्मा, राजू जमात, एडवोकेट अनुराग शर्मा व आदित्य पारीक सहित हजारों लोग मौजूद थे।

भगवान परशुराम शोभायात्रा में शामिल श्रद्धालु।

- भगवान परशुराम जन्मोत्सव सप्ताह के समापन पर श्री राधा दामोदर जी के मंदिर में भगवान परशुराम जी की पूजा अर्चना की

पावटा में नदी भूमि पर अवैध कब्जे पर कार्रवाई

पावटा। कस्बे में नदी क्षेत्र की भूमि पर किए गए अवैध कब्जे को लेकर प्रशासन ने सोमवार को कार्रवाई करते हुए सीमांकन करवाकर अतिक्रमण हटवा दिया। यह कार्रवाई बजरंग दल व गौ सेवा से जुड़े कार्यकर्ताओं द्वारा लगातार उठाए जा रहे मुद्दे के बाद संभव हो सकी। जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल 2026 को तहसीलदार के निर्देश पर एक टीम गठित कर मौके पर भेजी गई, जहां पटवारी द्वारा भूमि का सीमांकन किया गया। सीमांकन के दौरान स्पष्ट हुआ कि गोपाल अग्रवाल व मनोज अग्रवाल द्वारा खरीदशुदा भूमि में कुछ भूमि राजस्व रिकॉर्ड के अनुसार नदी क्षेत्र की भूमि है। इसके बाद प्रशासन ने मौके पर ही जेसीबी मशीन की सहायता से अवैध कब्जे को हटवाते हुए भूमि को पुनः नदी क्षेत्र में मिला दिया। अधिकारियों ने संबंधित पक्ष को भविष्य में इस प्रकार का कब्जा नहीं करने की सख्त हिदायत भी दी। मामले में बजरंग दल व गौ सेवा के कार्यकर्ताओं का आरोप था कि अतिक्रमण का विरोध करते हुए पिछले पांच दिनों से इस मुद्दे को लेकर लगातार आवाज उठाई थी।

सार-समाचार

खाद-बीज विक्रेताओं की देशव्यापी हड़ताल को समर्थन

मनोहरपूर। देशव्यापी हड़ताल एवं महाबंद के आव्हान के तहत शाहपुरा तहसील खाद-बीज विक्रेता यूनियन ने आदान विक्रेताओं की विभिन्न मांगों को लेकर उप जिला मजिस्ट्रेट एवं उपनिदेशक कृषि शाहपुरा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से विक्रेताओं ने अपनी समस्याओं के समाधान, व्यापारिक हितों की सुरक्षा तथा विभागीय प्रक्रियाओं में सुधार की मांग उठाई। तहसील अध्यक्ष ओम प्रकाश सैनी के नेतृत्व में सौंपे गए ज्ञापन में खाद-बीज विक्रेताओं ने सरकार से मांगों पर सकारात्मक निर्णय लेकर शीघ्र समाधान करने की अपील की। इस दौरान क्षेत्रमल यादव, गंगाराम सैनी, रामस्वरूप पूनिया, राम सिंह पूनिया, सुभाष चंद्र अग्रवाल, अशोक अग्रवाल, अमरचंद यादव, मोनू शर्मा, मोहनलाल शर्मा, रामकिशन, विनोद कुमार, श्याम सुंदर सैनी, मनोहर लाल सहित अनेक विक्रेता मौजूद रहे। मनोहरपुर क्षेत्र से उपाध्यक्ष बाबूलाल गुप्ता, सुरेश चंद, रामकुमार यादव, मदनलाल सैनी, महेंद्र सैनी, नाथावाला एवं पूरणमल जाट भी कार्यक्रम में शामिल हुए। यूनियन पदाधिकारियों ने कहा कि यदि उनकी मांगों पर शीघ्र उचित कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। इस दौरान तहसील क्षेत्र के खाद-बीज विक्रेताओं में एकजुटता देखने को मिली।

प्रगतिशील किसानों को सम्मानित किया

दौसा। ग्राम रथ अभियान के शुभारंभ अवसर पर जिला कलक्ट्रेट में मंगलवार को जिला कलक्टर डॉ. सौम्या झा ने आत्मा योजना अंतर्गत वर्ष 2025-26 में विभिन्न गतिविधियों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले जिले के 4 प्रगतिशील कृषकों को सम्मानित किया। कृषि विभाग के सहायक निदेशक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि इस अवसर पर ग्राम जौण के काश्तकार सुब्रत कुमार शर्मा को आंवला आधारित मूल्य संवर्धित उत्पाद आंवला कैंडी, आंवला चूर्ण, मुरब्बा, अचार, आंवला पाचक, चटपटा आंवला एवं आंवला अमचूरके निर्माण में उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। इसी प्रकार ग्राम रजवास के नंदलाल मीणा को उद्यानिकी क्षेत्र में पॉलीहाउस के माध्यम से हरी एवं लाल शिमला मिर्च उत्पादन तथा नींबू एवं बेर के फलोत्पादन में उल्लेखनीय योगदान के लिए सम्मानित किया गया। इसी तरह ग्राम इन्दावा के कमलेश जागा को जैविक खेती में उत्कृष्ट कार्य करने तथा ग्राम रेटा के प्रकाश चंद बैरवा को सूअर पालन में नवाचार अपनाने पर प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

निवाई। भीषण गर्मी के प्रकोप को देखते उप डाक घर के तत्वावधान में पोस्ट मास्टर रामलाल मीणा के सानिध्य में डाक कर्मियों और अभिकर्ताओं ने बेजुबान पक्षियों के लिए डाक घर परिसर में 11 परिंडे बांधे। निवाई अल्प बचत महिला अभिकर्ता अध्यक्ष शकुन्तला छाबड़ा ने बताया कि तापमान व चिलचिलाती धूप में जहां इंसान बेहाल है, वहीं बेजुबान पक्षियों के लिए पीने के पानी का संकट गहरा गया है। जिसको लेकर डाक विभाग के कर्मियों व अभिकर्ताओं ने उप डाक घर परिसर में 11 परिंडे बांधे। इन परिंडों में शीतल जल भरा गया व पक्षियों के लिए चुग्गे की व्यवस्था भी की गई। पोस्ट मास्टर रामलाल मीणा ने पर्यावरण संरक्षण और जीव सेवा का संदेश देते हुए कहा कि गर्मी के मौसम में पक्षियों के लिए दाने और पानी का प्रबंध करना सबसे सराहनीय और नेक कार्य है। उन्होंने बताया कि जैसे-जैसे पारा चढता है, कुएं व तालाब सहित अन्य जल स्त्रोत सूखने लगते हैं। जिससे पक्षियों और पशुओं को पानी की तलाश करना अत्यंत कठिन हो जाता है। ऐसे समय में हमारी सामूहिक जिम्मेदारी बनती है कि हम अधिक से अधिक परिंडे लगाएं और उनमें नियमित पानी भरने का संकल्प लें। इस दौरान मौजूद सभी डाक कर्मियों और अभिकर्ताओं ने संकल्प लिया कि वह इन परिंडों में प्रतिदिन पानी डालेंगे ताकि कोई भी पक्षी प्यास से नहीं तड़पे। इस अवसर पर डाक कर्मी भरतकुमार बैरवा, निरंजन शर्मा, अजय बैरवा, अंकेश चौधरी, भगवान सहाय लखेरा, अप्रित शर्मा, पृथ्वीराज मीणा, डाक अभिकर्ता दीपक गुप्ता, महावीर छाबड़ा, शकुंतला छाबड़ा, संतोष गुप्ता, प्रियंका जैन, पंकज शर्मा, महावीरप्रसाद जैन व अभिषेक आहूजा सहित कई डाक कर्मी व अभिकर्ताओं ने सक्रिय रूप से भाग लिया और समाज को पर्यावरण के प्रति जागरूक रहने का आव्हान किया।

गहलोद हत्याकांड का आरोपी गिरफ्तार

टोंक। जिला पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में पीपलू वृताधिकारी रामअवतार के सुपरविजन एवं थानाधिकारी पीपलू राजकुमार के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा थाना पीपलू में दर्ज गहलोद हत्याकांड प्रकरण में गिरोह बनाकर अपराध कर 4 माह से फरार चल रहे आरोपी जीतराम माली व 5 हजार रूपये का ईनामी अपराधी रामसिंह बैरवा को टीम ने सोमवार को गिरफ्तार किया गया है। इस प्रकरण मे अन्य आरोपियों की तलाश व अनुसंधान जारी है। पीपलू थानाधिकारी ने बताया कि गत 17 दिसम्बर 2025 को हुई घटना जो ग्राम गहलोद स्थित चौराहे पर आरोपी हसीन खान व उसके साथियों द्वारा लाठी, डण्डों व सरियों द्वारा परिवादी कालू उर्फ भाला जाट व मुकेश जाट के ऊपर पूर्व रंजिश को लेकर जानलेवा हमला कर दिया तथा हाथ पैर आदि तोडकर मौके से फरार हो गये। इस बीच मुकेश जाट की दौराने ईलाज जाट की मृत्यु हो गयी थी । जिसके बाद पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर आरोपियों की तलाश प्रारम्भ की थी। प्रकरण में अब 14 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है एवं शेष की तलाश व अनुसंधान जारी है।

चलते ट्रेलर में भड़की भीषण आगः ड्राइवर ने कूदकर बचाई जान

जयपुर। जिले के चौमूं थाना इलाके में जयपुर-सीकर हाईवे पर हाड़ौता पुलिया के पास सोमवार देर रात एक चलते ट्रेलर में अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी तेजी से फैली कि ट्रेलर से धुआं और ऊंची लपटें उठने लगीं। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए ट्रेलर चालक ने तत्परता दिखाते हुए वाहन से कूदकर अपनी जान बचाई।सूचना मिलते ही दमकल की दो गाड़ियां मौके पर पहुंचीं और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। समय रहते आग बुझा लेने से बड़ा हादसा टल गया। हालांकि आग की चपेट में आने से ट्रेलर का कुछ हिस्सा, टायर और अन्य पुर्जे जलकर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।प्राप्त जानकारी के अनुसार ट्रेलर जयपुर से सीकर की ओर जा रहा था और खाली था। प्रारंभिक जांच में आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है, हालांकि वास्तविक कारण का खुलासा विस्तृत जांच के बाद ही हो सकेगा।

हम निश्चित रूप से जितना खिताब जीतना चाहते थे, उतना नहीं जीत पाए हैं और जाहिर तौर पर हम चाहते हैं कि इस गर्मियों में यह बदले।"
- नैट सिवर ब्रंट

इंग्लैंड महिला टीम की कप्तान, टी-20 विश्वकप जीतने को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

पुल्लेला गोपीचंद

भारत के मुख्य कोच पुल्लेला गोपीचंद का नजरिया अलग है। मौजूद जानकारी के अनुसार, उन्होंने पहले ही संकेत दिए थे कि 15 अंक प्रणाली चोटिल खिलाड़ियों के लिए राहत भरी हो सकती है, क्योंकि मौजूदा 21 अंक प्रणाली में खेल काफी ज्यादा शारीरिक रूप से कठिन हो गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इससे खिलाड़ियों की जोखिम लेने की क्षमता प्रभावित हो सकती है। खिलाड़ियों की बात करें तो इस बदलाव पर मिश्रित प्रतिक्रियाएं देखने को मिल रही हैं। बैडमिंटन विश्व महासंघ ने खेल के अंक प्रणाली में बड़ा बदलाव करते हुए 3 गेम में 15 अंक का नया नियम लागू करने का फैसला किया है।

क्या आप जानते हैं ?... भारत ने 7 बार 250 का विशाल स्कोर बनाया है, जो किसी भी टीम द्वारा सबसे अधिक है।

भुवनेश्वर कुमार के सिर सजी पर्पल कैप

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। आईपीएल 2026 में 10 टीमों के बीच ट्रॉफी के लिए जंग जारी है तो वहीं खिलाड़ियों के बीच पर्पल कैप और ऑरेंज कैप जीतने की भी होड़ मची हुई है। आरसीबी के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार ने दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ तीन विकेट लेकर पर्पल कैप अपने नाम कर ली है। हालांकि, सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में वह पहले नंबर पर जरूर आ गए हैं, लेकिन उनके विकेट चेन्नई सुपर किंग्स के अंशुल कंबोज और सनराइजर्स हैदराबाद के ईशान मलिंगा के बराबर ही हैं। आरसीबी के भुवनेश्वर कुमार ने आईपीएल 2026 में अब तक आठ मैचों में 14 विकेट हासिल किए हैं। चेन्नई के अंशुल कंबोज के नाम भी 8 मैचों में 14 विकेट हैं। वहीं सनराइजर्स हैदराबाद के मलिंगा भी इतने ही मैचों में 14 विकेट ले चुके हैं। इसके बाद तीन गेंदबाजों ने 13-13 विकेट झटके हैं। इसमें राजस्थान रॉयल्स के जोफ्रा आर्चर, लखनऊ सुपर जाएंट्स के प्रिंस यादव और गुजरात टाइटंस के कगिसो रबाडा हैं। वहीं ऑरेंज कैप फिलहाल सनराइजर्स हैदराबाद के अभिषेक शर्मा के नाम है। अभिषेक के आठ मैचों में 380 रन हैं, हालांकि, केएल राहुल, वैभव सूर्यवंशी, विराट कोहली और हेनरिक क्लासेन भी दावेदारों की लिस्ट में हैं। फिलहाल अभी तक 9 बल्लेबाज हैं जिन्होंने 300 से ज्यादा रन ठोके हैं।

राजस्थान ने 6 विकेट से जीता मैच, पंजाब को मिली पहली हार

// फरेरा-यशस्वी और शुभम चमके //

चड़ीगढ़, 28 अप्रैल। राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को उसके घर में घुसकर 6 विकटों से रौंद दिया है और अब तक अजेय रही टीम के घमंड को मिट्टी में मिला दिया है। पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब की टीम ने 223 रनों का लक्ष्य दिया था, जिसे ने 19.4 ओवर में हासिल कर लिया। मुल्लापुर में खेले जा रहे इस मुकाबले में राजस्थान रॉयल्स के कप्तान रियान पराग ने पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया।

पहले बल्लेबाजी करने के मौके को पंजाब किंग्स ने खूब भुनाया। सलामी बल्लेबाज प्रियांश आर्या 11 गेंदों में 29 रनों की विस्फोटक पारी खेलकर आउट हुए। इसके बाद प्रभसिमरन सिंह ने 35 गेंदों में अर्धशतक जडते हुए 44 गेंदों में 59 रन बनाए। कूपर कोनोली ने 14 गेंदों में 30 रनों की ताबडतोड पारी खेली जिससे रन रेट मेंटेन रहा। आज के मैच में कप्तान श्रेयस अय्यर रन बनाने के लिए संघर्ष करते नजर आए और 27 गेंदों में 30 रन बनाकर आउट हुए।

मार्कस स्टोइनिस ने शानदारि फिनिशिंग टच देते हुए बृजेश शर्मा के

आखिरी ओवर में 24 रन जडे। उन्होंने 2024 के बाद अपनी पहली फिफ्टी सिर्फ 20 गेंदों में बनाई। स्टोइनिस 4 चौके और 6 छक्कों की मदद से 22 गेंदों में 62 रन बनाकर पवेलियन लौटे। राजस्थान की ओर से यशराज पुंजा को 2 और नांद्र बर्गर और आर्चर को एक-एक विकेट मिले। सभी गेंदबाज महंगे साबित हुए और अपने चार ओवर के स्पेल में जडेजा को छोडकर सभी ने 40 से ऊपर रन दिए। 223 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करते हुए राजस्थान रॉयल्स की टीम ने हमेशा की तरह विस्फोटक शुरुआत की और सिर्फ पहली 19 गेंदों में ही 50 रन पूरे कर लिए। टीम का स्कोर जब 51 रन था तब वैभव सूर्यवंशी 16 गेंदों में 43 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद यशस्वी जायसवाल और ध्रुव जुरैल ने पारी को संभाला। जायसवाल ने 27 गेंदों में 51 रनों की पारी खेली, जबकि ध्रुव जुरैल ने 20 गेंदों में 16 रन बाए। इन बल्लेबाजों के आउट होने के बाद रियान पराग और फरेरा ने पारी को संभाला।

हालांकि, 16 गेंदों में 29 रन बनाकर फरेरा यूजी चहल की गेंद पर चलते बने। फरेरा और इंपैक्ट प्लेयर के रूप में आए शिवम दुबे ने राजस्थान रॉयल्स की जीत को सुनिश्चित किया। डोवानन फरेरा ने 26 गेंदों में 52 रन बनाए जबकि शुभम दुबे ने 12 गेंदों में 31 रनों की इंपैक्टफुल पारी खेली और टीम को 6 विकेट से जीत दिलाई। राजस्थान रॉयल्स ने पंजाब किंग्स को 4 गेंद शेष रहते 6 विकेट से हराया।

आईपीएल प्लेऑफ की रेस के लिए मुंबई का करो या मरो मैच, हैदराबाद की तूफानी फॉर्म देगी कड़ी चुनौती

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। पांच बार की चैंपियन मुंबई इंडियंस को अगर अपनी किस्मत पलटनी है तो उसे शानदार फॉर्म में चल रहे सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ बुधवार को होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के महत्वपूर्ण मुकाबले में खेल के हर विभाग में अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुंबई की टीम पहले सात मैचों में पांच में हार से चार अंक लेकर नौवें स्थान पर है। उसे चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ 103 रन से करारी शिकस्त का सामना करना पड़ा था जिससे उसका नेट रन रेट भी बिगड़ गया है।

मुंबई की टीम की चिंता भारत की टी20 विश्व कप विजेता टीम के चार खिलाड़ियों में शामिल कप्तान हार्दिक पंड्या (तीन विकेट और 97 रन) और सूर्यकुमार यादव (110) का खराब प्रदर्शन है। तिलक वर्मा के गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आईपीएल में पहले शतक से मुंबई लगातार चार मैचों में हार का सिलसिला तोड़ने में सफल रहा था लेकिन चेन्नई से मिली करारी हार ने एक बार फिर उसके लड़खड़ाते अभियान को और भी मुश्किल में डाल दिया। मुंबई इंडियंस के स्टार तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का प्रदर्शन भी निराशाजनक रहा है। वह अभी तक केवल दो विकेट ले पाए हैं। बुमराह बीच के ओवर और डेथ ओवरों में गेंदबाजी करते रहे हैं लेकिन पिछले दो मैच में उन्होंने गेंदबाजी की शुरुआत की क्योंकि अन्य गेंदबाज मुंबई को अच्छी शुरुआत दिलाने में नाकाम रहे थे। न तो ट्रेंट बोल्ट (एक विकेट) और ना ही दीपक चाहर (एक) अपने आक्रामक तेवर दिखा पाए हैं।

सनराइजर्स में पिछले मैच में वैभव सूर्यवंशी के शतक के बावजूद राजस्थान रॉयल्स को हराया था। अभिषेक शर्मा टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाने के बाद फॉर्म में लौट आए हैं और वह इसका पूरा फायदा उठाने की कोशिश करेंगे। उन्होंने अब तक 212.29 के स्ट्राइक रेट और 54.28 के औसत से 380 रन बनाए हैं, जिसमें एक शतक और तीन अर्धशतक शामिल हैं। ईशान किशन (312) और हेनरिक क्लासेन (349) ने भी बल्लेबाजी ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन ट्रैविस हेड (186) से टीम को और अधिक उम्मीदें होंगी, जो अभी तक इस टूर्नामेंट में खास प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं। कप्तान पैट कमिंस की वापसी से सनराइजर्स का गेंदबाजी आक्रमण मजबूत हुआ है। मुंबई इंडियंस के बल्लेबाजों को उनसे सतर्क रहना होगा। सनराइजर्स की टीम अभी अंक तालिका में तीसरे स्थान पर है।

के.एम. रूंगटा ट्रॉफी रोहन सिंह का अर्द्धशतक

जयपुर, 28 अप्रैल। जयपुर जिला क्रिकेट संघ द्वारा आयोजित के एम रूंगटाजी ट्रॉफी में आज जयपुरिया ग्राउंड पर खेले गए जा रहे मैच में टीम बी ने पहले दिन के स्कोर 3 विकेट पर 41 रन से आगे खेलते हुए रोहन राजभर के 42 रन, आरव सैनी के 28 रन व रोहन सिंह के 69 रनो से 58.2 ओवर में 192 रन बनाकर आउट हो गई। टीम ए के लिए हिमांशु राणा ने 86 पर 3, आयुष आमेरिया ने 15 पर 2, आदित्य टांक ने 21 पर 2, मेहुल पारीक, रमेश शर्मा व शुभम खंडेलवाल ने एक - एक विकेट लिया। टीम ए ने पहली पारी में 91 रनो की बड़त प्राप्त की। टीम ए ने दूसरे दिन का खेल समाप्त होने तक अपनी दूसरी पारी में विवेक सैनी के 24 रन, भावित कुमावत के 23 रन, कुमार वासुदेव नाबाद 38 रन व गौरव सालवी के नाबाद 32 रनो से 31 ओवर में 3 विकेट के नुकसान पर 131 रन बना लिए थे। टीम बी के लिए निखिल कोहली ने 43 पर 2 व आर्यन यादव ने 41 पर एक विकेट लिया।

स्टेट लेवल यूथ कप अंडर-17 जी.आर. एकेडमी ने नारायणा एकेडमी को हराया

जयपुर, 28 अप्रैल। राजस्थान यूथ क्रिकेट क्लब द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय यूथ कप अंडर 17 में आज खेले गए मैच में जी आर एकेडमी ने नारायणा एकेडमी को 161 रनो से हराया। जी आर एकेडमी ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए इशांत शर्मा के 42 रन, रियांश भाटिया के 56 रन, यथार्थ भारद्वाज के 77 रन, युवराज सिंह के 76 रन व कृष्ण गुर्जर के 96 रनो की उपयोगी पारियों से 50 ओवर में 393 रन बनाए। नारायण एकेडमी के लिए मयंक सैनी के 89 पर 2, विराट गुर्जर, चेतन, हिमांशु व नवीन बुरी ने एक एक विकेट लिया। जवाबी पारी में नारायण एकेडमी की टीम पवन चौधरी के 49 रन, चेतन सुथार के 46 रन, चर्चित पुरोहित के 26, नवीन बुरी के 21 रनो से 47.2 ओवर में 232 रन बनाकर आल आउट हो गई। जी आर एकेडमी के लिए प्रतीक चौधरी ने 21 पर 2, रोहन चौधरी ने 38 पर 2, गौरव पुनिया ने 45 पर 2, राजवीर चौधरी ने 37 पर 2 विकेट लिए।

एसबीएस क्रिकेट अकादमी जीती

जयपुर, 28 अप्रैल। अंडर-12 पिंकसिटी कप में एसबीएस क्रिकेट अकादमी ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 40 ओवर में 336 रन 6 विकेट के नुकसान पर बनाएं! अरमान सिंह ने 109, रितेश चौधरी ने 62, वीर शंकर ने 49 और कमल ने 37 रनों का योगदान दिया। वर्धमान क्रिकेट अकादमी की ओर से वेदांत और मयंक ने 3-3 विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी वर्तमान क्रिकेट अकादमी 40 ओवर में 101 रन पर ऑल आउट हो गई। पीयूष शर्मा ने 26 और शशांक जैन ने 20 रनों का योगदान दिया। एसबीएस क्रिकेट अकादमी की ओर से रितेश चौधरी और चिराग जाकर ने 2-2 विकेट लिए। मैन ऑफ द मैच अरमान सिंह को चुना गया।

भारतीय महिला टीम ने 1-4 से गंवाई टी-20 सीरीज

द. अफ्रीका दौरे पर पावरप्ले की गलतियों ने डुबोई लुटिया : हमनप्रीत कौर

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। कप्तान हरमनप्रीत कौर ने कहा है कि टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 1-4 से निराशाजनक हार के बाद भारत को फिर से एकजुट होकर आगे का रास्ता खोजना होगा। भारत ने 156 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए एक बार फिर बल्लेबाजी में खराब प्रदर्शन किया और उसे 23 रन से हार का सामना करना पड़ा। इंग्लैंड में होने वाले टी20 विश्व कप से ठीक दो महीने पहले मिली यह हार एक बड़ा झटका साबित होगी। हरमनप्रीत ने मैच के बाद कहा, "हमें एक समूह के तौर पर साथ बैठकर सोचना होगा कि आगे कैसे बढ़ना है। यह हमारे लिए निराशाजनक है लेकिन इसमें हमारे लिए बहुत सी सकारात्मक बातें और सीखने के लायक चीजें भी हैं।" भारत की शुरुआत खराब रही और शुरुआती चार ओवर के भीतर ही शेफाली वर्मा और जेमिमा रोड्रिग्स के विकेट गिर गए और टीम फिर कभी संभल नहीं पाई क्योंकि दक्षिण अफ्रीका नियमित अंतराल पर विकेट लेता रहा। आज हमने बीच-बीच में अच्छा प्रदर्शन किया।

हमने शुरुआती 15-16 गेंदों पर ही छह विकेट गंवा दिए : अक्षर पटेल

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। दिल्ली कैपिटल्स के कप्तान अक्षर पटेल ने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के खिलाफ इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 में अपनी टीम की नौ विकेट से करारी शिकस्त के बाद कहा कि उन्हें भी नहीं पता चला कि टीम ने इतनी जल्दी विकेट कैसे गंवा दिए, लेकिन बल्लेबाजों को इसके लिए व्यक्तिगत जिम्मेदारी लेनी होगी। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर सोमवार को यहां कैपिटल्स के बल्लेबाज भुवनेश्वर कुमार (पांच रन पर तीन विकेट) और जोश हेजलवुड (12 रन पर चार विकेट) के सामने बेबस नजर आए। अक्षर ने मैच के बाद संवाददाता सम्मेलन में बल्लेबाजों की विफलता के बारे में पूछे जाने पर कहा कि उन्हें भी नहीं पता कि टीम ने चार ओवर के अंदर छह विकेट कैसे गंवा दिए। अक्षर ने कहा, "हमारी किस्मत थोड़ी खराब रही। हमने शुरुआती 15-16 गेंदों पर ही छह विकेट गंवा दिए। मुझे भी पता नहीं चला कि यह कैसे हुआ।" उन्होंने कहा, "किसी भी खिलाड़ी के लिए व्यक्तिगत तैयारी जरूरी है। आप यह

कह सकते हैं कि टीम के तौर पर ट्रेनिंग करनी चाहिए, लेकिन हर खिलाड़ी को हर तरह की पिच और शीर्ष स्तर की गेंदबाजी के खिलाफ खेलने के लिए खुद जिम्मेदारी लेनी होगी।" उन्होंने कहा, "मैं जब भी खेलता हूं, चाहे अंतरराष्ट्रीय मैच हो, आईपीएल हो या घरेलू क्रिकेट, पर्याप्त व्यक्तिगत तैयारी के बिना मैदान पर नहीं उतरता हूं।" उन्होंने कहा कि खिलाड़ियों के दिमाग में शायद पंजाब किंग्स के खिलाफ अपने रिकॉर्ड स्कोर का बचाव नहीं कर पाने की बात हावी थी। उन्होंने कहा, "मुझे लगता है कि पिछले मैच की बातें खिलाड़ियों के दिमाग में थीं। इतना बड़ा स्कोर डिफेंड नहीं कर पाने की बात कहीं न कहीं असर डाल रही थी।"

इंग्लैंड ने की महिला टी-20 विश्वकप के लिए टीम घोषित

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने आईसीसी महिला टी20 विश्व कप 2026 के लिए मंगलवार को इंग्लैंड की 15 सदस्यीय टीम की घोषणा की जिसकी अगुआई ऑलराउंडर नैट स्काइवर ब्रंट करेंगी। स्काइवर ब्रंट की कप्तानी वाली इंग्लैंड की यही टीम मई-जून में भारत और न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली सीरीज में भी हिस्सा लेगी जिसके बाद टी20 विश्व कप होगा। यह स्काइवर ब्रंट सातवां टी20 विश्व कप होगा। भारतीय महिला टीम तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और लॉर्ड्स में एक टेस्ट मैच खेलने के लिए इंग्लैंड का दौरा करेगी। टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच मई के आखिर या जून की शुरुआत में होने हैं जबकि टेस्ट मैच 10 से 13 जुलाई तक होगा। यह इस प्रतिष्ठित मैदान पर इंग्लैंड की महिला टीम के मैच की 50वीं वर्षगांठ का मौका भी है। इंग्लैंड टीम में नया नाम 18 वर्षीय सरे की स्पिनर टिली कोर्टिन कोलमैन हैं जो अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण करेंगी।साथ ही वारविकशर की इसी वोंग और डरहम की लॉरेन फाइलर को भी पहली बार टी20 विश्व कप के लिए टीम में जगह मिली है। सरे की डैनी वाट हॉज अपने आठवें टी20 विश्व कप में खेलेंगी। समरसेट की चार्जी डीन टीम की उप कप्तान होंगी जबकि हैंपशर की तेज गेंदबाज लॉरेन बेल गेंदबाजी आक्रमण की अगुवाई करेंगी।

इंग्लैंड महिला टीम - नैट स्काइवर ब्रंट, लॉरेन बेल, एलिस कैप्सी, टिली कोर्टिन कोलमैन, चार्ली डीन, सोफिया डंकली, सोफी एकलेस्टोन, लॉरेन फाइलर, डैनी गिब्सन, एमी जोन्स, फ्रेया केम्प, हीथर नाइट, लिन्से स्मिथ, इसी वोंग और डैनी वाट हॉज।

उबर कप फाइनल्स : भारत को चीन से 0-5 की करारी हार, टूर्नामेंट से बाहर

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। डेनमार्क के हॉर्सेंस में खेले जा रहे उबर कप फाइनल्स में भारतीय महिला बैडमिंटन टीम का अभियान चीन के खिलाफ 0-5 की हार के साथ समाप्त हो गया। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधु ने मजबूत स्थिति के बावजूद मैच गंवा दिया, जिससे भारत के लिए वापसी के रास्ते बंद हो गए। भारतीय टीम ने अपने अभियान की शुरुआत मेजबान डेनमार्क से 2-3 की हार के साथ की थी, लेकिन इसके बाद यूक्रेन को 4-1 से हराकर उम्मीदें जगाई थीं। हालांकि, 16 बार की चैंपियन चीन के खिलाफ टीम को कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ा। पहले एकल मुकाबले में पीवी सिंधु ने दुनिया की नंबर-2 खिलाड़ी वांग झी यी के खिलाफ शानदार शुरुआत की। निर्णायक गेम में 18-12 की बढ़त लेने के बावजूद सिंधु मैच को अपने नाम नहीं कर सकीं और 16-21, 21-19, 19-21 से हार गईं। इस हार से चीन ने 1-0 की बढ़त बना ली। पहले युगल मुकाबले में प्रिया कोंजेंगबाम और श्रुति मिश्रा की जोड़ी को विश्व नंबर-1 लियू शेंग शू और तान निंग के खिलाफ 11-21, 8-21 से हार का सामना करना पड़ा।

माइंस एंड जियोलोजी प्रीमियर लीग प्रतियोगिता का विजेता

खिताब जयपुर जोन के नाम, जोधपुर जोन उपविजेता

जयपुर, 28 अप्रेल। खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित इंटर जोन क्रिकेट की माइंस एण्ड जियोलोजी प्रीमियर लीग प्रतियोगिता में जयपुर जोन की टीम विजेता रही। जयपुर जोन की टीम ने कप्तान सुशील हुड्डा के नेतृत्व में जोधपुर जोन की टीम के विरुद्ध 27 रनों से जीतकर खिताब जयपुर जोन के नाम किया। जयपुर जोन की टीम सदस्यों ने कप्तान सुशील हुड्डा और उपकप्तान अमिताभ जगावत के नेतृत्व में अधीक्षण खनि अभियंता जयपुर एनएस शक्तावत, प्रताप मीणा, एडीजी आलोक जैन, अधीक्षण भूविज्ञानी संजय सक्सैना और खनि अभियंता जयपुर श्याम कापड़ी, अलवर मनोज शर्मा, एएमई सुभाष डांगी को विजेता शिल्ड प्रस्तुत की। माइंस एण्ड जियोलोजी प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के संयोजक अतिरिक्त निदेशक मुख्यालय महेश माथुर ने बताया कि प्रतियोगिता में जयपुर, जोधपुर, कोटा, बीकानेर, उदयपुर जोन एवं निदेशालय की टीमों ने हिस्सा लिया। उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा इस तरह की प्रतियोगिता अब प्रतिवर्ष आयोजित की जाएगी। प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम ने तीन-तीन मैच खेलें। फाइनल मैच जयपुर व जोधपुर जोन के बीच खेला गया। उन्होंने बताया कि खान एवं भूविज्ञान विभाग द्वारा 1994 में अंतिम बार खेल प्रतियोगिता का आयोजन किया गया था। माइंस एण्ड जियोलोजी प्रीमियर लीग प्रतियोगिता के फाइनल मुकाबलें में जयपुर जोन की टीम ने पहले खेलते हुए निर्धारित 15 ओवर में 9 विकेट खोकर 119 रन बनाये। जवाब में जोधपुर जोन की टीम निर्धारित 15 ओवर में 9 विकेट खोकर 92 रनों पर सिमट गई। जयपुर जोन की टीम की और से सर्वाधिक हंसराज मीणा ने 62 रन बनाएं और सर्वाधिक विकेट ने लिए। माइंस एण्ड जियोलोजी प्रीमियर लीग प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज और मैन ऑफ द टूर्नामेंट जोधपुर जोन के पवन कांतीवाल और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाज राजेश बेनीवाल रहे। जयपुर जोन की टीम में सुशील हुड्डा, अजिताभ जगावत, नारायण रावत, सुमित चौधरी, लक्ष्मण चौधरी, पमरवीर सिंह, हिमांशु मीणा, हंसराज मीणा, महेन्द्र यादव, विनित दारा और दीपक चौहान व अजित चौधरी, लेखराज जांगिड़, श्रीकांत शर्मा, रफीक अहमद और देवेन्द्र चौधरी अतिरिक्त खिलाड़ी रहे।

एक पहलवान, दो राज्य, दो जन्म प्रमाण-पत्र! डब्ल्यूएफआई ने सरकारी सिस्टम की खामियों पर उठाए गंभीर सवाल

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) ने संभाजी नगर में राष्ट्रीय चैंपियनशिप के पहले दिन एक अंडर17 महिला पहलवान को प्रतियोगिता में भाग लेने से रोक दिया, क्योंकि उसके पिता ने अलग-अलग राज्यों से दो जन्म प्रमाण पत्र पेश किए थे जिससे सरकारी स्तर पर दस्तावेज़ सत्यापन में स्पष्ट कमियां भी उजागर हुईं। मध्य प्रदेश की तरफ से महिलाओं के 57 किलोग्राम वर्ग में भाग लेने की इच्छुक पहलवान (नाम गुप्त रखा गया है) के जन्म प्रमाण पत्रों में विसंगतियां पाई गई थी जिसके बाद अधिकारियों ने उसे प्रतियोगिता में भाग लेने से रोक दिया।

मध्य प्रदेश में जारी किए गए एक जन्म प्रमाण पत्र में जन्म तिथि 26 अगस्त, 2010 बताई गई है, लेकिन पंजीकरण और जारी करने की तिथि 16 नवंबर 2021 दिखाई गई है। यह तिथि जन्म के एक दशक

से भी अधिक समय बाद की है। इस प्रमाण पत्र में श्योपुर जिले का पता अंकित है और इसे ग्राम पंचायत कार्यालय ने जारी किया था। डब्ल्यूएफआई के एक सूत्र के अनुसार पंजीकरण में देरी के बारे में पूछे जाने पर इस पहलवान के पिता ने राजस्थान से जारी किया गया एक और जन्म प्रमाण पत्र प्रस्तुत किया। नए जन्म प्रमाण पत्र में भी जन्मतिथि 26 अगस्त 2010 ही दर्ज है लेकिन उसमें पंजीकरण की तिथि एक सितंबर 2010 बताई गई है। यह पंजीकरण राजस्थान के श्रीगंगानगर में हुआ था और जन्म स्थान के रूप में वहां के एक निजी नर्सिंग होम का उल्लेख किया गया है। हालांकि यह प्रमाणपत्र इसके काफी बाद अप्रैल 2025 में जारी किया गया था।

राइबाकिना टूर्नामेंट से बाहर, ज्वेरेव ने प्री-क्वार्टर फाइनल में बनाई जगह

मैड्रिड, 28 अप्रैल। मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर देखने को मिला, जहां ऑस्ट्रेलियन ओपन चैंपियन एलेना राइबाकिना को चौथे दौर में हार का सामना करना पड़ा। वहीं, पुरुष वर्ग में जर्मनी के स्टार खिलाड़ी अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बना ली। विश्व नंबर-2 कजाखस्तान की एलेना राइबाकिना को 56वीं रैंकिंग की अनास्तासिया पोटापोवा ने 7-6 (10-8), 6-4 से हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। पहले सेट में दोनों खिलाड़ियों ने दो-दो बार सर्विस ब्रेक किया।

राजस्थान क्रिकेट संघ : डेनमार्क क्रिकेट के मध्य राजस्थान क्रिकेट के विकास के लिए ऐतिहासिक सहमति : आशीष तिवाड़ी

जयपुर, 28 अप्रैल। आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य आशीष तिवाड़ी के अनुसार आरसीए एडहॉक कमेटी संयोजक डॉ मोहित जसवंत यादव के प्रयासों से आज डेनमार्क के भारत में राजदूत श्री रासमुस अबिलडगार्ड क्रिस्टेनसेन आरसी ऑफिस, आरसीए अकादमी पहुंचे व आरसीए एडहॉक सदस्य आशीष तिवाड़ी से मुलाकात कर राजस्थान क्रिकेट संघ के इतिहास में पहली बार राज्य के युवा खिलाडियों को अंतर्राष्ट्रीय प्लेटफार्म उपलब्ध कराने के अपने प्रयासों के तहत डेनमार्क - राजस्थान क्रिकेट संघ के मध्य एक्सचेंज प्रोग्राम पर गहन चर्चा की । डॉ मोहित जसवंत यादव , संयोजक एडहॉक के अनुसार हमारी कमेटी राज्य के युवा खिलाडियों को हर स्तर पर खेल वातावरण , उच्च स्तरीय प्रशिक्षण सहित

राष्ट्रिय , अंतर्राष्ट्रीय परिस्थितियों के अनुरूप अपने खेल को विकसित करने के लिए प्रयासरत है उसी कड़ी में आज डेनमार्क के राजदूत रासमुस अबिलडगार्ड क्रिस्टेनसेन ने अपनी टीम के साथ आरसीए एडहॉक कमेटी सदस्य आशीष तिवाड़ी से मुलाकात कर डेनमार्क क्रिकेट व राजस्थान क्रिकेट संघ के मध्य क्रिकेट तकनीक के विस्तार के साथ युवा खिलाडियों को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की परिस्थितियों के अनुभव का लाभ देने के लिए जल्द से जल्द टीमों के एक्सचेंज प्रोग्राम को शुरू करने पर गहन चर्चा हुई। आशीष तिवाड़ी के अनुसार डेनमार्क के राजदूत रासमुस अबिलडगार्ड क्रिस्टेनसेन से आज मुख्य रूप से दोनों के मध्य अंडर 19 पुरुष / महिला टीमों के मध्य खेल गतिविधियों के आयोजन पर चर्चा हुई व आगे के चरण में सभी आयुवर्ग के खिलाडियों को भी इस प्रग्राम से जोड़ा जायेगा। तिवाड़ी ने बताया आज डेनमार्क के राजदूत ने ऐतिहासिक व अंतर्राष्ट्रीय स्तर के सवाई मान सिंह स्टेडियम ग्राउंड का दौरा किया आरसीए एडहॉक सदस्य आशीष तिवाड़ी से स्टेडियम के महत्त्व की जानकारी ली।

राजस्थान सरकार
कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर, झालावाड़
क्रमांकः उनि/जनगणना 2027/निविदा/2026/895 दिनांकः-24.04.2026
ई-निविदा सूचना संख्या 01/2026-27
कार्यालय प्रमुख जनगणना अधिकारी एवं जिला कलक्टर, झालावाड़ के अधीन जिला स्तर पर जनगणना कार्य हेतु 2 तकनीकी सहायक व 1 एमटीएस एवं प्रत्येक चार्ज स्तर पर 1 तकनीकी सहायक कुल 22 तकनीकी सहायक तथा 1 एमटीएस को कार्य जॉब बेसिस (Outsource of work) पर करवाने हेतु इच्छुक पात्र संवेदकों से 24.04.2026 से 04.05.2026 तक निविदा आमंत्रित की जाती है। जिसकी अनुमानित लागत राशि 79.52 लाख रूपये है। विस्तृत निविदा https://eproc.rajasthan.gov.in and https://sppp.rajasthan.gov.in पर देखी जा सकती है ।
NIB-ESD2627A0054 UBN-ESD2627SLOB00056
उप जिला जनगणना अधिकारी
झालावाड़
DIPR/C/7490/2026

pwd_bundi@rediffmail.com Ambedkarr Circle, Lanka Gate, Bundi
कार्यालय अधिशाषी अभियन्ता सा.नि.वि., खण्ड-बून्दी
क्रमांक :- 69 दिनांक : 21.04.2026
निविदा सूचना संख्या 01/2026-27
NIB Code: PWD2627A0211
राजस्थान के राज्यपाल महोदय की ओर से इस खण्ड के अंतर्गत सी0सी0/ इन्टरलोकिंग सडको का निर्माण कार्य के लिये उपयुक्त श्रेणी में सार्वजनिक निर्माण विभाग राजस्थान में पंजीकृत संवेदकों एवं राज्य सरकार/केन्द्र सरकार के अधिकृत संगठनों / केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग/डाक एवम् दूर संचार विभाग / रेल्वे इत्यादि में पंजीकृत संवेदकों, जो कि राजस्थान सरकार के ए, ए बी, सी, डी श्रेणी के संवेदकों के समकक्ष हो, से कार्यों हेतु ई-टेण्डरिंग के माध्यम से निर्धारित प्रपत्र में प्राप्त की जायेंगी। निविदा से सम्बन्धित विवरण वेब साईट www.dipronline.org व http://www.pwd.rajasthan.gov.in व http://eproc.rajasthan.gov.in पर देखा जा सकता है। निविदा अपलोड करने की तारीख 04.05.2026 से 18.05.2026 को सायं 6:00 बजे तक।
UBN is: - 1. PWD2627WSOB00926, 2. PWD2627WSOB00927, 3. PWD2627WSOB00928 4. PWD2627WSOB00929, 5. PWD2627WSOB00930, 6. PWD2627WSOB00931 7. PWD2627WSOB00932, 8. PWD2627WSOB00933, 9. PWD2627WSOB00934
(शेखर चन्द मीना)
अधिशाषी अभियन्ता
सा.नि.वि., खण्ड बून्दी
DIPR/C/7467/2026

प्रशिक्षण ही हमारी पार्टी को अन्य दलों से अलग बनाता है- भजनलाल

राष्ट्रीय सहसंयोजक सांसद बीडी शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण भाजपा का संगठनात्मक कौशल विकास कार्यक्रम है

जयपुर 28 अप्रैल । भाजपा प्रदेश मुख्यालय में मंगलवार से 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' का शुभारंभ हुआ। प्रशिक्षण महाभियान को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण हमारी ताकत है। हमारे कार्यकलाप और विचारधारा ही प्रशिक्षण का आधार है। हम पहले राष्ट्र,

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे कार्यकलाप, विचारधारा ही प्रशिक्षण का आधार हैं। प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि जो सीखता है, वह बढ़ता है, जो सीखना बंद कर देता है, वह बढ़ना भी बंद कर देता है।**

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश मुख्यालय में 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026' का शुभारंभ किया।इस अवसर पर महाभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक एवं सांसद वीडी शर्मा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ मौजूद थे।

फिर पार्टी और अंत में स्वयं के लिए कार्य करते है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रशिक्षण ही हमारी पार्टी को अन्य दलों से अलग बनाता है। एक समय था, जब विपक्ष पंचायत से पार्लियामेंट तक था, लेकिन आज कहां पहुंच गया, सबके सामने है।

इसका मुख्य कारण उस संगठन में प्रशिक्षण अभियान की कमी, संगठन की रीति और नीति का अभाव है। हमारे सभी कार्यकर्ताओं, अपने कार्य को हथियार बना लो, पार्टी आप को मौका अवश्य देगी। कार्यकर्ताओं को कार्य देना और उसका परिणाम लेना हमारा मुख्य उद्देश्य है। हमें सभी कार्यकर्ताओं को समान व्यवहार के साथ कार्य का बंटवारा करना चाहिए।

इस अवसर पर महाभियान के राष्ट्रीय सह संयोजक एवं सांसद वीडी शर्मा ने जिला प्रभारियों और जिलाध्यक्षों को संबोधित करते हुए कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 भाजपा का एक प्रमुख वैचारिक और संगठनात्मक कौशल विकास कार्यक्रम है, जो बूथ स्तर से लेकर राज्य स्तर तक कार्यकर्ताओं को एकात्म मानववाद और अंत्योदय के सिद्धांतों में प्रशिक्षित करता है। इसका उद्देश्य पार्टी विचारधारा को मजबूत करना, कार्यपद्धति में निखार लाना और डिजिटल माध्यमों से कार्यकर्ताओं को आधुनिक बनाना है।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड ने कहा कि प्रशिक्षण तराशने की प्रक्रिया है। जो सीखता है, वह बढ ता है, जो सीखना बंद कर देता है, वो बढ ना भी बंद कर देता है। उन्होंने कहा कि व्यक्ति निर्माण से ही संगठन का निर्माण होता है।

इस दौरान मंच पर प्रदेश उपाध्यक्ष ज्योति मिर्धा, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगडी, भूपेन्द्र सैनी, कैलाश मेघवाल, प्रशिक्षण महाभियान में प्रशिक्षण के प्रदेश संयोजक मिथिलेश गौतम, सह संयोजक मनीष पारीक, जगदीश धानदिया, महिला मोर्चा प्रदेश प्रभारी संतोष अहलावत उपस्थित थे।

रूस मध्यस्थता को तैयार, ईरानी विदेश मंत्री तीसरी बार पाकिस्तान पहुंचे

तेहरान/मास्को, 28 अप्रैल। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से 27 अप्रैल को मुलाकात करने के बाद ईरान के विदेशमंत्री अब्बास अराघची एक बार फिर पाकिस्तान पहुंचे हैं। ईरान ने अमेरिका के साथ होर्मुज़ जलडमरूमध्य पर चल रहे टकराव के लिए कूटनीतिक प्रयास तेज कर दिए हैं।

- **ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची की 48 घंटे में यह तीसरी पाकिस्तान यात्रा है।**

पुतिन ने कहा कि रूस मध्य पूर्व में जल्द से जल्द शांति सुनिश्चित करने के लिए अपनी पूरी ताकत लगाने को तैयार है।

ईरान के प्रेस टीवी और रूस की समाचार एजेंसी तास की रिपोर्ट के अनुसार, अराघची के पाकिस्तान पहुंचने के बाद अमेरिका-ईरान युद्ध खत्म होने को लेकर अटकलें तेज हो गई है।

अराघची मंगलवार को रूस दौरे के बाद एक बार फिर 48 घंटे में तीसरी बार पाकिस्तान पहुंचे हैं।

एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट ठप्प होने के कगार पर

मिडिल ईस्ट संकट के कारण ईंधन की बढ़ती कीमतों ने खतरे की घंटी बजाई

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 28 अप्रेल। मध्य-पूर्व संकट ने भारत के विमानन क्षेत्र में चेतावनी की घंटी बजा दी है, कई एयरलाइंस ने चिंता जताई है कि उच्च ईंधन कीमतों के कारण वे "संचालन बंद करने" की कगार पर हैं। कम से कम तीन एयरलाइंस, जिनमें टाटा के स्वामित्व वाली एयर इंडिया शामिल है, ने सरकार से एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में संशोधन करने का अनुरोध किया है, जो एक एयरलाइन के संचालन लागत का लगभग 40 प्रतिशत बढ़ा देता है।

फैडरेशन ऑफ इंडियन एयरलाइन्स (एफआईए) ने नागरिक उड्डयन मंत्रालय को लिखे पत्र में कहा है, "... किसी भी अस्थायी मूल्य निर्धारण (घरेलू बनाम अंतरराष्ट्रीय) और/या एटीएफ की अतार्किक वृद्धि एयरलाइंस के लिए असहनीय नुकसान का कारण बनेगी और इसके

- **तीनों एयरलाइंस ने कहा कि ईंधन की कीमतें बढ़ने से उनकी लागत 40 प्रतिशत बढ़ गई हैं। उन्होंने केन्द्र सरकार से तुरंत दखल देने और विमानों के ईंधन "एटीएफ" की बढ़ती कीमतों को देखते हुए आर्थिक पैकेज देने की मांग की।**

परिणामस्वरूप विमान जमीन पर खड़े हो जायेंगे, जिससे उड़ानें निरस्त करनी पड़ेंगी।"

एफआईए में एयर इंडिया, इंडिगो और स्पाइसजेट शामिल हैं।

26 अप्रैल को लिखे इस पत्र में एफआईए ने कहा है, "जीवित रहने, संचालन बनाए रखने और जारी रखने के लिए, तथा वर्तमान स्थिति से निपटने के लिए हम आपकी त्वरित और सार्थक वित्तीय मदद के अत्यावश्यक हस्तक्षेप का अनुरोध करते हैं।"

फैडरेशन ने कहा कि लॉन्ग-हॉल रूट्स पर उड़ानें सबसे अधिक प्रभावित हैं। उन्होंने मंत्रालय से अनुरोध किया कि राहत के लिये ईंधन मूल्य निर्धारण की विधि घरेलू और अंतरराष्ट्रीय संचालन दोनों में समान हो, जैसा पहले किया गया था, जिसे "क्रैक बैंड" कहा जाता है।

"क्रैक बैंड" एक ऐसी एटीएफ मूल्य निर्धारण प्रणाली है जो कच्चे तेल और परिष्कृत एटीएफ की कीमतों के बीच अत्यधिक अंतर को रोकती है।

सरकार ने घरेलू संचालन के लिए एटीएफ की कीमत में वृद्धि को 15 रुपये प्रति लीटर तक सीमित कर दिया, लेकिन अंतरराष्ट्रीय संचालन के लिए यह वृद्धि 73 रुपये प्रति लीटर कर दी गई।

बंगाल में दूसरे व अंतिम चरण का मतदान आज

कुल 142 सीटों पर मतदान होगा जिन पर 1448 प्रत्याशी मैदान में हैं

कोलकाता, 28 अप्रैल। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के दूसरे और अंतिम चरण के अंतर्गत राज्य की 142 विधानसभा सीटों के लिए बुधवार को मतदान होगा। अंतिम चरण में राजधानी कोलकाता के अलावा, उत्तर 24 परगना, दक्षिण 24 परगना, हावड़ा, हुगली, नदिया और पूर्व बर्धमान जिलों में मतदान कराए जाएंगे।

इस चरण में एक हजार 448 उम्मीदवार मैदान में हैं। तृणमूल कांग्रेस और कांग्रेस ने सभी 142 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतारे हैं, जबकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) 141 सीटों पर चुनाव लड़ रही है।

चुनाव आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, दूसरे चरण के लिये एक हजार 463 नामांकन प्राप्त हुए। इनमें 15 लोगों का नामांकन रद्द कर दिया गया है। दक्षिण 24 परगना के भांगड़ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक 19 उम्मीदवार चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि सबसे कम पांच उम्मीदवार हुगली की गोघाट (एससी) सीट पर चुनाव लड़ रहे हैं। इस चरण में सात जिलों के कुल

- **दूसरे चरण में भवानीपुर सीट पर भी मतदान होगा जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी चुनाव लड़ रही हैं।**

तीन करोड़ 21 लाख73 हजार 837 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे, जिनमें एक करोड़ 64 लाख 35 हजार627 पुरुष तथा एक करोड़ 57 लाख 37 हजार 418 महिला मतदाताओं के अलावा, 792 तृतीय लिंग के मतदाता शामिल हैं।

इस चरण में कोलकाता की भवानीपुर विधानसभा सीट पर सबकी नजरें टिकी है, जहां से मुख्यमंत्री ममता बनर्जी का मुकाबला नेता प्रतिपक्ष एवं भारतीय जनता पार्टी उम्मीदवार शुभेन्दु अधिकारी से है। वर्ष 2021 के चुनाव में नंदीग्राम में दोनों के बीच कड़ा मुकाबला हुआ था, जिसमें शुभेन्दु अधिकारी ने जीत दर्ज की थी।

शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिये चुनाव आयोग ने व्यापक इंतजाम किए हैं। लगभग सभी मतदान केन्द्रों पर केन्द्रीय अर्धसैनिक बलों की तैनाती की गई है और संवेदनशील व अति-संवेदनशील बूथों पर विशेष निगरानी रखी जा रही है। वेबकास्टिंग, सीसीटीवी निगरानी और लगातार फ्लैग मार्च के जरिए शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने की कोशिश की जा रही है।

चुनाव आयोग सूत्रों के अनुसार, सबसे अधिक उत्तरी 24 परगना जिले में कुल 507 कंपनियां तैनात की जा रही हैं। उत्तर 24 परगना के बारासात पुलिस जिले में 112 कंपनियों की तैनाती की जा रही हैं, जबकि बनगांव जिले में 62 कंपनी बल की तैनाती की जा रही है। इसी तरह अन्य जिलों में भी शांतिपूर्ण एवं निष्पक्ष मतदान सुनिश्चित करने के लिए व्यापक सुरक्षा इंतजाम किए गए हैं।

गत 23 अप्रैल को पहले चरण में राज्य की 152 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था, जिसमें 92 प्रतिशत से अधिक मतदान दर्ज किया गया। मतगणना आगामी चार मई को होगी।

पांच सितारा ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने फरवरी, 2024 की बैठक में होटल को नया प्रस्ताव मानते हुए क्लीयरेंस देने से इनकार कर दिया। इस समिति ने जिस नियम नोटिफिकेशन को लागू करते हुए ताज आमेर होटल को क्लीयरेंस देने से इनकार किया, वह गलत इसलिए हैं, क्योंकि यह नियम-कायदे नए होटलों पर लागू होता है, लेकिन पूर्व में स्थापित उन होटलों पर लागू नहीं होता है, जिनकों पूर्व में पर्यावरणीय स्वीकृति दी जा चुकी है।

उधर याचिकाकर्ता की दलीलों का विरोध करते हुए केन्द्र सरकार की ओर से कहा गया कि याचिका में विशेषज्ञ निकाय की राय को चुनौती दी गई है। ऐसे में अदालत को हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। यह होटल नाहरगढ़ सेंचुरी से मात्र 90 मीटर की दूरी पर स्थित है। उन्होंने नियम का उल्लंघन करते हुए कहा कि, नाहरगढ़ सेंचुरी के 1 किलोमीटर के दायरे को ईको सेंसिटिव ज़ोन माना गया है, जहां पर होटल्स का संचालन नहीं किया जा सकता। इस पर अदालत ने मामले को सुनने के बाद कहा कि, राष्ट्रीय वन्यजीव बोर्ड की स्थायी समिति ने तर्कहीन फैसला दिया है, क्योंकि जिस नोटिफिकेशन को देखते हुए वन्यजीव क्लीयरेंस रद्द किया गया है, उसमें साफ लिखा है कि यह केवल नए होटलों पर लागू हो सकता है, स्थापित होटलों पर नहीं। इस समिति ने होटल के पक्ष को सही तरह से सुना तक नहीं है। ऐसे में इस आदेश को निरस्त किया जाता है।

ट्रंप पर ईरान वॉर खत्म करने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

उनके पास विकल्प हैं, जैसे कि 30 दिन की बढ़ोतरी का अनुरोध करना या अथॉराइजेशन फॉर यूज़ ऑफ मिलिट्री फोर्सेज़ (एयूएमएफ) लेना, लेकिन डेमोक्रेटिक विरोध इसकी प्रक्रिया को जटिल बनाता है।

यदि कानून लागू होता है, तो इसका मतलब है कि ट्रम्प स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकेबंदी कायम नहीं रख सकते।

होर्मुज़ एक महत्वपूर्ण जलमार्ग है, जो दुनिया की लगभग 20 प्रतिशत तेल और गैस की आपूर्ति हैंडल करता है और कुछ रिपोर्टों के अनुसार, यह अमेरिकी रणनीति का केन्द्र है, जिससे चीन को ईंधन रोकने और अमेरिका को महत्वपूर्ण समुद्री स्थानों पर प्रमुख स्थिति में लाने की कोशिश की जा रही है। एक्सियॉन के अनुसार, इसका मतलब यह भी है कि तीन से पांच दिन की वर्तमान युद्धविराम अवधि, जो ट्रम्प ने ईरान को दी थी, शायद ईरान के लिए जीत बन जाएगी।

इसलिए ट्रम्प समय सीमा और कठिन स्थिति के बीच फंस गए हैं; राष्ट्रपति ईरान से ऐसे ही बाहर नहीं आना चाहते, वे कुछ ऐसा हासिल करना चाहते हैं, जिसे अमेरिका की जीत के रूप में बता सकें और नवंबर के मध्यावधि चुनावों के लिए चुनावी लाभ प्राप्त कर सकें।

यदि अमेरिका और ईरान लंबी अवधि का शांति समझौता कर लेते हैं, तो इसे दोनों पक्षों की "जीत" के रूप में दिखाने वाले पर्याप्त प्रावधानों के साथ होना चाहिए।

इससे ट्रम्प वॉर पावर एक्ट के दबाव से बच सकते हैं, सैनिकों को घर बुला सकते हैं और यह दावा कर सकते हैं कि उन्होंने अमेरिका को "अनंत युद्ध" में नहीं घसीटा। यह सैनिकों की स्थिति सुधारने और मिसाइल स्टॉक्स (विशेष रूप से पैट्रियट इंटरसेप्टर और टॉमहॉक) को फिर से भरने का अवसर भी देता है।

संभावना कम है, लेकिन असंभव नहीं। तेहरान ने युद्ध समाप्त करने का प्रस्ताव दिया है, बशर्ते अमेरिका हवाई हमले बंद करे और नाकेबंदी हटा दे। इसके बदले में, स्ट्रेट ऑफ होर्मुज़ फिर से खुल जाएगा।

संपूर्ण रूप से खुले होर्मुज़ से दुनिया भर में ऊर्जा आपूर्ति सामान्य होगी, जिसमें भारत भी शामिल है, जो अपनी कच्ची तेल जरूरतों का लगभग 40 प्रतिशत पश्चिम एशियाई रिफाइनरियों से खरीदता है।

चर्चित राजा रघुवंशी हत्याकांड की आरोपी सोनम को जमानत मिली

शिलांग, 28 अप्रैल। मेघालय की राजधानी शिलांग की एक अदालत ने राजा रघुवंशी हत्याकांड में अहम फैसला सुनाते हुए मुख्य आरोपी सोनम रघुवंशी को जमानत दे दी है। वह अपने पति की हत्या के आरोप में पिछले कई महीनों से शिलांग जेल में थी। सोनम को चौथी जमानत याचिका पर यह राहत मिली। इससे पहले उसकी तीन याचिकाएं अदालत की ओर से खारिज कर दी गई थीं। पीड़ित के भाई विपिन रघुवंशी ने इस निर्णय की पुष्टि की है। शिलांग सेशन कोर्ट ने बीते सप्ताह सोनम की जमानत याचिका पर सुनवाई करने के बाद सोमवार को जमानत का आदेश दिया।

'अत्याधुनिक ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हाइपरसोनिक और लंबी दूरी की क्रूज मिसाइलें शामिल हैं" विकसित की हैं, जो "हमारे घरेलू क्षेत्र को खतरे में डालने" के लिए डिज़ाइन की गई हैं। वे अमेरिका में विकसित हो रही अगली पीढ़ी की 'गोल्डन डोम' मिसाइल रक्षा प्रणाली पर सुनवाई के दौरान, अमेरिकी सीनेट कमेटी ऑन आर्म्ड सर्विसेज के सामने बोल रहे थे। देश की वर्तमान मिसाइल रक्षा क्षमताओं का वर्णन करने के लिए पूछे जाने पर, उन्होंने कहा, "आज हमारे पास एक बहुत सीमित ग्राउंड-आधारित सिंगल-लेयर होमलैंड डिफेंस सिस्टम है, जिसे विशेष रूप से उत्तर कोरिया से छोटे पैमाने के दुर्भावनापूर्ण हमले के खिलाफ डिज़ाइन किया गया था।" यह स्पष्ट और गंभीर आकलन उन चिंताओं के बीच आया है जो चीन, रूस, ईरान और उत्तर कोरिया जैसी राष्ट्रों की विकसित होती सैन्य क्षमताओं को लेकर हैं, जिससे वॉशिंगटन को अपनी घरेलू मिसाइल रक्षा में प्रमुख खामियों को स्वीकार करना पड़ा।

राजीव गांधी की हत्या का ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

में दोषी ठहराए गए एजी पेरारिवलन, जिन्हें 31 साल की जेल की सजा के बाद 2022 में रिहा किया गया था, अब चेन्नई के मद्रास हाई कोर्ट में प्रैक्टिस करने वाले वकील के रूप में अपनी जिंदगी का नया अध्याय शुरू कर चुके हैं।

वही कानूनी व्यवस्था, जिसमें पेरारिवलन ने 31 साल बिताए, अब उन्हें मद्रास हाई कोर्ट में वकील के रूप में अभ्यास करने का अवसर दे रही है। वे अब 54 वर्ष के हैं।

सोमवार को वकील के गाउन में उन्होंने तमिलनाडु और पुडुचेरी बार एसोसिएशन में वकील के रूप में नामांकन कराया।

1991 से जेल में बिताए अपने वर्षों को अनुभव का स्रोत बताते हुए, पेरारिवलन ने कहा कि उनका उद्देश्य गलत गिरफ्तारी, न्याय में देरी, और अंडरट्रायल के अधिकारों से संबंधित मामलों पर काम करना है, ताकि व्यक्तिगत अनुभव को कानूनी वकालत में बदला जा सके।

उन्होंने कहा, "मैं उन कैदियों को कानूनी सहायता देने पर ध्यान केन्द्रित करूंगा, जिनकी अक्सर प्रभावी प्रतिनिधित्व तक पहुँच नहीं होती।"

मद्रास हाई कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश सुश्रुत अरविंद धर्माधिकारी ने पेरारिवलन के नामांकन समारोह में भाग लिया।

तमिलनाडु और पुडुचेरी बार काउंसिल के अध्यक्ष पी एस अमलराज और उपाध्यक्ष एस प्रभाकरण भी उपस्थित थे।

वकील सी के चंद्रशेखर ने नामांकन प्रस्ताव पेश किया, जबकि नामांकन समिति के अध्यक्ष के बालू ने उन्हें शपथ दिलाई।

पेरारिवलन केवल 19 वर्ष के थे, जब उन्हें 1991 में पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की हत्या से जुड़े मामले में गिरफ्तार किया गया, यह हत्या लिबरेशन टाइगर्स ऑफ़ तमिल ईलम (लिट्टे) ने की थी।

बंगाल के चुनाव, एक ही हीरो ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

से अभिषेक बनर्जी के अलावा किसी भी अन्य प्रत्याशी को मतदाताओं से कोई वोट नहीं मिल पाता था। पिछले लोकसभा चुनाव में, अभिषेक बनर्जी ने सबसे अधिक मतों से जीतने का विवादित रिकॉर्ड बनाया। उन्हें सात लाख वोट मिले, जो लगभग 90 प्रतिशत के करीब थे।

इस बार भी, तृणमूल कांग्रेस पूरी तरह आश्वस्त थी कि उनका अधीनस्थ जहांगीर उनके पक्ष में सभी वोट दिलायेगा, अन्य किसी को भी वोट नहीं मिलने चाहिए। तरीका यह था कि मतदाताओं के पहचान पत्र इकट्ठे किए जाएं और फिर इनका उपयोग पार्टी के उम्मीदवारों के लिए वोट डालने में किया जाए। इसका परिणाम यह होना था कि कोई भी मतदाता अपनी मर्जी से वोट नहीं डाल सकता था। निर्वाचन क्षेत्र मुख्य रूप से मुस्लिम बहुल है और इन्हें पार्टी द्वारा फर्जी मतदान के लिए कब्ज़ा लिया जाये। केन्द्रीय बल विशेष रूप से डायमंड हार्बर निर्वाचन क्षेत्र में यह ठान चुका था कि यह स्पष्ट कर दिया जाए कि अब गुंडों का राज नहीं चलेगा।

दरअसल, यह दृश्य ही आत्मविश्वास बढ़ाने वाला है। केन्द्रीय बल स्वयं तृणमूल कांग्रेस के उन कार्यकर्ताओं को पकड़ रहे हैं, जो क्षेत्र के लोगों को आतंकित करते थे। लोग उन्हें सर्वेसर्वा मानते थे। अब जब उन्हें खुलेआम पकड़ा और घसीटा जा रहा है या वे पकड़े जाने के डर से अपने अड्डों से भाग रहे हैं, यह दृश्य पूरे बंगाल के लिए एक नया भरोसा दिलाने वाला है।

सत्ताधारी पार्टी द्वारा खेले जा रहे काले खेल के चलते, इस समय वामपंथी पार्टियों की भूमिका इस प्रक्रिया में गुप्त जानकारियाँ उपलब्ध कराने की है। दरअसल तृणमूल कांग्रेस ने वामपंथियों के खिलाफ अपनी आक्रामकता बढ़ाई थी और इसकी सुप्रीमो ममता बनर्जी अक्सर वामपंथियों से कठोर लड़ाई लड़ती थीं।

हालाँकि, वामपंथी गुस्से और निराशा में हैं कि देश की कानून-व्यवस्था मशीनरी स्थानीय गुंडों को इतने प्रभावी ढंग से समाप्त कर सकती है, जैसे वे पारंपरिक बाउलिंग खेल के मात्र नौ पिन हों। वे पुलिस व्यवस्था और केन्द्रीय बलों की आलोचना कर रहे हैं, शायद, चुनावी प्रक्रिया को साफ-सुथरा करने की खातिर। पुलिस, मुख्य रूप से केन्द्रीय बलों द्वारा क्षेत्र पर नियंत्रण, बंगाल सरकार पुलिस बल को बाहर रखकर, पहले चरण के जैसे स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव में जबरदस्त सहयोग दे रहा है। अपनी पूरी कोशिशों के बावजूद, तृणमूल कांग्रेस और वामपंथी अब तक कोई भी असामान्य कानून और व्यवस्था की समस्या नहीं खड़ी कर सके हैं। बंगाल दूसरे चरण के निष्पक्ष एवं स्वतंत्र चुनाव के लिए उम्मीद लगाए हुए है।

दिल्ली -पटियाला रेलवे ट्रैक पर बम विस्फोट

अनिल अंबानी ग्रुप की तीन हजार करोड़ की संपत्ति कुर्क

गुजरात की सभी 15 महानगर पालिकाओं में भाजपा की जीत

ईरान परमाणु अप्रसार संधि समीक्षा सम्मेलन का उपाध्यक्ष बना

प्र.मंत्री ने ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सिक्किम पहुंचने के एक दिन बाद, प्रधानमंत्री मोदी को एक अलग रूप में देखा गया, अपनी सामान्य कुर्ता को पीछे छोड़कर ट्रैक पैंट और फुटबॉल स्पाइक पहनकर फुटबाल खेलते दिखे।

इस राजनीतिक चाल की टाइमिंग को नज़रअंदाज़ नहीं किया जा सकता। सिक्किम के पड़ोसी राज्य बंगाल में फुटबॉल सिर्फ खेल नहीं है, बल्कि यह राज्य की सांस्कृतिक पहचान का हिस्सा है। प्रधानमंत्री की यह पहल बंगाल चुनाव से पहले कुछ लाभ हासिल करने और राज्य में गहरे खेल प्रेम के बीच एक सूक्ष्म संदेश देने की कोशिश लग रही है।

याद करें, 2021 विधानसभा चुनावों के दौरान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी की वह तस्वीर जब वे व्हीलचेयर में बैठकर रैली में फुटबॉल फेंक रही थीं और "खेला होगा" के नारे लग रहे थे। यह नारा विभिन्न वर्गों में गूंजा और टीएमसी के लिए एक जोरदार मुद्दा बन गया, जिससे पार्टी ने निर्णायक दो-तिहाई बहुमत हासिल किया।

चंडीगढ़ , 28 अप्रैल। पंजाब-हरियाणा बार्डर पर शंभू की सीमा में बीती रात दिल्ली-पटियाला रेलवे ट्रैक पर बम धमाका हुआ है। कहा जा रहा है कि जिस संदिग्ध ने विस्फोटक लगाया,

- **विस्फोट लगाने वाले संदिग्ध की हादसे में मौत हो गई।**

उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव के टुकड़े आज सुबह बरामद किए हैं। धमाके के कारण कई घंटे तक रेलवे ट्रैक बाधित रहा। यह धमाका पटियाला जिला के गांव बठोनियां के निकट जंगल में हुआ है। यहां रेलवे ट्रैक का कुछ हिस्सा घने जंगल में है। आतंकवाद के दौर में भी इस क्षेत्र में अकसर घटनाएं होती रही हैं।

पटियाला के एसएसपी वरूण शर्मा ने बताया कि बीती रात शंभू के निकट रेलवे ट्रैक पर धमाके की सूचना मिली। जिसके बाद वे स्वयं, डीआईजी पटियाला रेंज, जीआरपी तथा आरपीएफ के अधिकारी मौके पर पहुंचे। जहां धमाका हुआ, वहां गहरा गड्ढा बन गया।

ईडी ने मनी लॉडरिंग एक्ट के तहत ये संपत्तियां जब्त की थीं

नई दिल्ली, 28 अप्रैल। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने रिलायंस अनिल अंबानी समूह (आरएएजी) की कंपनियों के खिलाफ जारी धनशोधन जांच के अंतर्गत 3,034.90 करोड़ रुपये की नई संपत्तियां जब्त की हैं।

केन्द्रीय जांच एजेंसी ने मंगलवार को जारी बयान में बताया कि ईडी ने मेसर्स रिलायंस कम्युनिकेशंस लिमिटेड बैंक धोखाधड़ी मामले में पीएमएलए, 2002 के तहत 3,034.90 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की है। एजेंसी के मुताबिक, कुर्क की गई संपत्तियों में मुंबई का एक फ्लैट, खंडाला का फार्महाउस, सानंद की जमीन तथा रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं। इस तरह रिलायंस अनिल अंबानी समूह से जुड़े मामलों में अब तक 19,344 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है।

ईडी ने कहा कि कुर्क की गई

- **ईडी ने बताया कि कुर्क की गई संपत्तियों की अब तक की कुल राशि 19,344 करोड़ रु. हो गई है।**

संपत्तियां रिलायंस कम्युनिकेशंस (आरकॉम) और रिलायंस इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड (आर-इंफ्रा) की हैं। इनमें मुंबई में एक फ्लैट, खंडाला (महाराष्ट्र का एक हिल स्टेशन) में एक फार्महाउस, साणंद (अहमदाबाद) में कुछ भूखंड और आर-इंफ्रा के 7.71 करोड़ शेयर शामिल हैं।

केन्द्रीय जांच एजेंसी ने बताया कि इन संपत्तियों को कुर्क करने के लिए धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एक अस्थायी कुर्की आदेश जारी किया है।

अहमदाबाद, 28 अप्रैल। गुजरात की सभी 15 महानगरपालिकाओं के चुनाव में इस बार भी भाजपा का दबदबा कायम रहा। सूरत महानगरपालिका में भाजपा ने एक बार फिर प्रचंड जीत दर्ज

- **सबसे शानदार जीत सूरत में मिली जहां पार्टी ने 120 में से 112 सीटें जीती**

करते हुए 120 में से 115 सीटों पर कब्जा कर लिया है। पिछले 30 वर्षों से जारी भाजपा का एकछत्र शासन अगले पांच वर्षों तक भी बरकरार रहेगा।

वर्ष 2021 में 27 सीटें जीतने वाली आम आदमी पार्टी इस बार मात्र 4 सीटों पर सिमट गई है। कांग्रेस, जो पिछली बार खाता भी नहीं खोल सकी थी, इस बार केवल 01 सीट जीतने में सफल रही है। इन चुनावों का आयोजन एसआईआर (स्पेशल इंटेंसिव रिविजन) प्रक्रिया और 27 प्रतिशत ओबीसी आरक्षण लागू होने के बाद हुआ।

अमेरिका ने इस पर सख्त नाराजगी जाहिर की और इसे शर्मनाक बताया

न्यूयॉर्क, 28 अप्रैल। अमेरिका ने ईरान को संयुक्त राष्ट्र चार्टर विशेष समिति और परमाणु अप्रसार संधि समीक्षा सम्मेलन का उपाध्यक्ष चुने जाने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। इससे पहले ईरान को संयुक्त राष्ट्र सामाजिक विकास आयोग का भी उपाध्यक्ष चुना जा चुका है। अमेरिका के तेवर संयुक्त राष्ट्र में सोमवार को परमाणु हथियारों के प्रसार को रोकने के लिए बनी संधि की समीक्षा शुरू होने पर दिखे। बैठक में अमेरिका और ईरान के बीच तेहरान के परमाणु कार्यक्रम को लेकर तीखी बहस हुई।

सीबीएस न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, सम्मलेन के उद्घाटन सत्र में हथियार नियंत्रण और अप्रसार मामलों के लिए अमेरिका के सहायक विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडो ने कहा कि भले ही ईरान के इरादों और उसके परमाणु कार्यक्रम से निपटने के तरीकों को लेकर

- **अमेरिका ने कहा ईरान का परमाणु अप्रसार संधि समीक्षा सम्मेलन का उपाध्यक्ष बनना इस सम्मेलन की विश्वसनीयता पर सवाल उठाता है।**

अलग-अलग विचार हो सकते हैं, लेकिन ईरान ने संधि की अवमानना की है। येव ने कहा, "इस समीक्षा सम्मेलन का इस्तेमाल परमाणु अप्रसार संधि की अखंडता की रक्षा करना है। सम्मेलन में ईरान को जवाबदेह भी ठहराया जाना चाहिए। येव ने कहा कि हमने ईरान को ही उपाध्यक्ष चुन लिया है। अमेरिकी नेता ने कहा, "यह बेहद शर्मनाक है और इस सम्मेलन की विश्वसनीयता पर एक धब्बा है।"

वियना स्थित संयुक्त राष्ट्र में ईरान के राजदूत रजा नजाफी ने अमेरिका के आरोपों को बेबुनियाद और राजनीति से प्रेरित बताया है।

इस सम्मेलन में कुल 34 उपाध्यक्ष होते हैं। परमाणु अप्रसार संधि में शामिल 191 सदस्य देश इसकी हर पांच साल में समीक्षा करते हैं। यह संधि 1970 में लागू हुई थी। उपाध्यक्ष के तौर पर ईरान की दावेदारी का गुटनिरपेक्ष आंदोलन ने समर्थन किया। इसमें 121 विकासशील देश शामिल हैं। उपाध्यक्ष पद पर अमेरिका की दावेदारी का ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त अरब अमीरात ने समर्थन किया है। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने भी इस पर चिंता व्यक्त की। रूस ने ईरान को निशाना बनाए जाने पर आपत्ति जताई है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908